शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 04 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-214

एनआईए की छापेमारी में फोन, सिम मेमोरी कार्ड और दस्तावेज बरामद @ नम्मा बेंगलूरु

बिना झेंपे हवा-हवाई बातें करते स्वास्थ्य मंत्री नड्डा

मानव अंगों का अवैध धंधा रोकने में सरकार फेल

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने अंगदान दिवस पर बड़े गौरव से कहा कि भारत ने अंग प्रत्यारोपण में शानदार उपलब्धि हासिल की है। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री ने यह नहीं कहा कि इस तथाकथित शानदार उपलब्धि के बरक्स अंग प्रत्यारोपण का अवैध धंधा पूरे देश को ग्रसता जा रहा है। नड्डा यह जानते हैं कि अंग प्रत्यारोपण का अवैध धंधा नेताओं, नौकरशाहों, डॉक्टरों और दलालों के आपराधिक गठबंधन के कारण बहुत ही खतरनाक तरीके से फैल रहा है। इसी धंधे के कारण मानव तस्करी जैसा अमानवीय धंधा हो रहा, लेकिन सरकार उपलब्धियां गिनाने में लगी रहती है। नड्डा का स्वास्थ्य मंत्रालय मानव अंगों के अवैध प्रत्यारोपण पर अंकुश लगाने में पूरी तरह फेल है, लेकिन सार्जनिक मंचों पर गुणगान करने के अलावा नड्डा में सच स्वीकार करने का नैतिक बल नहीं है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने की शानदार उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपण की तुलना में एक महत्वपूर्ण छलांग है। उन्होंने कहा कि अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, तथा केवल अमेरिका और चीन से पीछे है। नड्डा ने राष्ट्रीय अंग एवं उतक प्रत्यारोपण संगठन द्वारा 15वें भारतीय अंगदान दिवस के मौके पर कहा कि भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने की शानदार उपलब्धि हासिल की है। एक वर्ष में अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। उन्होंने अंगदानकर्ताओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि उनके निस्वार्थ कार्य ने समाज में कई लोगों के लिए दुख को आशा और क्षति को जीवन में बदल दिया है। नड्डा ने बड़े गौरव से कहा कि वर्ष 2013 में अंग प्रत्यारोपण 5,000 से भी कम था, जबकि महज 10 साल में

मानव अंगों का धंधा चला रहे नेता, नौकरशाह, डॉक्टर और दलाल

यह बढ़ कर 18,900 से अधिक हो गया। लेकिन इस बढ़े हुए आंकड़े की सच्चाई बखान करने से नड्डा ने बड़ी चालाकी से परहेज कर लिया। स्वैच्छिक अंगदान के पीछे भी एक सुसंगठित सिंडिकेट काम कर रहा है और यह पूर्ण रूप से निः स्वार्थ सेवा का काम नहीं रह गया। इसके पीछे भी भयंकर धंधा चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने बड़े गौरव से कहा, अंग प्रत्यारोपण के मामले में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है। अब भारत केवल अमेरिका और चीन से पीछे है। भारत में प्रतिवर्ष 17,000-18,000 अंग प्रत्यारोपण होते हैं, जो भारत को विश्व स्तर पर शीर्ष दावेदारों में से एक बनाता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद चिकित्सकों और नागरिकों को यह नहीं बताया कि भारत में अंगदान की प्रतीक्षा कर रहे अनगिनत रोगियों की दुर्दशा देश की दर्दनाक सच्चाई है और यह स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए एक चेतावनी है कि वह प्रत्यारोपण के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाए। बढ़ती मांग के साथ दाताओं की संख्या में कमी के कारण, इसके भयावह परिणाम सामने आ रहे हैं। हर साल तीन लाख से ज्यादा रोगियों की चौंका देने वाली प्रतीक्षा सूची और उम्मीद की किरण के बीच हर रोज कम से कम 20 लोगों की मौत, देश में अंगदान की भयावह तस्वीर पेश करती है, जिसे नड्डा जैसे स्वास्थ्य मंत्री सार्वजनिक मंच पर स्वीकार नहीं करते। अंग प्रत्यारोपण के धंधे में निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के वर्चस्व ने इस संकट को और गहरा कर दिया है, जिससे असमानता का चक्र लगातार जारी है। निजी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण से जुड़ी अत्यधिक लागत इस जीवन रक्षक प्रक्रिया को आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए दुर्गम बना रही है। आंकड़े इस कठोर वास्तविकता को उजागर करते हैं। वर्ष 2019 में 95 प्रतिशत से अधिक लिवर (यकृत) प्रत्यारोपण 175 निजी क्षेत्र के अस्पतालों में किए गए। सालाना एक से दो लाख किडनी (गुर्दा) प्रत्यारोपण की अनुमानित आवश्यकता के बावजूद वर्ष 2019 से हर साल बहुत मुश्किल से 10,000 से कम किडनी प्रत्यारोपित की जा रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री यह समझते हुए भी समझना नहीं चाहते कि प्रत्यारोपण सेवाओं का यह असमान वितरण न केवल सामाजिक-आर्थिक विभाजन को गहरा करता है, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था को भी कायम रखता है जहां जीवन रक्षक उपचार तक पहुंच व्यक्ति की वित्तीय स्थिति पर निर्भर करती है। दुखद बात यह है कि इस असमानता से सबसे ज्यादा प्रभावित अक्सर वही लोग होते हैं जो निजी स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी ऊंची लागत वहन नहीं कर सकते।

अवैध अंग व्यापार का अभिशाप हमारे देश के सामने एक गंभीर चुनौती बन कर खड़ा है, जो हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर कालिख पोत रहा है। बंद दरवाजों के पीछे, अवैध अंग प्रत्यारोपण रैकेट का एक भूमिगत नेटवर्क खतरनाक स्तर पर फल-फूल रहा है।

यह धंधा खुलेआम कानून, नैतिकता और मानव अधिकार को ठेंगा दिखा रहा है। चिंताजनक बात यह है कि ऐसी नापाक गतिविधियों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, लेकिन सरकार इनके सामने नाकाम है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि जो मामले सामने आते हैं, वे एक बहुत बड़ी और अधिक घातक समस्या की सतह खरोंचने मात्र हैं।

अंगों के फलते-फूलते समानांतर अवैध बाजार से जाहिर है कि अंगों की खरीद के कानूनी रास्ते अत्यंत जटिल हैं जिसका फायदा अवैध धंधा करने वाले सफेदपोश उठा रहे हैं। डेटा रिपोर्टिंग में गंभीर कमियां, खास तौर पर अस्पतालों और राज्यों द्वारा राष्ट्रीय रजिस्ट्री में जानकारी की ऑनलाइन प्रविष्टि के संबंध में लचर रवैया अंग प्रत्यारोपण गतिविधियों की प्रभावी निगरानी और विनियमन के प्रयासों को कमजोर करता है।

बिहार में पुनरीक्षण के बाद संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी

बिहार की मतदाता सूची से हटे 65 लाख नाम

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार में चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। नए ड्राफ्ट में लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। वह वोटर हटाए गए हैं जिनकी या तो मौत हो चुकी या फिर वह दिए गए पते पर मिले नहीं। इस एसआईआर प्रक्रिया में बिहार के मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज में 1.45 लाख मतदाताओं के नाम नई सूची से हटा दिए गए है। यह आंकड़ा जिले के कुल मतदाताओं की संख्या का करीब 11.8 प्रतिशत है।

विधानसभा चुनावों में जहां 4-5 प्रतिशत वोटों की संख्या पर हार-जीत तय हो जाती है, वहां इस आंकड़े के महत्व को समझना कोई बड़ी बात नहीं है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में इतनी खामियां पकड़ी गईं कि विशेषज्ञ तक हैरानी में हैं। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री रहे तेजस्वी यादव के भी दो-दो वोटर आईडी हों तो आप स्थिति के बारे में अंदाजा लगा सकते हैं। चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि मौजूदा वक्त में किशनगंज में मुस्लिमों की आबादी करीब 70 प्रतिशत है और यहां अवैध घुसपैठ बहुत बड़ी समस्या है। यह जिला पश्चिम बंगाल से सीमा भी साझा करता है। यहां तेजी से डेमोग्राफी बदलाव की बात

जिले में जनसंख्या की तुलना में 126% अधिक मिले आधार

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के दो वोटर कार्ड!

चुनाव आयोग ने नोटिस जारी कर तेजस्वी से मांगा जवाब

भी पहले सामने आ चुकी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों से पता चलता है कि एसआईआर की प्रक्रिया शुरू किए जाने से पहले 24 जून 2025 को जिले में मतदाताओं की संख्या 12,31,910 थी। इस प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग को 10,86,242 गणना प्रपत्र ही प्राप्त हुए। यानि अब जो नया ड्राफ्ट चुनाव आयोग ने जारी किया है उसमें 1,45,668 मतदाताओं के नाम कट गए हैं। पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे किशनगंज जिले में 4 विधानसभा क्षेत्र हैं।

चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर की प्रक्रिया शुरू किए जाने से पहले ही किशनगंज में नए निवास प्रमाण पत्र बनवाने वालों लोगों की कई गुना तक बढ़ गई थी। इस अप्रत्याशित बढ़ोतरी को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी किए जाने की आशंका से भी जोड़कर देखा जा रहा था। चुनाव आयोग की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही यह बात सामने आ गई थी कि किशनगंज में 2025 में जनवरी से मई तक हर महीने निवास प्रमाण पत्र के लिए औसतन 26 हजार से 28 हजार तक आवेदन आ रहे थे, लेकिन जुलाई के 6 दिनों में ही निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 1.28 लाख से अधिक आवेदन आ गए। पैन कार्ड, आधार कार्ड और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों में समय और प्रमाण लगते हैं जबकि निवास प्रमाण पत्र आसानी से बन जाता है। यह मामला सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। किशनगंज में फर्जी वोटर बनाए जाने से जुड़ा शक केवल निवास प्रमाण पत्र तक ही सीमित नहीं है बल्कि कुछ दिनों पहले सामने आए आधार कार्ड सैचुरेशन के आंकड़ों से भी ऐसे कई सवाल खड़े हुए थे। बिहार के कई मुस्लिम बहुल जिलों में आधार कार्ड सैचुरेशन 100 प्रतिशत से भी ज्यादा था और किशनगंज में यह आंकड़ा 126 प्रतिशत था।

▶10पर

तमिलनाडु की चुनावी प्रक्रिया में दखल दे रहे बिहारी

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने तमिलनाडु में रहने वाले बिहारी प्रवासी मजदूरों को बाहरी बताकर उनके वोटर बनने के हक पर सवाल उठाए हैं। चिदंबरम ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग तमिलनाडु में 6.5 लाख प्रवासियों को वोटर लिस्ट में जोड़ रहा है, जो गैरकानूनी और खतरनाक है।

चिदंबरम की आपत्ति का निहितार्थ यह है कि वे तमिलनाडु में रहने वाले अन्य राज्य के लोगों के मतदाता सूची में शामिल किए जाने को गैरकानूनी और खतरनाक मानते हैं। चिदंबरम उसी पार्टी के नेता हैं, जिसके प्रिंस संविधान पॉकेट में लेकर घूमते हैं। चिदंबरम का यह संविधान विरोधी बयान राहुल गांधी को नहीं दिख रहा। इंडी गठबंधन पहले भी बिहारियों के खिलाफ नफरत भड़काकर वोट की राजनीति करता रहा है। चिदंबरम का यह बयान उसी पुरानी चाल का हिस्सा है, जिसे कांग्रेस और उसके सहयोगी चुपचाप बढ़ावा देते रहे हैं।

▶10पर

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर संसद में बहस की मांग

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

संसद का मानसून सत्र राजनीतिक टकराव का केंद्र बन गया है। सरकार अपने विधायी कार्यों को आगे बढ़ाना चाहती है, लेकिन विपक्ष बिहार के मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) पर बहस को लेकर अड़ा हुआ है।मानसून सत्र के दौरान संसद में लगातार गतिरोध के बीच केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में दो अहम विधेयकों- राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक और राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर सकती है। विपक्ष की तरफ से बिहार में चल रही विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर चर्चा की मांग को सरकार की ओर से मंजूरी नहीं मिलने के कारण संसद में हंगामा जारी है। इस मुद्दे पर संसद की कार्यवाही बार-बार स्थगित हो रही है।विपक्षी दलों का आरोप है कि निर्वाचन आयोग (ईसी) की यह प्रक्रिया विपक्ष समर्थक मतदाताओं के नाम सूची से हटाने और एनडीए (भाजपा गठबंधन) के पक्ष में चुनावी फायदा पहुंचाने

▶10पर

के. कविता ने पार्टी के वरिष्ठ नेता को कहा षडयंत्रकारी

फिर सतह पर बीआरएस की अंदरूनी कलह

हैदराबाद, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और एमएलसी के. कविता ने रविवार को आरोप लगाया कि उनके खिलाफ की गई अनुचित टिप्पणियों के पीछे उनकी ही पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का हाथ है। उनके इस बयान से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के भीतर चल रही आपसी खींचतान एक बार फिर चर्चा में आ गई है।

हालांकि, कविता ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह टिप्पणियां किस तरह की थीं। उन्होंने कहा कि पार्टी के अन्य नेताओं की चुप्पी काफी कुछ कहती है। उन्होंने कहा, जब मेरे खिलाफ गलत बातें बोली गईं, तब पूरे तेलंगाना को बुरा लगा। लोगों ने इस पर प्रतिक्रिया भी दी। लेकिन किसी कारणवश, मेरी ही पार्टी बीआरएस के भाई चुप रहे। कविता ने दावा किया कि उनके पास पक्की जानकारी है कि पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने जानबूझकर यह सब कराया। उन्होंने कहा, साजिश करने वाले ये सोचते हैं कि वे मेरे समर्थकों के बीच अपने लोग घुसाकर मेरी जानकारी जुटा लेंगे। लेकिन उन्हें यह जानना चाहिए कि मुझे भी पार्टी के अंदर की बातें पता हैं।

उन्होंने कहा, मुझे पता है आपने किससे मुलाकात की, किसे मेरे खिलाफ बोलने को उकसाया और एक महिला को निशाना बनाने के लिए आप कितने नीचे गिर गए। मैं यह सब देख रही हूं। बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी कविता ने कहा कि वह कर्म में विश्वास रखती हैं और जो लोग उन्हें निशाना बना रहे हैं, उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। कविता ने पार्टी के ही एक छोटे कद के नेता पर हमला

▶10पर

मालेगांव विस्फोट मामले में बरी हुए पूर्व सेनाधिकारी

कर्नल पुरोहित का पुणे में जोरदार स्वागत

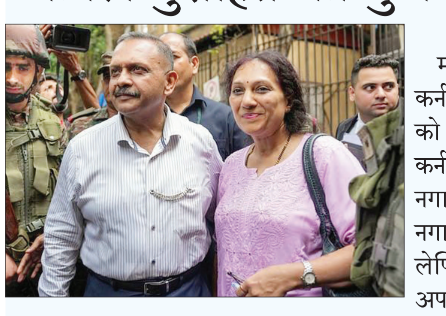

पुणे, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

मालेगांव विस्फोट मामले में बरी हुए कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित का रविवार को पुणे में जोरदार स्वागत हुआ। लोगों ने कर्नल पुरोहित पर फूल बरसाए और ढोल नगाड़ों की धुन पर जमकर झूमे। ढोल-नगाड़ों की थाप और पुष्प वर्षा के बीच लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित अपनी पत्नी के साथ खुली जीप में सवार होकर जुलूस के साथ शांतिशीला हाउसिंग सोसाइटी स्थित अपने घर पहुंचे। जुलूस में शामिल लोगों ने पुरोहित के बरी होने पर जय श्री राम और सनातन धर्म की जय के नारे लगाए। पुरोहित की सोसाइटी के लोग भी फूल लेकर उनका स्वागत करने आए और भगवा झंडे लहराए।

जुलूस के दौरान कर्नल पुरोहित ने कहा, लोग हमेशा मेरा स्वागत करना चाहते थे। लेकिन मैंने कहा था कि जब तक मैं इस मामले से पूरी तरह बरी नहीं हो जाता, मैं आपको उस तरह की खुशी नहीं दे पाऊंगा। इस बार जब अदालत ने फैसला सुनाया तो लोगों ने कहा कि वे मेरा स्वागत करेंगे। मेरा यह कहने का कोई मन नहीं था कि मैं इसमें शामिल नहीं हो पाऊंगा। मैं लोगों का आभारी हूं। पुरोहित ने कहा, मुझे बेहद खुशी है कि मेरा इतना भव्य स्वागत किया गया। मेरा पूरा परिवार इस स्थान पर मेरा इंतजार कर रहा है। मेरा पूरा परिवार यहां आया है। मैं यहीं पला-बढ़ा हूं। सभी लोग मुझसे मिलने यहां आए हैं।

लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित के एक कॉलेज मित्र ने कहा कि उन्हें 17 साल बाद न्याय मिला है। उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया था।

▶10पर

हैदराबाद की अदालत के आदेश पर

मंत्री के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज

हैदराबाद, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

हैदराबाद की नामपल्ली अदालत ने तेलंगाना सरकार की मंत्री कोंडा सुरेखा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। यह मुकदमा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मंत्री केटी रामाराव की मानहानि की शिकायत पर दर्ज किया गया है। नामपल्ली कोर्ट ने केटीआर की शिकायत के बाद इस मामले में पर्याप्त प्रारंभिक सबूतों की समीक्षा के बाद, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 356 के तहत मामला दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने निर्देश दिया है कि आपराधिक मामला दर्ज किया जाए और 21 अगस्त तक मंत्री सुरेखा को नोटिस दिया जाए। मानहानि का यह मामला पिछले साल अक्टूबर का है, जब मंत्री कोंडा सुरेखा द्वारा केटीआर को लेकर एक विवादास्पद टिप्पणी की गई थी।

कोंडा सुरेखा ने फिल्म अभिनेत्री सामंथा और अभिनेता नागा चैतन्य के तलाक के लिए पूर्व मंत्री केटीआर को जिम्मेदार ठहराया था। इसके अलावा भी कई अन्य निराधार आरोप लगाए थे। केटीआर के वकील ने तर्क दिया कि ये बयान निराधार थे और दुर्भावना से दिए गए थे। इन बयानों से केटीआर की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

कोंडा सुरेखा की कानूनी टीम ने शिकायत के न्यायाधिकार और स्वीकार्यता को लेकर आपत्ति जताई, लेकिन अदालत ने उनकी आपत्ति को खारिज कर दिया। अदालत ने उच्च न्यायालय के एक पूर्व निर्देश का हवाला दिया जिसमें मामले पर सुनवाई करने के न्यायालय के अधिकार की पुष्टि की गई थी।

▶10पर

जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर की अगुवाई में

पहला राष्ट्रीय पगारिया जेबीएन पक्ष बिजनेस सम्मिट 2025 की ऐतिहासिक शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के अंतर्गत जेबीएन पगारिया समूह द्वारा जीतो केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय पहला राष्ट्रीय जेबीएन पगारिया पक्ष बिजनेस सम्मिट 2025 एक बी2बी कॉन्क्लेव प्रिंसेस श्राइन एवं प्रिंसेस गोल्फ (बेंगलूरु) में आयोजित हुआ। इवेंट्स एवं हॉस्पिटालिटी इंडस्ट्री पर केंद्रित इस बी2बी कॉन्क्लेव ने जैन उद्यमियों के लिए एक अनूठा और प्रभावी मंच प्रदान किया। इस सम्मिट में भारत भर से तथा बेंगलूरु सहित 13 जीतो चैप्टर्स से आए 380 से अधिक इंडस्ट्री लीडर्स, विशेषज्ञों एवं प्रोफेशनलों ने इवेंट्स, हॉस्पिटालिटी और इससे जुड़े क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। इस सम्मिट को कई प्रतिष्ठित प्रायोजकों और साझेदारों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में कुशल्स फैशन ज्वेलरी, मीडिया स्पॉन्सर के रूप में पारस पैकेजिंग एंड कंपनी, तथा वेन्यू पार्टनर के रूप में प्रिंसेस श्राइन एवं प्रिंसेस गोल्फ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों की विशेषज्ञता लेकर आए 35 से अधिक अन्य पार्टनर्स ने भी इस आयोजन को सफल बनाने में अहम योगदान दिया। यह पहल जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर द्वारा जेबीएन वर्टिकल के अंतर्गत शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य उद्योग में विकास, नवाचार एवं उत्कृष्टता को बढ़ावा देना रहा। इस दो दिवसीय आयोजन में प्रतिनिधियों को कीनोट सेशन्स, पैनल डिस्कशंस और नेटवर्किंग के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने, सहयोग करने और नए व्यापारिक अवसरों को तलाशने का मंच प्रदान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के पावन उच्चारण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें जीतो एपेक्स, जोन, चैप्टर के पदाधिकारी, गणमान्य अतिथि एवं पक्ष टीम के सदस्य उपस्थित रहे। शानदार सजावट और डिजिटल आरंभ ने आयोजन की भव्यता में चार चाँद लगा दिए। जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया एवं टीम की ऊर्जा को सराहा। वहीं चीफ सेक्रेटरी नितिन लूनिया ने कहा, पक्ष की यह पहल जैन समाज के लिए प्रेरणादायक मॉडल प्रस्तुत करेगी। कार्यक्रम में चीफ सेकेट्री जेबीएन के सीए अजय जैन ने पक्ष के प्रयासों की सराहना की और इसे एक मिसाल बताया। जेबीएन चेयरमैन कैलाश गोलेच्छा ने कहा जहाँ हो जैन, वहाँ हो जेबीएन यही हमारा विजन है। केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना ने कहा कि जीतो की अधिकतर योजनाओं की शुरुआत बेंगलूरु से हुई है और पक्ष भी उसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। जीतो एपेक्स डायरेक्टर नरेंद्रसिंह सामर ने अपने उद्बोधन में कहा कि पक्ष जैसी पहल नेटवर्किंग व बिजनेस को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। वहीं एपेक्स मंत्री श्रीपाल बच्छावत ने कहा कि पक्ष की सोच को जोन से नेशनल तक लाया गया है, और अब यह मंच हर सदस्य को वैश्विक स्तर तक पहुँचने की प्रेरणा देगा। जीतो बेंगलूरु एपेक्स व बेंगलूरु के पूर्व चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा ने बेंगलूरु की नेतृत्व क्षमता को उजागर करते हुए कहा कि यह शहर एपेक्स तक अपनी प्रभावशाली मौजूदगी बनाए रखने में सक्षम है। वहीं पक्ष के तीन मजबूत स्तंभ दिलीप जैन (केकेजी सेक्रेटरी), तुषार बाफना (केकेजी जेबीएन संयोजक) और कोमल भंडारी (पक्ष संयोजक) ने पक्ष की यात्रा और उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि इस मंच से सदस्यों को नए साथी और नए अवसर मिलेंगे। उद्घाटन सत्र में कन्नड़ लोकनृत्य की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने माहौल को जीवंत कर दिया। शौरभ जैन ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। वहीं अजय श्रीश्रीमाल ने जीतो कनेक्ट 2025 पावर ऑफ वन के पोस्टर का लोकार्पण कराया और हैदराबाद में 3-5 अक्टूबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए स्टॉल बुकिंग का आह्वान किया। दोपहर के सत्र में आयोजित पैनल डिस्कशन में पंकज जैन ने पैनलिस्ट्स राखी ललवानी, शुगुन पन्नू, एम जे राकेश, मनीष गु-लेच्छा, मीतिन बारू और मेगा मोदी से गहन संवाद किया। उन्होंने इवेंट्स इंडस्ट्री की चुनौतियों, नवाचार और रचनात्मकता पर चर्चा की। अंतरा भार्गव ने सततता पर ध्यान केंद्रित करते हुए बताया कि एक इवेंट में 1000 प्रतिभागियों से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन लगभग 1200 बैरल तेल के जलने के बराबर होता है। उन्होंने जैन समुदाय को इस हरित परिवर्तन का नेतृत्व करने का आह्वान किया। सिग्नेचर सीरीज मास्टरक्लास में प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट मायुरी वर्मा ने ग्लैमर इंडस्ट्री में आत्म प्रस्तुति पर व्यावहारिक सुझाव साझा किए, जबकि मीनाक्षी मेहता ने टेच इन इवेंट्स विषय पर नवीनतम तकनीकों जैसे कॉसमॉस, एआई टूल्स, और 3डी विजुअलाइजर की भूमिका समझाई। प्रसिद्ध वेडिंग प्लानर अनीश वाशा ने वेडिंग चेकलिस्ट की आवश्यकता, प्रभावी संवाद और पेशेवर प्रस्तुति के महत्व को समझाया। कार्यक्रम के दौरान अनीश वाशा और सोनम चाबरा को जीतो द्वारा सम्मानित भी किया गया।

आलोक जैन ने अपने प्रेरक वक्तव्य में बताया कि शारीरिक असक्षमता भी बाधा नहीं बनती, अगर आत्म विश्वास और जुनून साथ हो। राहुल पार्टी आइडियाज ने डिजिटल युग में पर्सनल ब्रांडिंग पर कहा कि आपका ऑनलाइन प्रभाव ही आपकी डिजिटल वैल्यू है। रिंकू एम भंसाली ने अंकों के माध्यम से व्यवसाय में संभावनाओं की बात की, वहीं अभिषेक दोषी (एडवोकेट) ने इवेंट इंडस्ट्री के लिए कानूनी सुरक्षा आईपी, डेटा गोपनीयता, वेंडर अनुबंध आदि पर जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन से पूर्व श्रीकांत कानोई द्वारा संचालित अंतिम पैनल डिस्कशन में आर जे स्निग्धा, यश जैन, मीनाक्षी मेहता, अश्विनी आर्या, सपना सांघवी ने इवेंट्स इंडस्ट्री में तकनीक, अनुभव और ब्रांडिंग पर अपने विचार साझा किए।

प्रतिभागियों के लिए बेहद ज्ञानवर्धक

यह संवाद भी प्रतिभागियों के लिए बेहद ज्ञानवर्धक रहा। सम्मिट की शाम सोल जैम की संगीतमयी प्रस्तुति से सजी, जिसमें साथ गावो साथ नाचों थीम पर बैंड ने सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। तेजस्वी की अगुवाई में दी गई यह प्रस्तुति सम्मिट के मुख्य आकर्षणों में से एक रही। दूसरे दिन की शुरुआत कॉफी रेव विद डीजे गौरव से हुई, जिसमें कॉफी के विविध फ्लेवर और लाइव म्यूजिक ने सभी को तरोताजा कर दिया। सत्रों की श्रृंखला में हुए परिचय सत्र में सदस्यों ने व्यवसाय साझा करते हुए गीत-संगीत से आत्मीयता भी बनाई। पलनी के इंटरएक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र में 45 सेकंड की उत्तर सीमा ने संवाद को रोचक बनाया। मुख्य आकर्षण राहुल कपूर का सत्र रहा, जिन्होंने अजेय मानसिकता पर कहा कि सोच ही भविष्य तय करती है, आत्मविश्वास और सीमाओं से ऊपर सोच ही सफलता की कुंजी है। पक्ष बिजनेस सम्मिट 2025 न केवल एक इवेंट्स इंडस्ट्री का बी2बी प्लेटफॉर्म सिद्ध हुआ, बल्कि इसने जैन समाज के व्यापारिक एकीकरण, तकनीकी जागरूकता और प्रेरक नेतृत्व को नई ऊँचाइयाँ दीं। आयोजन के दोनों दिन विविध सत्रों, संवादों, प्रस्तुतियों और नेटवर्किंग के माध्यम से हर प्रतिभागी के लिए एक प्रेरणास्पद अनुभव बन गए।

संस्कार सहवर्ध शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ भवन गांधीनगर में डॉ पुलकित मुनि के सानिध्य में संस्कार सहवर्ध शिविर का आयोजन हुआ।

जिसमे नवगठित महालक्ष्मी लेआउट ज्ञानशाला के बच्चों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुति दी। कुल 27 बच्चों ने शिविर में भाग लिया। शेफाली मांडोत ने ज्ञानशाला की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी एवं अपने सहयोग के लिए नीता गादिया का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अंजू नंगावत, रिंकू बोहरा और पूजा दुधेरिया की उपस्थिति रही।

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *पर्यावरण जाग्रति वैदिके, बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में नंदिनी डेयरी के नवनियुक्त अध्यक्ष चलवराज का सम्मान किया गया। साथ ही डेयरी के निवर्तमान अध्यक्ष महादेव द्वारा उनके कार्यकाल में दी गई सेवाओं की राजपुरोहित ने सराहना की। इस मौके पर कुमार गौड़ा, महेश, लोकेश, गोपी, चेतन गौड़ा आदि उपस्थित रहे।*

संभाले रिश्तों की डोर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरी नगर द्वारा संभाले रिश्तों की डोर कार्यशाला का आयोजन साध्वी श्री पुण्ययशा जी के सानिध्य में किया गया। जिसका विषय था जीवन को उत्सव कैसे बनाएं? मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण के रूप में शासन माता प्रमुख श्री कनक प्रभा जी द्वारा रचित स्वस्थ परिवार गीतिका का संगान किया गया। अध्यक्ष मंजू बोथरा ने सभी का स्वागत करते हुए अपने भाव रखें। साध्वी श्री पुण्ययशाजी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा रिश्ते मैं से नहीं हम से बनते हैं। दूसरों की बातों में आकर अपने रिश्ते को खराब मत करो, क्योंकि रिश्ते अपने होते हैं, दूसरों के नहीं। रिश्तों की सुदृढ़ता के लिए अच्छा दिल और अच्छ स्वभाव होना चाहिए। अच्छे दिल से रिश्ते बनते है और अच्छे स्वभाव से रिश्ते जीवनभर टीकते हैं, दृढ़ होते हैं। परिवार मर्यादा से बनते है, कर्तव्यों के पालम से निखरते हैं और व्यवस्था अनुशासन से विकसित होते हैं। साध्वी श्री ने सहिष्णुता, प्रेम और सौहार्द की वृद्धि के लिए ज्योति केन्द्र प्रेक्षा ध्यान का प्रयोग तथा शशांकासन से इमोशन पर कंट्रोल करने की प्रेरणा दी। साध्वी बोधि प्रभाजी ने एक सुमधुर गीतिका के द्वारा अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। कार्यशाला का सुंदर संचालन संयोजिका अमिता छाजेड़ ने किया। मंत्री वंदना भंसाली का कार्यशाला के आयोजन में सहयोग रहा। सह मंत्री आशा लोढ़ा ने आभार ज्ञापन किया।

आचार्य श्री शुभचंद्र जी की 86वीं जन्म जयंती पर गुणानुवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में आचार्य श्री शुभचंद्र जी की 86 वीं जन्म जयंती पर गुणानुवाद करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि आचार्य शुभचंद्र जी सादगी शांति और सौम्यता के त्रिवेणी संगम थे। अभिमान से कोसों दूर वे वात्सल्य की सजीव मूर्ति थे। नमस्कार मंत्र के तीसरे पद पर सुशोभित वे भक्तों के लिए भगवान थे। वे आचार्य होते हुए भी शिष्य बन कर जिए और नाम के अनुरूप शुभ भावों में रमण करते रहे। इस प्रसंग पर जीवन स्मरण सुनाते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि आचार्य शुभ जय गच्छ के 11वें पट्टधर थे जिन्होंने अनेक प्रांतों में भ्रमण किया था और 58 वर्ष पूर्व अलसूर में भी चातुर्मास किया था। वे जाति और कूल संपन्न संत थे जो मेघ समान सभी पर समान अनुकंपा बरसाते थे। ब्रह्मा विष्णु शिव के समान सभी के प्रिय थे। निपुणप्रभा जी ने कहा कि विनयमूर्ति आचार्य शुभ ने स्वयं अपने जीवन काल में ही आचार्य पद त्याग कर अनुकरणीय आदर्श पेश करते हुए अपने शिष्य पार्श्वचन्द्रजी को आचार्य पद दे दिया था। वे वीरीबाई और दीपचंद जी के सुपुत्र थे। राजस्थान के रूपावास में उनका जन्म हुआ था। पूज्य ऋद्धिप्रभा जी महाराज साहब ने इस अवसर पर गीतिका प्रस्तुत की। अलसूर संघ की ओर से गुणानुवाद करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आचार्य शुभचंद्र जी को आत्मीयता से भरपूर आत्मार्थी आचार्य बताया। बालिका मंडल, श्राविका मंडल और अमीत शर्मा ने अपने भाव व्यक्त किए। इस अवसर पर शताधिक जनों ने एकासन तप किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

आचार्य श्री शुभचंद्र जी की जयंती मनाई

आचार्य श्री शुभचंद्रजी के लिए कोई तेरा कोई मेरा नहीं था: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में रविवार को आचार्य श्री शुभचंद्र जी की 86वीं जन्म जयंती मनाई गई। गुरुदेव ने कहा कि आचार्य शुभचंद्र जी सादगी, शांति और सौम्यता के त्रिवेणी संगम थे। वे आचार्य होते हुए भी शिष्य बन कर जिए और नाम के अनुरूप शुभ भावों में रमण करते रहे। आचार्य जी को मैने बहुत करीब से देखा है। उनका चेहरा बहुत ही प्रफ्फुलित था। उनका सभी के प्रति प्रेम था। उनके लिए कोई तेरा नहीं कोई मेरा नहीं था। वे सरल व्यक्तित्व के धनी थे। उनके लिए सभी समान थे। गुरुदेव के बताए मार्गों पर चल कर सभी को अपना जीवन सुधार लेना चाहिए। गुरुदेव ने कहा कि इस दुनिया में सभी सुख चाहते हैं। मनुष्य ही नहीं बल्कि जीव जन्तु भी सुख चाहते हैं। संसार में जन्म लेने वाला हर जीव सुख चाहता है। किसी को भी दुख पसंद नहीं है। दुख आए तो वह बात अलग है, लेकिन इसको चाहता कोई नहीं है। लेकिन सुख दुख अपने कर्मों के हिसाब से ही मिलता है। मनुष्य को सुख तो चाहिए, लेकिन अपनी जरूरतों के हिसाब से वह पाप करता रहता है। पाप करने के बाद जब उसका उदय होता है तो दुख मिलना निश्चित है। अगर सुख चाहिए तो पाप के मार्गों से दुर होना ही पड़ेगा। अगर संसार में रहकर हर वक्त पाप करते रहोगे, तो आने वाले समय में दुख निश्चित ही मिलेगा। भगवान महावीर ने सत्य अहिंसा का मार्ग बतलाया है, क्योंकि वह सभी के लिए सुख की कामना करते हैं। लेकिन वर्तमान में मनुष्य अपने हिसाब से गलत मार्गों पर चल कर गलत कार्य करता है और दुख आने पर भगवान से कहता है। भगवान का भजन करेंगे, याद करेंगे, तो सुख मिलेगा। जैसे गुड़ खाओगे तो मुह मिठा होगा। वैसे ही भजन करोगे तो शांति मिलेगी। अगर किर्तन भजन ही नहीं करोगे तो शांति और सुख नहीं मिलेगी। याद रखो कि पैसे आने से ही सुख नहीं मिलता है। अगर निंद ना आए तो लाख रुपए का बिस्तर भी बेकार होता है। भुख नहीं है तो अच्छे से अच्छा भोजन भी बेकार है। गुरुदेव ने कहा कि जीवन में नम्र रहने वाला सुखी होता है। जो अकड़ में रहता है वह दुखी होता है। नम्र व्यक्ति को हर कोई पसंद करता है। अकड़ वाले की कहीं भी पूछ नहीं होती है। अकड़ने से जीवन में कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। गुरुदेव ने कहा कि झुकता वही है जिसमें जान है, अकड़ वाला तो मुर्दो की पहचान है। जीवन में कुछ भी हासिल क्यों ना हो जाए, लेकिन नम्र रहो। मनुष्य का मन बहुत खतरनाक होता है। मन की सुन कर मनुष्य पाप पर पाप करता जा रहा है। ऐसा करने के बाद जब दुख आता है तो वह दूसरों को दोषी बताता है। अपने मन को भटकने से रोकना है तो गुड़ मांगने पर नमक देना चाहिए। गुड़ मांगने पर गुड़ देंगे तो मन पर नियंत्रण करना संभव नहीं होगा। जहां पर दो लोग बात करते हों वहां बीच में नहीं बोलना चाहिए। बीच में बोलने वाला मुर्खों की श्रेणी में आत है। अगर मुर्खों की श्रेणी में नहीं आना है तो ऐसे कार्यों से बचते रहना। गुरुदेव ने कहा कि जो अपने बड़े होते हैं उनके पास रोजाना बैठना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन की सभी कठिनाई मिट जाएगी। विनम्र रहने वालों के जीवन से सभी कठिनाई मिट जाएगी। इस दौरान बेंगलूरु के साथ ही विभिन्न उपनगरों से उप-स्थित लोगों ने भी आचार्य श्री शुभचंद्रजी के जन्म जयंती पर अपने विचार रखे। सभी का स्वागत श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

दुनिया में मित्रों ने ही वक्त बुरा पड़ने पर साथ निभाया: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने नवग्रह अनुष्ठान अंतर्गत कहा कि चंद्रग्रह अनुष्ठान आराधना जीवन में आत्मसंयम लाने वाला है। चंद्रमा शीतलता प्रदान करने वाला है। चंद्रमा के प्रभाव से ही व्यक्ति का मन विचलित व स्थिर होता है। कहते हैं मन यदि नियंत्रण में हो तो सब कुछ आसानी से हो जाता है, परंतु यदि मन अस्थिर हो तो कार्य पूर्ण होने में परेशानियां तो आती ही हैं। साथ ही कार्य भी कुशलता से नहीं होता। कुल मिलाकर इसमें नुकसान ही होता है। साध्वी शीतल-गुणा ने मित्रता दिवस पर कहा कि वातावरण को इत्र और जिंदगी को महकाता है मित्र। दुनिया में मित्रों ने ही वक्त बुरा पड़ने पर साथ निभाया है। एक अच्छा मित्र मिल जाए तो आदमी के जीवन में ऊंचाइयां चढ़ जाती हैं और यदि गलत रास्ते पर चलने वाला एक दोस्त मिल जाए तो आदमी कहां तक गिरेगा, इसका कोई पता नहीं लगता। मित्र एक चुनें पर जब भी चुनें हमेशा नेक चुनें। जिस तरह वातावरण को इत्र महका देता है, वैसी ही जिंदगी को एक अच्छा मित्र महका देता है। पूनमचंद सोलंकी ने कहा कि बेंगलूरु से प्रकाश कंकुलोल, अरुण बोहरा, सुनील बाफना, निर्मल दलाल, अमृत कांकरिया, अनिल पगारिया, प्रमिला कंकुलोल ने दर्शन का लाभ लिया। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक का लाभ महावीर कुमार, संजय कुमार, मनोज, रितिक संचेती परिवार ने लिया। सूर्यग्रहण अनुष्ठान जाप पूजन एकासणा आरती का लाभ मुकेश कुमार बॉम्बे स्टेशनरी ने लिया। संघ की ओर से बहुमान किया गया।

संसार में कुछ लोग सुखी तो कुछ दुखी हैं, यह जीवन की सामान्य और स्वाभाविक स्थिति: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि संसार में कुछ लोग सुखी होते हैं, तो कुछ दुखी ˉ यह जीवन की सामान्य और स्वाभाविक स्थिति है। हर व्यक्ति के जीवन में सुख और दुख दोनों आते हैं, और यह व्यक्ति के दृष्टिकोण और अनुभव पर निर्भर करता है कि वह उन्हें किस प्रकार से ग्रहण करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुख वह भावना है जो संतोष, आनंद और प्रसन्नता से जुड़ी होती है, जबकि दुख असंतोष, पीड़ा और व्यथा का प्रतीक है। संसार के सभी व्यक्ति एक समान नहीं होते कोई पूर्ण आयु को प्राप्त करता है, तो कोई अल्पायु में ही इस जीवन से विदा ले लेता है। जीवन की अनिश्चितता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा हमारे जीवन का निर्माण दूसरों की बातों से नहीं, अपितु हमारे अपने शुद्ध भावों और विचारों से होता है। भावों की निर्मलता जीवन को ऊँचाइयाँ प्रदान करती है। भाव शुद्ध हों तो विचार शुद्ध होते हैं, विचार शुद्ध हों तो आचार शुद्ध होता है, और आचार शुद्ध हो तो आचरण भी पवित्र हो जाता है। उन्होंने सभी को शुद्ध विचार, सात्विक आचरण और निर्मल भावना के साथ जीवन जीने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंतर्गत साध्वी ऋषिता ने भक्ति भाव से ओतप्रोत स्तवन की सुंदर प्रस्तुति दी। सभा का समापन साध्वी निर्मला के मंगलपाठ के साथ हुआ। इस अवसर पर अक्टूबर माह में आयोजित होने वाली धार्मिक प्रतियोगिता के बैनर का लोकार्पण संघ के पदाधिकारियों, जैन कॉन्फ्रेंस प्रतिनिधियों, राजाजीनगर युवा मंडल तथा जिनेश्वर युवा समूह के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रणीत जैन ने गीतिका की प्रस्तुति दी। इचलकरंजी से पधारे हर्षा एवं अक्षय मुणोत का अभिनंदन संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल व कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने किया। इस मौके पर जैन कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया सहित अनेक गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

सुहास शेट्टी हत्याकांड मामला

एनआईए की छापेमारी में फोन, सिम मेमोरी कार्ड और दस्तावेज बरामद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बाजपे में बदमाश सुहास शेट्टी की हत्या की चल रही जाँच के तहत, राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने शनिवार शाम को दक्षिण कन्नड़ के बाजपे और सूरतकल, और हासन व चिक्कमगलूरु जिलों में कई जगहों सहित लगभग 18 स्थानों पर एक साथ छापे मारे। 25 से ज्यादा अधिकारियों ने कई टीमें बनाकर बाजपे के शांतिगुड्डे, तारिकम्बला, किन्नीपदावु, कलावारु और सूरतकल के चोक्काबेट्टू और कृष्णपुरा जैसे स्थानों की तलाशी ली। उन्होंने घटना के समय के वायरल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ भी की। सूत्रों का कहना है कि मामले से जुड़ी अहम जानकारियाँ हासिल हुई हैं। अधिकारियों ने हत्या स्थल के पास एक अपार्टमेंट का कई घंटों तक निरीक्षण किया। पुलिस जाँच के दौरान पहले ही पता चला था कि आरोपी ने इस अपार्टमेंट में एक घर किराए पर लिया था और कथित तौर पर हत्या की योजना बनाते हुए कई महीनों तक वहीं रहा था। बताया जा रहा है कि अपराध का पूरा सीसीटीवी फुटेज इसी जगह से लिया गया था। आरोपियों के अलावा, कथित तौर पर उनके संपर्क में रहने वाले अन्य लोगों के घरों पर भी छापे मारे गए।

शांतिगुड्डे के स्थानीय निवासियों ने अचानक छापेमारी का विरोध किया, जिसके बाद एनआईए अधिकारियों के साथ उनकी बहस हुई। 1 मई की रात, बाजपे के किन्नीपदावु में एक टेंपो और कार की टक्कर के बाद हमलावरों ने उन पर तलवारों से हमला कर दिया। पुलिस ने इस मामले में सीधे तौर पर शामिल लोगों और उनके सहयोगियों सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया था। जाँच से पता चला कि सुहास शेट्टी की हत्या दो साल पहले सूरतकल में हुई फाजिल की हत्या का बदला लेने के लिए की गई थी। पुलिस के अनुसार, फाजिल की हत्या में उसके भाई और साथी भी शामिल थे। प्रतिबंधित पीएफआई संगठन की संदिग्ध संलिप्तता, उनकी कथित गैरकानूनी सभा, जनता में भय पैदा करने के इरादे से की गई गतिविधियों और एक बड़ी साजिश की संभावना के कारण, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 7 जून को राष्ट्रीय जाँच एजेंसी अधिनियम, 2008 के तहत मामला एनआईए को हस्तांतरित कर दिया। भाजपा नेताओं ने हत्या के पीछे विदेशी फंडिंग का आरोप लगाया था। राज्य सरकार की मंजूरी के बिना मामला एनआईए को हस्तांतरित कर दिया गया। इसके बाद, एनआईए ने पुलिस से मामले से संबंधित जानकारी प्राप्त की और आठ प्रमुख आरोपियों से उनके वित्तीय स्रोतों, पृष्ठभूमि और संगठनात्मक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पूछताछ की। एनआईए ने पहले भाजपा के युवा नेता प्रवीण नेट्टारू की हत्या की जाँच की थी, जिनकी 22 जुलाई, 2022 को कथित तौर पर सांप्रदायिक द्वेष के कारण हत्या कर दी गई थी। 4 अगस्त, 2022 को एनआईए को सौंपी गई जाँच में 23 लोगों की गिरफ्तारी हुई और दो महीने पहले ही 26 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया। नेट्टारू हत्याकांड की तरह ही, भाजपा नेताओं और सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने चिंता जताई थी कि सुहास शेट्टी की हत्या भी एक सुनियोजित और संगठित हमला था। उन्होंने केंद्र सरकार से मामले की जाँच एनआईए को सौंपने का आग्रह किया था, जो बाद में कर दी गई।

मेंगलूरु से सुब्रह्मण्य तक रेल विस्तार से ग्रामीण स्टेशनों पर राजस्व में वृद्धि

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गत 12 अप्रैल से मेंगलूरु सेंट्रल से सुब्रह्मण्य रोड तक यात्री रेल सेवा के विस्तार से दक्षिण कन्नड़ जिले के कई ग्रामीण स्टेशनों पर रेलवे राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले केवल कबाका पुत्तूर तक चलने वाली यह यात्री रेलगाड़ी अब सुब्रह्मण्य रोड स्टेशन तक पहुँचती है। ग्रामीण आबादी ने इस बढ़ी हुई पहुँच का उत्साह-पूर्वक स्वागत किया है, और राजस्व वृद्धि से जनता की अच्छी प्रतिक्रिया की पुष्टि होती है। दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूरु मंडल द्वारा पुत्तूर-सुब्रह्मण्य रेल उपयोगकर्ता समिति के शंकर कलमक्का द्वारा सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के माध्यम से प्राप्त आँकड़े उपलब्ध कराए गए हैं।

सुब्रह्मण्य रोड स्टेशन ने जनवरी से मार्च तक 2,90,40,404 रुपये कमाए, जबकि अप्रैल और जून के बीच राजस्व बढ़कर 3,02,45,904 रुपये हो गया, जो 12 लाख रुपये की वृद्धि है। इसी तुलनात्मक अवधि में बजकेरे स्टेशन की आय 8,880 रुपये से बढ़कर 31,570 रुपये हो गई। कोडिम्बाला स्टेशन, जिसने शुरुआत में सिर्फ दोपहर के यात्री ठहराव से 26,775 रुपये कमाए थे, सुबह और शाम की ट्रेनें शुरू होने के बाद 83,290 रुपये कमाए।

एडामंगला स्टेशन ने पहली तिमाही में 8,915 रुपये और अगली तिमाही में 42,190 रुपये का राजस्व दर्ज किया - यानी 33,275 रुपये की वृद्धि। कनियूरु स्टेशन ने 8,965 रुपये से 89,050 रुपये तक की भारी वृद्धि दर्ज की, यानी 80,085 रुपये की बढ़ोतरी। नरीमोगारु स्टेशन, जिसने पहले मुश्किल से 2,855 रुपये कमाए थे और जहाँ दोपहर की ट्रेन के दौरान अक्सर कोई यात्री नहीं होता था, ने विस्तार के बाद 17,300 रुपये कमाए। केवल नेरालाकट्टे स्टेशन ने सीमित वृद्धि दर्ज की, जहाँ राजस्व 8,025 रुपये से बढ़कर 8,880 रुपये हो गया। कबाका पुत्तूर स्टेशन ने जनवरी से मार्च तक 1,09,34,431 रुपये और अप्रैल से जून तक 1,22,44,465 रुपये की कमाई की। अमृत भारत योजना के तहत विकास के दौर से गुजर रहे बंटवाल स्टेशन ने इसी अवधि में 65,47,160 रुपये से बढ़कर 76,75,877 रुपये की वृद्धि दर्ज की। ग्रामीण स्टेशनों से प्राप्त राजस्व में वृद्धि विस्तारित रेल सेवाओं के प्रति जनता की सराहना का एक मजबूत संकेत है। स्थानीय लोगों ने रेलवे अधिकारियों से ग्रामीण स्टेशनों पर बुनियादी ढाँचे को और बेहतर बनाने का आह्वान किया है।

अक्टूबर में शुरू होगा काटपाडी अंडरपास का काम: सांसद

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी-चिक्कमगलूरु के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (एनएच-66) सर्विस रोड और संबंधित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित विकास संबंधी चिंताओं के समाधान हेतु एक उच्च-स्तरीय विभागीय बैठक की अध्यक्षता की। उडुपी उपायुक्त कार्यालय के डॉ. वी.एस. आचार्य सभागार में आयोजित इस बैठक में सांसद ने अधिकारियों को कुंडापुरा और हेजामाडी के बीच स्वीकृत 26 किलोमीटर लंबी सर्विस रोड का निर्माण तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए। संथेकट्टे और कल्लियनपुर में अंडरपास के निर्माण में देरी पर चर्चा हुई, जहाँ सड़क का केवल एक हिस्सा ही पूरा हुआ है। देरी पर असंतोष व्यक्त करते हुए, सांसद कोटा ने संबंधित विभागों को कड़ी फटकार लगाई। इसके जवाब में, एनएचएआई के परियोजना निदेशक जावेद ने उच्च भूजल स्तर और चल रही मान-सूनी बारिश का हवाला देते हुए शेष कार्यों को स्थगित करने का कारण बताया और कहा कि समय से पहले निर्माण से सड़क की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसके बावजूद, सांसद ने निर्देश दिया कि परिस्थितियों के अनुकूल होने पर शेष भाग को एक महीने के भीतर पूरा कर लिया जाए। अम्बालपडी फ्लाईओवर और उससे जुड़ी जल निकासी समस्याओं पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। कोटा ने जंक्शन के पास जलभराव की खबरों पर अधिकारियों से पूछताछ की, जिससे यातायात बाधित हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण नालियाँ ओवरफ्लो हो गईं और गड्ढे हो गए। यातायात को सुचारू बनाने के लिए इन गड्ढों को इंटरलॉकिंग टाइलों से भर दिया गया है। अधिकारियों ने यह भी आश्वासन दिया कि फ्लाईओवर का निर्माण मई के अंत तक पूरा हो जाएगा। बहुप्रतीक्षित काटापडी अंडरपास के संबंध में, अधिकारियों ने पुष्टि की कि निर्माण अक्टूबर में शुरू होने वाला है। सांसद कोटा ने अंतरिम अवधि के दौरान सर्विस रोड के उचित रखरखाव की आवश्यकता पर बल दिया और अधिकारियों को सभी आवश्यक सामग्री पहले से ही जमा करने का निर्देश दिया।

धर्मस्थल सामूहिक दफनाने के आरोपों ने तूल पकड़ा, एक और गवाह एसआईटी के पास पहुंचा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल गाँव में कथित सामूहिक दफनाने की विस्फोटक जाँच ने उस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ ले लिया जब स्थानीय निवासी जयंत टी. बेल्टांगडी में विशेष जाँच दल (एसआईटी) के सामने पेश हुए और एक दशक से भी ज्यादा पहले हुए एक संदिग्ध दफनाने की प्रत्यक्षदर्शी जानकारी के आधार पर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। एसआईटी अधिकारियों से मिलने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, जयंत ने खुलासा किया कि लगभग 15 साल पहले, उन्होंने धर्मस्थल गाँव में एक युवती के शव को खुद देखा था, जिसके बारे में उनका दावा है कि उसे बिना किसी कानूनी प्रक्रिया, पुलिस हस्तक्षेप या पोस्टमार्टम के दफना दिया गया था। उन्होंने कहा मैंने खुद उस लड़की का शव देखा था। उसे अस्पताल नहीं ले जाया गया, कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई और न ही पोस्टमार्टम किया गया। शव को चुपचाप दफनाया गया था, और मेरे पास इसकी पुष्टि करने वाली विश्वसनीय जानकारी है। मैंने एसआईटी को यही बताया है।

जयंत ने आगे कहा कि यह घटना उन्हें सालों तक परेशान करती रही, और उन्होंने पहले भी कई मंचों पर इसके बारे में बात की है। हालाँकि, राज्य सरकार द्वारा एसआईटी के गठन और मामले पर जनता के बढ़ते ध्यान के बाद, अब वह सुरक्षित महसूस कर रहे हैं और आधिकारिक तौर पर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित हैं।

उन्होंने कहा उस समय डर था - प्रतिक्रिया का डर, चुप करा दिए जाने का डर। अब भी यह मुश्किल है, लेकिन इस बार माहौल बदल गया है। एसआईटी ने हममें से कई लोगों को बोलने का साहस दिया है। मुझे न्याय दिलाने की उनकी क्षमता पर पूरा भरोसा है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गाँव में ऐसी और भी मौतें हुई हैं और उन्हें दबा दिया गया है। उन्होंने कहा धर्मस्थल में पिछले कुछ वर्षों में कई हत्याएँ हुई हैं। इन्हें बिचौलियों ने दबा दिया। सबको पता था, लेकिन किसी ने बोलने की हिम्मत नहीं की। उन्होंने आगे कहा कि सामूहिक दफन का मामला तो बस एक छोटा सा हिस्सा है। जब पत्रकारों ने इस बारे में जोर देकर पूछा कि उस समय यह मामला क्यों नहीं उठाया गया, तो जयंत ने भावुक होकर एक निजी पारिवारिक त्रासदी का जिक्र करते हुए कहा मेरी भतीजी, पद्मलता, लापता हो गई। उसके साथ क्या हुआ? उसके मामले का क्या हुआ? ऐसे लोग हैं जो जानते हैं और आगे आने को तैयार हैं। वे एसआईटी से बात करेंगे।

उन्होंने आगे बताया कि पाँच-छह और लोग अपनी जानकारी साझा करने और शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं। वे आखिरकार बात करने और अपना दर्द साझा करने के लिए तैयार हैं।

एसआईटी सही रास्ते पर है। हालांकि जयंत ने शुरुआत में अपने दौरे के दिन अतिरिक्त विवरण दर्ज करने की योजना बनाई थी, लेकिन एसआईटी अधिकारियों ने उन्हें सोमवार को पूरी शिकायत दर्ज कराने के लिए वापस आने की सलाह दी।

प्रज्वल रेवन्ना को आजीवन कारावास की सजा के बाद अपील की तैयारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को घरेलू सहायिका से बलात्कार के एक मामले में आजीवन कारावास और 11.25 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाए जाने के जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दायर करने की तैयारी चल रही है। प्रज्वल रेवन्ना का परिवार विशेष अदालत द्वारा दिए गए फैसले पर वकीलों और कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ले रहा है। परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने राज्य उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने के बारे में वकीलों के साथ गंभीर विचार-विमर्श किया है। अधिकतम सजा सुनाए जाने के अदालत के फैसले से प्रज्वल के परिवार को झटका लगा है। शुक्रवार को अदालत ने प्रज्वल को दोषी ठहराया था। शनिवार को सजा का ऐलान किया गया और अधिकतम आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई। उन्होंने कहा कि फैसले की प्रति मिलने के बाद, वे पुनर्विचार याचिका दायर करने के तरीके पर प्रज्वल का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ लंबी बातचीत कर रहे हैं और जल्द से जल्द उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने का फैसला किया है। अदालत में मौजूद प्रज्वल रेवन्ना ने रोते हुए सजा कम करने की गुहार लगाई। बलात्कार के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना को कैदी संख्या 15528 दी गई है। अदालत के फैसले से स्तब्ध प्रज्वल ने सजा को चुनौती देने और उच्च न्यायालय जाने का फैसला किया है। जेल में उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जेल अधिकारियों के अनुसार, दोषियों के लिए एक मानक ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है। रविवार सुबह उन्हें कैदी संख्या 15528 दी गई। यह मामला 48 वर्षीय एक महिला से जुड़ा है, जो हासन जिले के होलेनरसीपुर स्थित अपने परिवार के गन्निकाडा बागान में घरेलू कामगार के रूप में काम करती थी।

प्रधानमंत्री 10 अगस्त को नम्मा मेट्रो की येलो लाइन का करेंगे उद्घाटन

तीसरे चरण की आधारशिला रखेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को बहुप्रतीक्षित नम्मा मेट्रो की येलो लाइन का उद्घाटन और तीसरे चरण की आधारशिला रखेंगे। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर के कार्यालय ने बताया कि इससे बेंगलूरु के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को काफी बढ़ावा मिलेगा। सूत्रों ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री ने आरवी रोड से बोमसंद्रा तक 19.15 किलोमीटर लंबी बेंगलूरु मेट्रो की येलो लाइन का उद्घाटन करने पर सहमति जताई है, जिस पर 16 स्टेशन होंगे और इस उद्देश्य से वह बेंगलूरु का दौरा करेंगे। बेंगलूरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री का दौरा बेंगलूरु दक्षिण के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा क्योंकि दोनों परियोजनाएं मिलकर क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बदलने के लिए तैयार हैं। मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में तीसरे चरण के लिए कैबिनेट की मंजूरी, बेंगलूरु की गतिशीलता आवश्यकताओं के प्रति केंद्र की प्राथमिकता को दर्शाती है। इन संयुक्त परियोजनाओं से उनके निर्वाचन क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों के लगभग 25 लाख निवासियों को लाभ होगा। अकेले इस क्षेत्र के लिए समर्पित लगभग 20,000 करोड़ रुपये के मेट्रो बुनियादी ढाँचे के साथ, प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलूरु दक्षिण के सार्वजनिक परिवहन बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि वह लोगों की ओर से आभार व्यक्त करना चाहते हैं। येलो लाइन पर सेवाएँ शुरुआत में केवल तीन ट्रेनों के साथ चलेंगी, लेकिन जल्द ही एक चौथी ट्रेन के बेड़े में शामिल होने की उम्मीद है। इससे यातायात की भीड़भाड़, खासकर सिल्क बोर्ड जंक्शन पर, में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। इस लाइन से प्रतिदिन लगभग आठ लाख यात्रियों को सेवा मिलने की उम्मीद है, जो दक्षिण बेंगलूरु और इलेक्ट्रॉनिक सिटी के प्रमुख आवासीय और औद्योगिक गलियारों के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क प्रदान करेगी। यह कार्यक्रम अपरिहार्य है और तीसरे चरण में, अधिक क्षेत्रों को मेट्रो सुविधाएँ मिलेंगी और बेंगलूरु को देश के सबसे बड़े मेट्रो नेटवर्क का खिताब मिलेगा। बेंगलूरु मेट्रो का तीसरा चरण, जिसे ऑरेंज लाइन के नाम से भी जाना जाता है, 44.65 किलोमीटर नई लाइनें जोड़कर शहर के मेट्रो नेटवर्क का विस्तार करने की एक परियोजना है। इस परियोजना में दो लाइनें और 31 स्टेशन शामिल हैं, और इसे 2029 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। तीसरा चरण मुख्य रूप से मागडी रोड और आउटर रिंग रोड के पश्चिमी किनारे के वंचित क्षेत्रों में सेवा प्रदान करेगा। येलो लाइन के सौंदर्यीकरण का काम शुरू हो गया है। नामा मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि स्टेशनों की सफाई और रखरखाव की सभी तैयारियाँ चल रही हैं। बेंगलूरु आ रहे प्रधानमंत्री कई कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे और भाजपा खेमे में गतिविधियाँ तेज हो गई हैं।

प्रज्वल रेवन्ना मामले की जांच से राज्य पुलिस विभाग को गौरव मिला है: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि इससे राज्य पुलिस विभाग का गौरव बढ़ा है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह फैसला राज्य के लिए एक ऐतिहासिक फैसला है। सीआईडी और एसआईटी टीमों ने अच्छा काम किया है और मैं उस टीम को बधाई देता हूँ। आमतौर पर ऐसे मामलों की सुनवाई में सालों लग जाते हैं। लेकिन इस मामले में एक साल और चार महीने में फैसला सुनाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में काम करने वाले पुलिस अधिकारियों को मुख्यमंत्री पदक और राष्ट्रपति पदक के लिए भी अनुशंसित किया जाएगा। हमने नशे के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है और एक ड्रग्स टास्क फोर्स का गठन किया गया है। राज्य में एक अलग नशा-रोधी टास्क फोर्स इकाई में आवश्यक पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की प्रतिनियुक्ति का आदेश जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और कर्मियों की जिम्मेदारियों का बंटवारा कर दिया गया है। एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स इकाई के लिए 10 पद सृजित किए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि यह इकाई एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में कार्य करेगी। यह महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक के अधीन कार्य करेगी और महानिदेशक साइबर कमांडर को रिपोर्ट करेगी।

विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा महोत्सव की पृष्ठभूमि में आज आयोजित होगा गजपायन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा महोत्सव की पृष्ठभूमि में सोमवार को तालुका के वीरानाहोसल्ली के निकट आयोजित होने वाले गजपायन की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। गजपायन दशहरा कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, मंत्री ईश्वर खंड्रे और महादेवप्पा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी गजपायन जुलूस में भाग लेंगे। इसके लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। सोमवार को वीरानाहोसल्ली क्षेत्र में नागरहोल प्रवेश द्वार के पास गजपायन का शुभारंभ किया जाएगा और 9 हाथियों का पहला समूह ट्रक द्वारा महल नगर पहुँचेगा। गजपायन जुलूस की पारंपरिक रूप से मैसूरु के पुजारी प्रह्लाद और उनकी टीम द्वारा पूजा की जाएगी और कावड़ीगर और परिवार के सदस्य भी महल में जाएँगे। महल परिसर में अस्थायी आवास के लिए अस्थायी शेड बनाए गए हैं। हाथियों को ले जाने वाले ट्रकों को अच्छी स्थिति में रखने के निर्देश दिए गए हैं। वन अधिकारियों ने वीरानाहोसल्ली में पहले ही शिविर स्थापित कर लिया है, और महातु और हाथियों को सजाकर यात्रा के लिए तैयार कर रहे हैं। सुबह, शसोत्रक्त पूजा के बाद, गजपायन आधिकारिक रूप से शुरू होगा, और 9 हाथियों का पहला समूह ट्रकों में रवाना होगा।

कश्मीर से लुप्त होने लगे केसर के खेत

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 03 अगस्त।
कभी कश्मीर की कृषि अर्थव्यवस्था का गौरव और दुनिया के कुछ सबसे मूल्यवान मसालों का स्रोत रहे कश्मीर के क्षेत्र के केसर के खेत अब धीरे-धीरे लुप्त हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार 1990 के दशक के अंत में अनुमानित 5,700 हेक्टेयर से केसर की खेती के अंतर्गत कुल भूमि 2025 तक घटकर केवल 3,665 हेक्टेयर रह गई है। पारंपरिक केसर केंद्र पंपोर अभी भी लगभग 3,200 हेक्टेयर के साथ सबसे आगे है, उसके बाद बडगाम (300 हेक्टेयर) और श्रीनगर के कुछ हिस्से (165 हेक्टेयर) हैं। लेकिन करेवास पठार के उस पार, केसर उत्पादक तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण, अनियमित मौसम और घटते संस्थागत समर्थन के खिलाफ एक हारी हुई लड़ाई लड़ रहे हैं।

लेथपोरा के एक किसान नजीर अहमद कहते हैं कि पंपोर में, इस जमीन को अभी भी सौन-वुन (सुनहरे खेत) कहा जाता है, लेकिन अब आपको सिर्फ आवासीय कालोनियां और व्यावसायिक इमारतें ही दिखाई देती हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के पास आवासीय भूखंडों की मांग के कारण अनियंत्रित निर्माण ने कृषि भूमि के बड़े हिस्से को निगल लिया है। अहमद के बकौल, यहाँ तक कि जिस जमीन पर पीढ़ियों से केसर उगाया जाता रहा है, उसे अब ईंट भट्ठों के लिए ट्रक-ट्रक भरकर बेचा जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन ने हालात और बदतर कर दिए हैं। केसर तापमान और वर्षा के प्रति बेहद संवेदनशील होता है, और अक्टूबर और नवंबर में फूल आने के दौरान इसे समय पर नमी की जरूरत होती है। पिछले पांच वर्षों में, अप्रत्याशित मौसम और सूखे जैसे दौर से लेकर बेमौसम भारी बारिश तक ने बार-बार फसलों को बर्बाद किया है। चंदहरा के गुलाम नबी कहते हैं कि कुछ खेतों में साही द्वारा केसर को उखाड़ने के कारण लगभग 30 प्रतिशत कंद नष्ट हो गए हैं। जब तक नुकसान व्यापक नहीं हो गया, तब तक किसी ने हमें गंभीरता से नहीं लिया।

डूसू के एक उत्पादक बशीर अहमद कहते हैं कि सेब या धान के विपरीत, केसर के लिए कोई सरकारी समर्थित फसल बीमा योजना नहीं है। हम अपने दम पर हैं। एक असफल सीजन और हम कर्ज में डूब जाते हैं। सरकार द्वारा 2010 में शुरू किए गए बहुप्रचारित राष्ट्रीय केसर मिशन (एनएसएम) का उद्देश्य सिंचाई उन्नयन, बेहतर रोपण सामग्री और जीआई टैगिंग के माध्यम से इस क्षेत्र का कायाकल्प करना था। हालांकि इस मिशन ने खेती के क्षेत्र में और कमी को रोकने और औसत उपज को 2.5 किलोग्राम से बढ़ाकर लगभग 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर करने में सफलता प्राप्त की, लेकिन इसका कार्यान्वयन अभी भी अधूरा है।

पंपोर में इंडिया इंटरनेशनल कश्मीर केसर ट्रेडिंग सेंटर (आईआईकेएसटीसी) की स्थापना विपणन को सुव्यवस्थित करने, ई-नीलामी के माध्यम से उचित मूल्य सुनिश्चित करने और जीआई प्रमाणीकरण के माध्यम से प्रामाणिकता की रक्षा के लिए की गई थी। लेकिन कई किसान नौकरशाही की देरी और कम भागीदारी की शिकायत करते हैं। सिर्फ बड़े उत्पादकों को ही फायदा होता है। छोटे किसान इस प्रक्रिया को समझ नहीं पाते, और बिचौलिए अभी भी स्थानीय बाज़ार पर हावी हैं। शब्बीर लोन कहते हैं, जिन्होंने अपनी जमीन में सब्जियां और सरसों की खेती करके विविधता ला दी है। अनुमानों के अनुसार, घाटी में केसर का उत्पादन वर्तमान में सालाना 2.6 से 3.4 मीट्रिक टन के बीच हैकृजो 1990 के दशक के अंत में हुई 15.9 टन की पैदावार से काफ़ी कम है।

कुछ किसान और शोधकर्ता जलवायु की अनिश्चितता से बचने के लिए नियंत्रित वातावरण का उपयोग करके घर के अंदर केसर की खेती की ओर रुख कर रहे हैं। हालांकि शुरुआती परिणाम आशाजनक हैं, लेकिन इसका विस्तार सीमित है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर तत्काल हस्तक्षेप नहीं किया गया, खासकर सिंचाई, भूमि संरक्षण और बीमा के क्षेत्र में, तो इस क्षेत्र की केसर की विरासत पूरी तरह से खत्म होने का खतरा है। इस बीच, नजीर अहमद जैसे किसान कहते हैं कि वे धीरे-धीरे उम्मीद खो रहे हैं। दिल्ली से लेकर दुबई तक, हर कोई कश्मीरी केसर की तारीफ करता है। लेकिन कोई भी उस आदमी को नहीं देखता जो इसे उगाता है, वे जंगली घास से ढके एक वीरान केसर के खेत से गुजरते हुए कहते हैं। जबकि कश्मीर विकास के दबावों और पर्यावरणीय अनिश्चितता से जूझ रहा है, इसके प्रसिद्ध केसर के खेत न केवल कृषि विरासत के प्रतीक के रूप में खड़े हैं, बल्कि एक चेतावनी के रूप में भी हैं - कि जब नीति भूमि के साथ तालमेल रखने में विफल हो जाती है तो क्या हो सकता है।

धर्मांतरण गिरोह के सरगना ने खोले कई राज

गिरोह तक बैंक से नहीं हवाला से पहुंचते थे पैसे

आगरा, 03 अगस्त (ब्यूरो)।
धर्मांतरण गिरोह के मास्टरमाइंड ने पुलिस रिमांड में कई चौंकाने वाले राज बताए हैं। सरगना ने पुलिस को बताया कि गिरोह के सदस्यों तक रकम पहुंचाने के लिए बैंक खातों का इस्तेमाल नहीं किया जाता था। अवैध धर्मांतरण का पूरा रैकेट हवाला से चल रहा था। छह राज्यों में फैले एजेंट गिरोह से जुड़े लोगों को रकम पहुंचाया करते थे। पुलिस को ऐसे कई नाम मिले हैं, जिनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। दिल्ली के मास्टरमाइंड अब्दुल रहमान को पुलिस ने शनिवार को सीजेएम कोर्ट में पेश किया। उसकी चार दिन की रिमांड फिर मांगी। इसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। अब वह 5 अगस्त तक पुलिस रिमांड पर रहेगा।

18 जुलाई को पुलिस ने सदर की दो बहनों को कोलकाता के तपसिया इलाके से बरामद किया था। अलग-अलग राज्यों के रहने वाले 10 आरोपी भी पकड़े गए थे। बाद में दिल्ली के मुस्तफाबाद निवासी अब्दुल रहमान को गिरफ्तार किया गया था। वह जेल में सजा काट रहे कलीम सिद्दीकी के लिए काम कर रहा था। गिरफ्तार आरोपियों में गोवा की रहने वाली एसबी कृष्णा उर्फ आयशा और आगरा निवासी रहमान कुरैशी गिरोह के लिए मुख्य रूप से काम कर रहे थे। तीनों से पुलिस ने अलग-अलग रिमांड पर पूछताछ की है। इसमें कई जानकारी हाथ लगी हैं। पता चला कि अवैध धर्मांतरण गिरोह को पाकिस्तान सहित कई अन्य देशों से भी फंडिंग की जा रही थी। यह रकम खातों में न आकर हवाला के माध्यम से एजेंट धर्मांतरण करने वाले आरोपियों तक पहुंचाया करते थे। पुलिस को 10 से अधिक खातों की जानकारी मिली है। वहीं दिल्ली उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल में सक्रिय हवाला के एजेंटों के बारे में जानकारी मिली है।

अब्दुल रहमान से रिमांड पर अब पुलिस इन सभी एजेंटों के बारे में जानकारी लेगी। जिससे हवाला के माध्यम से रकम पहुंचाने वालों को पकड़ा जा सके। उन पर शिकंजा कसा जा सके। पुलिस ने गिरोह के लिए काम करने के आरोप में गोवा की आयशा और आगरा के सराय ख्वाजा के रहने वाला रहमान कुरैशी को पकड़ा था। पुलिस को आशंका है कि दोनों गिरोह के सदस्यों को रकम पहुंचाने का काम करते थे। रहमान कुरैशी ने फलस्तीन के लिए फंड भी इकट्ठा किया था।

सिन्धी परिवारों को मिलेगा जमीन का मालिकाना हक

महाराष्ट्र सरकार 30 शहरों में नियमित करेगी कॉलोनी

मुंबई, 03 अगस्त (एजेंसियां)।
महाराष्ट्र की देवेंद्र फडनवीस की सरकार ने 1947 विभाजन के समय पाकिस्तान से बच कर भारत आए सिन्धी परिवारों को बड़ा उपहार देने जा रही है। महाराष्ट्र में रहने वाले 5 लाख सिन्धी परिवारों को महाराष्ट्र सरकार उनकी जमीन पर मालिकाना हक देगी। यह फैसला महाराष्ट्र के 35 शहरों में रहने वाले सिन्धी परिवारों के हित में लिया गया है।

यह परिवार विभाजन के समय भारत आए थे और यह कहीं-कहीं सरकारी जमीन पर बसाए गए थे। हालांकि, इनको अभी तक जमीन पर कब्जा नहीं मिला हुआ था।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया कि इसके लिए विशेष अभय योजना-2025 लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि और 1947 के विभाजन के बाद पलायन करने वाले सिंधी समुदाय की 30 कॉलोनियों में आवासीय और व्यावसायिक भूमि को रेगुलर कर दिया जाएगा और उन्हें जमीन के मालिक का अधिकार दिया जाएगा। भाजपा ने सिन्धी समुदाय के लिए यह वादा चुनाव घो-षणापत्र में भी किया था, जिसे सरकार बनने पर पूरा कर दिया गया है।

वाराणसी और प्रयागराज में खतरे के निशान से ऊपर पहुंची गंगा

वाराणसी, 03 अगस्त (ब्यूरो)।
काशी में गंगा खतरे के निशान 71.26 को पार गई है। शनिवार रात 12 बजे गंगा का जलस्तर 71.31 मीटर पहुंच गया। 84 घाटों को डुबोने के बाद अब गंगा शहर में प्रवेश कर चुकी हैं। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार से गंगा 14 सीढ़ी नीचे हैं। दशाश्वमेध घाट की तीन सीढ़ियां बची हैं। शीतला घाट पर मंदिर पूरी तरह से पानी में समाहित हो चुका है और सिंधिया घाट पर रत्नेश्वर महादेव के मंदिर के

शिखर का कुछ हिस्सा ही नजर आ रहा है। नमो घाट पर बने स्क्ल्पचर भी डूब गए हैं। लोग घरों में फंसे हैं। अस्सी घाट पर गंगा का पानी सड़क पर बह रहा है। जगन्नाथ मंदिर के गेट के पास पहुंच गया है।

उधर, संगमनगरी प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर 86 मीटर के करीब पहुंच गया है। खतरे का निशान पार करने के बाद गंगा और यमुना का जलस्तर 86 मीटर के पास पहुंच गया है। उफान अभी जारी है। स्थिति काफी भयावह होती जा रही है। शहर के कई कछार के बाद अब शहर के कई पॉश इलाके भी बाढ़ की चपेट में आ रहे हैं। प्रशासन राहत बचाव कार्य में जुट गया है। बांध में रिसाव के चलते शनिवार देर रात हड़कंप मचा रहा। बालू भरी बोरी डालकर बांध को बचाने की कवायद की जाती रही। गंगा और यमुना के किनारों पर स्थित दो दर्जन से अधिक मुहल्लों के हजारों घर जलमग्न हो गए हैं। अब बाढ़ का पानी शहर के पाश इलाके अशोक नगर, राजापुर की तरफ बढ़ रहा है। पानी कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

रविवार को भोर से ही हो रही मूसलाधार बारिश ने स्थिति को और भी भयावह कर दिया है। बाढ़ राहत शिविर में भीड़ काफी बढ़ गई है। दस हजार से अधिक लोग शरण लिए हुए हैं। यह संख्या और भी बढ़ रही है।

एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2025 से पहले सफल ड्राई रन का आयोजन

हैदराबाद, 3 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक द्वारा प्रायोजित 14वीं एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2025 से पहले, आज रेस के रूट और ऊंचाई प्रोफाइल की तैयारी का परीक्षण करने के लिए एक 'ड्राई रन' का आयोजन किया गया।

हैदराबाद रनर्स सोसाइटी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि भारत की दूसरी सबसे बड़ी सिटी मैराथन और प्रतिष्ठित वर्ल्ड एथलेटिक्स लेबल रेस, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 23 और 24 अगस्त को आयोजित की जाएगी। इस ड्राई रन में फुल मैराथन और हाफ मैराथन श्रेणियों के लिए दौड़ पीपल्स प्लाजा से शुरू हुई, जबकि 10घ के प्रतिभागियों ने क्खढ्एद से शुरुआत की। सभी दौड़ गचीबाउली स्टेडियम में समाप्त हुईं। यह ड्राई रन लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं को परखने और इसमें शामिल सभी प्रणालियों की सुरक्षा और तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास सत्र था।

इस पूर्वाभ्यास दौड़ में 815 से अधिक पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसने रनिंग समुदाय से मजबूत उत्साह और समर्थन प्रदर्शित किया।

इस कार्यक्रम में हैदराबाद रनर्स सोसाइटी द्वारा चलाए गए 8-सप्ताह के संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम, 'घ्रैलिह25घ' का ग्रेजुएशन रन भी शामिल था। इस कार्यक्रम के सभी 462 प्रतिभागियों ने अपनी 5घ ग्रेज-ुएशन रन पूरी की, जिसने दिन के आयोजनों में ऊर्जा और उत्सव का माहौल भर दिया।

आधिकारिक मेडिकल पार्टनर अपोलो हॉस्पिटल्स ने धावकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीपल्स प्लाजा और गचीबाउली स्टेडियम में दो एंबुलेंस के साथ आवश्यक सहायता प्रदान की। हाइड्रेशन पार्टनर टाटा कॉपर ने पूरे कार्यक्रम के दौरान महत्वपूर्ण हाइड्रेशन सहायता दी।

यह ड्राई रन सभी भागीदारों और हितधारकों के सावधानीपूर्वक योजना और सहयोग को दर्शाता है, क्योंकि शहर भारत के सबसे प्रतिष्ठित रनिंग आयोजनों में से एक के लिए कमर कस रहा है।

अमेरिका मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित करने के करीब: रिपोर्ट

वॉशिंगटन, 03 अगस्त (एजेंसियां)।
अमेरिका एक बार फिर 'मुस्लिम ब्रदरहुड' को आधिकारिक रूप से आतंकवादी संगठन घोषित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह कदम न केवल अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अहम है, बल्कि राजनीतिक इस्लामवाद के वैचारिक ढांचे से निपटने के वैश्विक प्रयासों को भी बल देगा। यह जानकारी द कैपिटल इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई के मध्य में रिप-ब्लिकन सांसद मारियो डियाज-बालार्ट और डेमोक्रेटिक सांसद जैरेड मॉस्कोविट्ज द्वारा एक द्विदलीय विधेयक पेश किया गया है, जिसमें मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित करने की मांग की गई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भी इस पहल की पुष्टि की है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह द्विदलीय सहमति इस बढ़ती समझ को दर्शाती है कि मुस्लिम ब्रदरहुड भले ही खुद को एक राजनीतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता है, लेकिन वास्तव में यह हमास से लेकर अल-कायदा जैसे हिंसक इस्लामी नेटवर्क का वैचारिक स्रोत है।

इस विधेयक को अमेरिका के कई प्रमुख नीति संस्थानों का भी समर्थन मिला है, जैसे कि हेरिटेज फाउंडेशन, इजरायली-अमेरिकन सिविक एक्शन नेटवर्क (आईसीएएन) और अमेरिकन मिडईस्ट कोएलिशन फॉर डेमोक्रेसी (एएमसीडी)। इन संगठनों ने लंबे समय से यह उजागर किया है कि मुस्लिम ब्रदरहुड दोहरी रणनीति अपनाता है। एक ओर आधुनिक छवि पेश करता है, वहीं दूसरी ओर अपने एजेंडे को हिंसक माध्यमों से लागू करने वाले गुटों को समर्थन देता है।

अमेरिकी सीनेटर टेड क्रूज़ इस तरह के विधेयकों के पुराने समर्थक रहे हैं। वह 2015 से मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित करने के लिए विधेयक पेश करते आए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मुस्लिम ब्रदरहुड का खतरा महज एक राजनीतिक आंदोलन नहीं बल्कि एक वैश्विक परियोजना है, जिसकी जड़ें हसन अल-बन्ना और सैयद कुतुब की कट्टरपंथी सोच में हैं। 1928 में, मिस्र के सूफी प्रचारक हसन अल-बन्ना ने जामिया हसाफिया अल-खैरिया की स्थापना की, जिसका उद्देश्य इस्लामी खिलाफत की बहाली था। बाद में इसे अल-इखवान अल-मुस्लिमून यानी मुस्लिम ब्रदरहुड नाम दिया गया।

पांच सौ रुपये के नोट का एटीएम से वितरण बंद करने की बात 'झूठी' : सरकार

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)।
सरकार ने कई सोशल मीडिया मंचों पर फैलाए जा रहे इस संदेश को असत्य बताया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को 500 रुपये के नोट का एटीएम से वितरण सितंबर तक बंद करने का निर्देश दिया है।

सरकार की ओर से ऐसी खबरों को 'झूठ' बताया गया है। सूचना प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने रविवार को अपने फैक्टचेक पर एक बयान में कहा है कि ' व्हाट्ऐप पर इसी दावे वाला एक झूठा संदेश फैल रहा है' जिसमें बैंकों को 500 रुपये के नोटों का एटीएम से वितरण रोकने के लिए कहा गया है।

केरल के तटों पर पानी भरने की चेतावनी पर्यटकों को समुद्र में न जाने की सलाह

तिरुवनंतपुरम, 03 अगस्त (एजेंसियां)।
भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने केरल के तटीय इलाकों में ऊंची लहरों के कारण पानी का स्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुये चेतावनी जारी की है।

स्थानीय भाषा में इसे कल्लक्कडल के नाम से भी जाना जाता है जो शक्तिशाली समुद्री उफानों के कारण तटीय बाढ़ की घटना को संदर्भित करता है । यह अक्सर दूर के तूफानों से उत्पन्न होती है । समुद्र में दूर-दूर तक तेज हवाओं या तूफानों के कारण उत्पन्न ये लहरें लंबी दूरी तय करती हैं और तट पर पहुंचकर भारी बाढ़ और क्षति का कारण बन सकती हैं। कल्लक्कडल एक स्थानीय शब्द है जिसका प्रयोग भारत के केरल में, विशेष रूप से मानसून-पूर्व मौसम के दौरान, उफान के कारण आने वाली बाढ़ के लिए किया जाता है।

केंद्र के अनुसार कुछ तटीय इलाके के रविवार शाम 5.30 बजे से सोमवार रात 8.30 बजे तक करीब 1.5 से 1.8 मीटर ऊँची लहरों के कारण जलमग्न होने की आशंका है। इन तटीय क्षेत्रों में तिरुवनंतपुरम (कप्पिल से पोझियूर तक), कोल्लम (अलप्पड से एडवा तक) और अलप्पुझा (चेल्लनम से अझिक्कल जेट्टी तक) शामिल हैं।

केंद्र के मुताबिक कन्याकुमारी तट पर रविवार सुबह 11:30 बजे से सोमवार सुबह 11:30 बजे तक 1.6 से 1.9 मीटर ऊँची लहरें उठने की आशंका है, जिससे तटीय क्षेत्रों में पानी भर सकता है।इन हालात को देखते हुए मछुआरों और तटीय निवासियों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा गया है कि वे इन क्षेत्रों में जाने से बचें और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें। इसमें आगे कहा गया है कि मछुआरे छोटी नावों से समुद्र में न जाएँ। लहरों के दौरान जहाजों को पानी में उतारना या किनारे लगाना बेहद खतरनाक है और इससे सख्ती से बचना चाहिए। सभी मछली पकड़ने वाले जहाजों को बंदरगाहों पर सुरक्षित ढंग से और एक दूसरे से पर्याप्त दूरी खड़ा रखना चाहिए।

केंद्र ने पर्यटकों को चेतावनी दी है कि वे इन इलाकों में जाने से बचें और जब तक चेतावनी वापस नहीं ली जाती तब तक मनोरंजक समुद्री गतिविधियाँ पूरी तरह से स्थगित कर दें।आईएनसीओआईएस ने कहा है कि वह स्थिति पर नज़र बनाए हुए हैं ।

मोदी और शाह ने मुर्मु से अलग-अलग की मुलाकात

नई दिल्ली, 03 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से अलग-अलग मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट पर सवश्री मोदी और शाह के साथ श्रीमती मुर्मु की अलग अलग मुलाकात के बारे में जानकारी दी गई है। सोशल मीडिया पोस्ट में मुलाकात की तस्वीर भी साझा की गई है।

सीएम ने पुलिस दूरसंचार में चयनित 1,494 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

2017 से पहले भर्तियों पर हावी था भ्रष्टाचार: योगी

मुख्यमंत्री ने कहा, फिर होने जा रही 30 हजार भर्ती

लखनऊ, 03 अगस्त (ब्यूरो)। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में होने वाली भर्तियों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था। उस दौरान पैसों का लेन-देन, बोली और भेदभाव ने नौजवानों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। इसका सीधा असर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पड़ा। इससे दंगे, अराजकता, गुंडागर्दी, आतंकी घटनाएं बढ़ गईं और जनता में असुरक्षा का माहौल बन गया। कभी अयोध्या, काशी और लखनऊ की कचहरी में हमले होते थे तो कभी आतंकी हमले। इस दौरान सीआरपीएफ कैंप रामपुर को भी निशाना बना गया। वहीं वर्ष 2017 में डबल इंजन की सरकार बनने पर सबसे पहले भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए बड़े कदम उठाए गए। इसके तहत पुलिस भर्ती बोर्ड का सुदृढ़ीकरण किया गया। इसी का परिणाम है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक पुलिस की भर्ती और सरकारी नौकरी देने वाले राज्यों में पहले स्थान पर है। अब तक हमारी सरकार साढ़े आठ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान कर चुकी है, जो पूरे देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 1,494 सहायक परिचालकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कही। इस दौरान सीएम ने चयनित कई अभ्यर्थियों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र वितरित किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में पुलिस भर्ती प्रक्रिया में जो ऐतिहासिक बदलाव आए हैं, वे सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं हैं, बल्कि एक नई पहचान, सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस में 2 लाख 17 हजार 500 से अधिक कार्मिकों की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती की जा चुकी है, जो देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में बीजेपी सरकार बनी, तो सबसे पहले भर्ती बोर्ड को मजबूत करने का काम किया गया। यह तय किया गया कि यदि किसी ने नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ किया तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश की भर्ती प्रक्रिया नजीर बन गयी है।सीएम ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आने के बाद निवेश भी बढ़ा, जिससे करीब 2 करोड़ युवाओं को अपने जिले में ही रोजगार के अवसर मिले। वहीं नहीं आउटसोर्सिंग, टेक्नोलॉजी और नीति-निर्माण के सहयोग से उत्तर प्रदेश देश की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वर्ष 2017-18 में पहली भर्ती हुई तो ट्रेनिंग क्षमता बेहद सीमित थी, लेकिन अब राज्य में 60,244 पुलिस कार्मिकों की ट्रेनिंग की व्यवस्था उत्तर प्रदेश पुलिस के ही ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स में की जा रही है। पहले जहां सिर्फ 3,000 कार्मिकों की ट्रेनिंग हो पाती थी, आज वही संख्या 60 हजार के पार पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में पुलिस लाइन, पुलिस मुख्यालय और आवासीय सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि अब किसी भी जिले में सबसे ऊंचा और बेहतर भवन पुलिस का बैरक होता है। प्रदेश के 10 जिलों में जहां पहले पुलिस लाइन नहीं थी, वहां नए पुलिस लाइन और मुख्यालय बनाए गए हैं। वर्ष 1971-72 से लंबित पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली को डबल इंजन की सरकार ने लागू किया। अब तक 7 नए पुलिस कमिश्नरेट बनाए गए हैं, जिससे पुलिसिंग में आधुनिकता और जवाबदेही दोनों बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश पुलिस एक मॉडल फोर्स बन चुकी है, जो दंगा मुक्त, अराजकता मुक्त और सुरक्षित प्रदेश की पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की संवेदनशीलता और तत्परता का उदाहरण महाकुंभ जैसे आयोजन में देखने को मिला, जहां पुलिस के समर्पण और व्यवहार ने इसे सफल बनाया। उन्होंने पुलिस बल को याद दिलाया कि जनता की नजर सिर्फ उनके कार्य नहीं, बल्कि उनके व्यवहार पर भी होती है। वहीं पुलिस विभाग में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल में 20 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। इसी के तहत टेलीकॉम विभाग में चयनित 1,494 अभ्यर्थियों में करीब 300 बेटियों का चयन हुआ है। वहीं आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पुलिस विभाग में अग्निवीर को 20 प्रतिशत रिजर्वेशन देने का निर्णय किया गया है। इससे प्रशिक्षित और अनुशासित युवा पुलिस बल का हिस्सा बन सकेंगे। सीएम ने महाकुंभ में दूरसंचार विभाग के उत्कृष्ट कार्यों का प्रशंसा करते हुए कहा कि संचार व्यवस्था किसी भी पुलिस फोर्स की रीढ़ होती है। 25 करोड़ की आबादी वाला प्रदेश में कम्युनिकेशन और टेलीकॉम पुलिस की जिम्मेदारी कहीं कम नहीं होती। उन्होंने कुंभ के दौरान टेलीकॉम पुलिस के बेहतर प्रदर्शन की सराहना की और टेक्नोलॉजी को पुलिसिंग का अनिवार्य अंग बताया।

सीएम ने कहा कि आज जब भारत आजादी के अमृतकाल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तो पुलिस को भी उतना ही संवेदनशील और सख्त दोनों होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हर दस साल में पीढ़ी बदलती है और हमें इस नई पीढ़ी के सामने एक सुरक्षित, पारदर्शी और समर्थ उत्तर प्रदेश की तस्वीर पेश करनी होगी, जिसमें पुलिस बल एक प्रेरणास्रोत बनकर खड़ा हो। इस अवसर पर मंत्री सुरेश खन्ना, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण, डीजी टेलीकॉम आशुतोष पांडेय, डीजी भर्ती बोर्ड एसडी शिरोडकर, डीजी पीएचक्यू आनंद स्वरूप आदि मौजूद थे। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने सीएम को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही यूपी भाजपा को मिलेगा नया प्रमुख

लखनऊ, 03 अगस्त (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश भाजपा का अगला अध्यक्ष कौन होगा, इसको लेकर अभी तक कुछ भी साफ नहीं हो पाया है। हालांकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी अभी तक नहीं हो पाया है। 9 सितंबर को देश के उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाला है।

माना जा रहा है कि उसके बाद ही अब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। भाजपा ने 28 राज्यों में संगठन के चुनाव सम्पन्न करा लिए हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 19 राज्यों के चुनाव जरूरी हैं। हालांकि उपराष्ट्रपति के चुनाव के बाद बिहार चुनाव की घोषणा हो सकती है। ऐसे में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार चुनाव के बाद ही मिलेगा। लिहाजा, यूपी भाजपा को नया अध्यक्ष भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही मिलेगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष चुना जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में शामिल नेताओं को कह दिया गया है कि उत्तर प्रदेश में काम करिए जो निर्णय होगा पता चल जाएगा। पार्टी सभी समीकरणों को ध्यान में रखकर उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का चुनाव करेगी। ऐसे में बड़ा सवाल है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा किसे अपना अध्यक्ष बनाएगी? पार्टी यूपी में सभी समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला करेगी। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में भाजपा को झटका लगा तो वहीं 2027 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। माना जा रहा है कि ओबीसी वोटरों का रुझान सपा की तरफ बढ़ा है। ऐसे में पार्टी किसी कद्दावर ओबीसी नेता को प्रदेश की कमान सौंप सकती है।

हालांकि रेस में अलग-अलग जातियों के कई नाम शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में ओबीसी नेताओं के रूप में प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में मंत्री धर्मपाल सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा का नाम चल रहा है।

ब्राह्मण नेताओं में पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी और पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा का नाम प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चल रहा है। दलित नेताओं में पूर्व मंत्री कौशल किशोर, राम शंकर कठेरिया और विनोद सोनकर का नाम प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चल रहा है।

50 से ज्यादा छात्र संख्या वाले स्कूलों का विलय रुका

लखनऊ, 03 अगस्त (ब्यूरो)। यूपी में 50 छात्र संख्या से ज्यादा वाले स्कूलों का दूसरे स्कूलों में विलय नहीं किया जाएगा। पहले से जारी किए गए आदेश निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रदेश में एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी और 50 से ज्यादा बच्चों वाले परिषदीय विद्यालयों का विलय न करने के आदेश से पहले जिन ऐसे स्कूलों का विलय हो चुका था उन्हें निरस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इसका असर परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की चल रही तबादला व समायोजन प्रक्रिया पर भी पड़ेगा। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा परिषद ने ऑनलाइन आवेदन की तिथि एक से बढ़ाकर चार अगस्त कर दी है।

परिषद के सचिव सुरेंद्र तिवारी की ओर से हाल ही में जारी आदेश में यह कहा गया था कि विलय वाले विद्यालयों के शिक्षक भी तबादले व समायोजन के लिए ऑनलाइन आवेदन करेंगे। पर, अब कुछ विद्यालयों का विलय वापस होने की संभावना है तो इन स्कूलों के शिक्षक सबसे ज्यादा उहापोह में हैं। अगर वे तबादले के लिए आवेदन कर दें और दूसरे विद्यालय में उनकी तैनाती हो जाए और बाद में उनका विद्यालय फिर से संचालित होने लगे तो यहां कौन पढ़ाएगा? वहीं, अगर विद्यालय का विलय निरस्त हो गया तो क्या उन शिक्षकों का तबादला भी निरस्त होगा। विभाग के पास भी इन सवालों का कोई जवाब नहीं है। जिन विद्यालयों का विलय निरस्त होना है उसकी प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी होनी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि विभाग अभी इसकी तिथि और आगे बढ़ाएगा या फिर कुछ और संशोधन किए जाएंगे।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता समझ गई है कि स्कूल बंद करना पीडीए समाज के खिलाफ भाजपा की एक बहुत बड़ी साजिश है। ताकि, पीडीए समाज के लोग पढ़ न पाएं। इन स्कूलों में बूथ न बन पाएं, जिससे पीडीए समाज वोट न डाल सके। भाजपा का यह राजनीतिक षडयंत्र हम कभी सफल नहीं होने देंगे। समाजवादी पार्टी का पीडीए पाठशाला का अभियान जारी रहेगा। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार के एजेंडे में शिक्षा, नौकरी और रोजगार नहीं है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार हर मोर्चे पर फेल है। विद्यार्थी और शिक्षक सड़क पर आंदोलन करने पर मजबूर हैं। भाजपा सरकार नौजवानों का वर्तमान और भविष्य दोनों बर्बाद करने की दोषी है।

ढाई मिनट के वीडियो में श्रद्धालु देख सकेंगे राम मंदिर निर्माण की पूरी यात्रा

अयोध्या, 03 अगस्त (ब्यूरो)। राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा एक वीडियो जारी किया गया है। इस वीडियो में राम मंदिर निर्माण की पूरी कहानी को दिखाया गया है। जिस यात्रा को युगों ने देखा, संघर्षों ने संजोया और श्रद्धा ने सींचा, उसी राममंदिर निर्माण की दिव्य गाथा अब 2 मिनट 54 सेकंड की चलचित्र में जीवंत हो उठी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से जारी इस विशेष वीडियो में भूमिपूजन की पुण्य स्मृति से लेकर मंदिर के भव्य स्वरूप तक का विराट सफर मन को भावविभोर कर देता है। यह वीडियो राम मंदिर के भूमिपूजन की वर्षगांठ से ठीक

चार दिन पहले जारी किया गया है, जिसने मंदिर निर्माण की यात्रा को जीवंत कर दिया।

वीडियो में जहां एक ओर मिट्टी से मंदिर बनने की आरंभिक रेखाएं उभरती हैं, वहीं दूसरी ओर हर पत्थर पर अंकित होती आस्था की अमिट छाप दिखाई देती है। रामलला की स्थायी प्रतिष्ठा के साथ जन्मभूमि पर आकार लेता यह दिव्य धाम न केवल निर्माण की प्रक्रिया को दर्शाता है, बल्कि इसके पीछे के भाव, भक्ति और बलिदान की अमर गाथा भी कहता है। मंदिर निर्माण यात्रा की क्षणिक झलक जब परदे पर उभरती है, तो मानो संपूर्ण राष्ट्र का आस्था-सैलाब पुनः उमड़ पड़ता है। फावड़े, क्रेन और कारीगरों के हाथों में औजार। वीडियो में गर्भगृह के निर्माण, शिलाओं की स्थापना, दीपोत्सव की रात्रि और रामलला के श्रृंगारित विग्रह की दिव्यता, सब कुछ शब्दातीत सौंदर्य में सिमटा हुआ है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दो दिन पूर्व तक की पूरी यात्रा को वीडियो में दर्शाया गया है। ट्रस्ट आगामी पांच अगस्त को मंदिर के भूमिपूजन की पांचवी वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया और ट्रस्ट के आधिकारिक मंचों पर उपलब्ध है।

महंत जनार्दन दास ने कहा, हमें गर्व है कि हमने इस युग में रामराज्य के मंदिर को बनते देखा। यह चलचित्र हमारी स्मृतियों का दीपोत्सव है। हम उस भव्य निर्माण के साक्षी हैं जो केवल ईंट और पत्थर से नहीं, आस्था और संकल्प से खड़ा हुआ है। एमडी मिश्रा कहते हैं, इस वीडियो को देखकर आंखें भर आईं। यह सिर्फ पत्थरों की कहानी नहीं, हमारी पीढ़ियों की प्रतीक्षा का साक्षात चित्र है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का यह प्रयास न केवल सूचनात्मक है, बल्कि आध्यात्मिक भी है।

यूपी में इस साल स्वतंत्रता दिवस पर फहराएगा 4.6 करोड़ तिरंगा

लखनऊ, 03 अगस्त (ब्यूरो)। यूपी में इस साल स्वतंत्रता दिवस पर चार करोड़ 60 लाख से ज्यादा तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों के साथ हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने हर घर तिरंगा अभियान को प्रदेश भर में एक जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। जिलाधिकारियों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गत वर्षों में हर घर तिरंगा अभियान उत्साह, उमंग और जनभागीदारी के साथ आयोजित किया गया था। इस बार भी वृहद प्रचार-प्रसार व जनजागरूकता से लोगों को फिर तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रेरित करें। अभियान के तहत इस साल 4.6 करोड़ से अधिक तिरंगा फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अनुरूप स्वयं सहायता समूह, एनजीओ, एमएसएमई, खादी ग्रामोद्योग व अन्य निजी सिलाई केंद्रों के माध्यम से झंडों का निर्माण कराएं।

पंचायत भवनों, जन सेवा केन्द्रों, राशन केन्द्रों, तहसील, विकास खंड, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, डाकघर आदि में वितरण की व्यवस्था कराई जाए। जनभागीदारी बढ़ाने के लिए बाइक और साइकिल रैली, युवा परेड और सामुदायिक तिरंगा यात्राएं आयोजित की जाएं। राष्ट्रीय गौरव, एकता और देशभक्ति की चेतना के संदेश को मजबूत करने के लिए स्कूली बच्चों, युवाओं और सभी क्षेत्रों के नागरिकों को शामिल किया जाए। शैक्षणिक संस्थानों,

स्मारकों और सार्वजनिक स्थलों को तिरंगा-थीम वाली लाइटिंग, भित्ति चित्रों और रंगोली कला से सजाया जाए।

बैठक में प्रमुख सचिव पंचायती राज अनिल कुमार, प्रमुख सचिव सिंचाई अनिल गर्ग, प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरुप्रसाद, प्रमुख सचिव होमगार्ड राजेश कुमार सिंह, प्रमुख सचिव खादी व ग्रामोद्योग अनिल कुमार सागर, ग्राम्य विकास आयुक्त गौरी शंकर प्रियदर्शी, राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी आदि उपस्थित थे। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि नागरिकों को सेल्फी विद तिरंगा अभियान में भाग लेने तथा राष्ट्रीय ध्वज के साथ अपनी तस्वीरें ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित करें। 08 अगस्त को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव समारोह का आयोजन जनभागीदारी व उत्साह के साथ कराएं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में काकोरी शताब्दी महोत्सव समापन समारोह का आयोजन शहीद स्मारक-काकोरी में किया जाएगा। 08-09 अगस्त को सैनिकों, अर्द्धसैनिक बलों, पुलिस कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों को तिरंगा राखी बांधने का कार्यक्रम आयोजित किया जाए। डाक विभाग से समन्वय स्थापित सीमाओं पर सैनिकों व अर्द्धसैनिकों बलों को तिरंगा राखी भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

बैठक में संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि हर घर तिरंगा 2025 अभियान 2 से 15 अगस्त के बीच तीन अलग-अलग चरणों में चलाया जाएगा। इसमें 2 से 8 अगस्त तक सार्वजनिक स्थलों को तिरंगा-थीम वाली दीवारों, भित्ति चित्रों और रंगोली कला से सजाया जाएगा। 9 से 12 अगस्त तक सांस्कृतिक उत्सव (तिरंगा महोत्सव) और मेले आयोजित किए जाएंगे। तिरंगे थीम पर बनाए गए उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। 13 से 15 अगस्त के बीच ध्वजारोहण समारोह और प्रमुख सरकारी भवनों, संस्थानों, पुलों बांधों, सार्वजनिक स्थलों तिरंगा लाइटिंग से प्रकाशित किया जाएगा।

यूपी में 30 फीसदी महंगा होगा बिजली का नया कनेक्शन

लखनऊ, 03 अगस्त (ब्यूरो)। यूपी में नया बिजली कनेक्शन लेना पहले की तुलना में 30 फीसदी महंगा हो जाएगा। पावर कारपोरेशन बिजली केवल दर ही नहीं, बल्कि नए कनेक्शन की दरों में भी बढ़ोतरी चाहता है। कारपोरेशन घरेलू कनेक्शन की दर में करीब 25 से 50 फीसदी और वाणिज्यिक दर में 100 फीसदी तक बढोतरी की मांग कर रहा है। पावर कारपोरेशन बिजली दर में करीब 45 फीसदी बढोतरी के साथ ही नए कनेक्शन की दर बढ़ाने का प्रस्ताव दाखिल कर चुका है। नियामक आयोग सभी निगमों में सुनवाई भी कर चुका है।

अब नियामक आयोग की उप समिति की जल्द ही बैठक होने वाली है। इसमें दरों पर विचार विमर्श किया जाएगा। ऐसे में कार्पोरेशन प्रबंधन उप समिति की बैठक में नए कनेक्शन की दरों को बढ़ाने के लिए लगातार पैरवी कर रहा है। दो दिन पहले कार्पोरेशन के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर नियामक आयोग में चर्चा भी की।

मालूम हो कि प्रदेश में बीपीएल उपभोक्ताओं को करीब 1032 रुपए में कनेक्शन मिलता है। एक किलोवाट का कनेक्शन लेने पर अभी ग्रामीण इलाके में करीब 1172 रुपए और शहरी इलाके में करीब 1570 रुपए जमा करना पड़ता है। यदि 40 मीटर से दूर कनेक्शन होता है तो पोल का खर्च करीब पांच से सात हजार रुपए अतिरिक्त जमा करने होते हैं।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शनिवार को पावर कार्पोरेशन और वितरण निगमों (डिस्कॉम) के शिकायत प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में शिकायतों की स्थिति की जानकारी ली। लंबित मामलों का जल्द से जल्द निस्तारित करने का निर्देश दिया। ऊर्जा मंत्री ने नोडल अधिकारियों से पूछा कि किस तरह की शिकायतें ज्यादा आ रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसफार्मर और आपूर्ति से जुड़े मामलों की शिकायत बार- बार आती है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि ही विभाग की प्राथमिकता है। अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता सेवा की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं है। विभागीय उत्तरदायित्व तय करते हुए निरंतर निगरानी की जाएगी।

अच्छी और बुरी बातें

भले ही सोशल नेटवर्किंग का क्रेज आजकल के बच्चों में अधिक दिखता हो और इंटरनेट के मामलों में वे काफी समझदार हो गए हों, लेकिन उनको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक छोटी सी भूल उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है। सिर्फ बच्चों ही नहीं मां-बाप को भी इस मामले में ख्याल रखना चाहिए। सोशल नेटवर्किंग में खतरे हैं तो क्या इसका यह मतलब नहीं है कि हमें इन साइट्स को ब्लॉक कर देना चाहिए या हमें इन साइट्स का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए।

ब्रेड खाने से अब नहीं बढ़ेगा मोटापा

शोधकर्ताओं ने एक ऐसा ब्रेड बनाया है जिसे खाने के लिए अपने स्वाद से कोई समझौता नहीं करना होगा। इस ब्रेड में आम ब्रेड के मुकाबले सात गुना ज्यादा प्रोटीन है। साथ ही हर टुकड़ें में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा तीन ग्राम कम है जिसे खाने से वजन नहीं बढ़ेगा। प्रोटीन ब्रेड के हर टुकड़े में 15 गाम गेहूं और मटर का प्रोटीन शामिल है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड भी है जो पेट भरा होने का अहसास देता है।

बैठे-बैठे पैर हिलाइए और रहिए बीमारीमुक्त

अक्सर जब आप बैठे-बैठ पैर हिलाने लगते हैं तो आपके बड़े आपको टोक देते हैं। ऐसा हर किसी के साथ होता है। बच्चों के बैठे-बैठे पैर हिलाने से बुजुर्गों का डांटना लाजिमी है। इसके पीछे भारतीय मान्यता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार बैठे-बैठे पैर हिलाने को अशुभ माना जाता है। पैर हिलाने को पिताजी की मृत्यु और कर्ज के संकट के तौर पर देखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि कोई इंसान यदि पूजन कर्म या अन्य किसी तरह के धार्मिक कार्य में बैठने के दौरान पैर हिलाता है तो उसे पूजन कर्म का पूरा पुण्य नहीं मिल पाता। या फिर माना जाता है कि पैर हिलाने से धन की देवी महालक्ष्मी क्रोधित हो जाती है और धन का नाश होता है। इन अशुभ परिणामों को देखते हुए अक्सर परिवार के वृद्धजन पैर हिलाने से बच्चों को मना करते हैं। धार्मिक तौर पर पैर हिलाने के इतनी सारी हानियों को देखते हुए शायद ही कोई पैर हिलाता आपको नजर आए।

लेकिन वैज्ञानिक तौर पर देखा जाए तो पैर हिलाने से कई तरह की बीमारियां हमसे दूर रहती हैं और शरीर बीमारीमुक्त रहता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च से पता चला है कि अगर आप बैठे-बैठे पैर हिलाते हैं तो ये आपके दिल की सेहत के लिए बड़ा शुभ होता है।

भले ही पैर हिलाना व्यायाम का विकल्प नहीं है लेकिन समय की कमी के कारण जो व्यायाम नहीं कर पाते उनके लिए बैठे-बैठे पैर हिलाना व्यायाम से कम भी नहीं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए बेहतर होगा कि आप काम करते करते पैरों को हिलाते डुलाते रहें। वैसे भी आपको मालुम ही है कि कुछ नहीं करने से बेहतर है कुछ तो करना।

रक्तचाप की परेशानी होती है ठीक

घंटों तक एक जगह बैठे रहने के दौरान पैर हिलाने से रक्तचाप की परेशानी ठीक होती है। एक जगह में घंटो तक बैठ कर काम करने से शरीर में रक्त प्रवाह धीमा होने लगता है जिससे ब्लड प्रेशर यानि रक्तचाप से जुड़ी बीमारियां शरीर में पनपने लगती हैं। जिससे दिल की बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप काम करना और ऑफिस जाना तो नहीं छोड़ सकते हैं। तो बेहतर होगा कि बैठे-बैठे पार हिलाइए और अपनी सेहत को इन खतरों से बचा कर रखिए।

शोध में हुआ साबित

हाल ही में कुछ महिलाओं और पुरुषों में एक शोध किया गया है जिसमें लोगों को तकरीबन कुछ घंटो तक एक ही स्थान पर बैठेकर काम करने को कहा गया। साथ में बीच-बीच में हर चार मिनट के बाद अपने पैरों को एक-एक मिनट के लिए इधर से उधर घुमाने और हिलाने के निर्देश दिए गए। शोधकर्ताओं ने इन लोगों के बैठने से पहले, बाद में तथा बैठे रहने के दौरान रक्त प्रवाह को नोट किया। परिणाम में पाया गया कि ऐसा करने से लोगों का बल्ड सर्कुलेशन धीमा होने के स्थान पर बढ़ गया जो धमनियों के लिए फायदेमंद है।

कई बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

इस शोध के पूरे होने के बाद ये निष्कर्ष निकाला गया कि बैठ कर काम करने के दौरान पैरों को बीच में हिलाते रहने से आर्टिलरी डिज़ीज से हमारे दिल को सुरक्षित रखता है। साथ ही ब्लड प्रेशर सहित फैट के बढ़ने, डिप्रेशन और आंखों की बीमारियों से भी रक्षा करता है।

HEALTH

अखरोट में नाड़ी तंत्र की रक्षा करने वाले यौगिक मौजूद

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्रीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

ड्राई सॉकेट के लिए प्रभावी घरेलू नुस्खे

ड्राई सॉकेट एक प्रकार की दांतों की समस्या है जो बहुत ही दर्दनाक होती है, इस समस्या से बचाव के लिए आज आपको कुछ प्रभावी घरेलू नुस्खों के बारे बताते है जो काफी कारगर साबित हुए हैं। दांतों की देखभाल सही तरीके से न की जाए तो इनमें कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। अगर किसी कारणवश आपका कोई दांत निकल गया है और उसकी जगह आपने सॉकेट लगवाया है तो उसमें भी समस्या हो सकती है। सॉकेट में समस्या तब होने लगती है जब सॉकेट के नीचे खून के धब्बे बनने लगते हैं। इसके कारण वाहिकाओं और हड्डी में भी समस्या होने लगती है।

ड्राई सॉकेट को एल्वेलर ऑस्टीटिस नाम से भी जाना जाता है। इसके कारण संक्रमण भी हो सकता है। दांत निकालने के बाद भी अगर 3-4 दिन तक दर्द हो तो यह ड्राई सॉकेट की समस्या हो सकती है। इसके अलावा गर्दन, कान, आंख में दर्द भी इसका लक्षण है। खाने में समस्या भी हो सकती है और मुंह स्वादहीन हो जाएगा यानी किसी खाने में कोई स्वाद नहीं मिलेगा। हल्का बुखार, मुंह में सूजन, सांसों में बदबू, आदि इस समस्या के लक्षण हो सकते हैं।

बर्फ का प्रयोग

अगर ड्राई सॉकेट के कारण मुंह और जबड़ों में अधिक सूजन हो गई हो तो बर्फ से सिंकाई कीजिए। बर्फ का पैक प्रभावित हिस्से पर रखने से सूजन कम होती है और दर्द से आराम भी मिलता है।

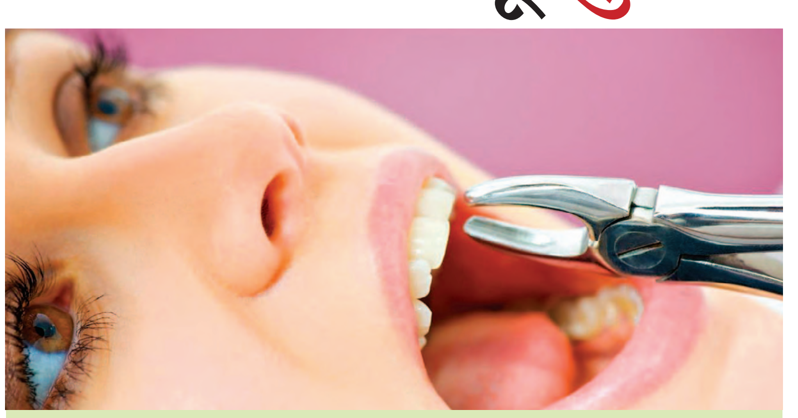

लौंग का तेल

दांतों के लिए लौंग को बहुत ही प्रभावी माना जाता है। ड्राई सॉकेट की समस्या होने पर लौंग के तेल को लगाने से फायदा होता है। इसके आप दांतों पर सीधे कॉटन के प्रयोग से लगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले साफ पानी में रूई को डुबोएं फिर पानी निचोड़कर इसे लौंग के तेल में भिगोकर दांतों में लगाएं। इसे आसपास वाले दांतों पर भी लगाएं। इसे दिन में दो या तीन बार प्रयोग करें।

नमक पानी

किसी भी प्रकार के दर्द या सूजन खासकर मुंह की समस्याओं के लिए नमक पानी को बहुत ही कारगर माना जाता है। ड्राई सॉकेट होने पर भी नमक पानी का प्रयोग करें। पानी को हल्का गरम करके उसमें नमक डाल लीजिए। फिर इस पानी से गरारा कीजिए, जल्द आराम मिलेगा।

योगर्ट: योगर्ट खाने से शरीर को दूसरे पौष्टिक तो मिलते हैं साथ ही यह ड्राई सॉकेट की समस्या का भी अच्छा उपचार है। यह एक प्रकार का नैचुरल एंटीबॉयटिक है, जिससे इस समस्या में आराम मिलता है।

टी बैग: टी बैग का प्रयोग केवल चाय पीने के लिए नहीं होता है, इसे सौंदर्य के साथ-साथ दांतों की समस्याओं को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। ड्राई सॉकेट की समस्या में ठंडे टी बैग को प्रभावित हिस्से पर रखें। थोड़ी देर इसे प्रभावित हिस्से पर रखने से दर्द दूर हो जायेगा। यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपचार है।

हल्दी है फायदेमंद: हल्दी बहुत ही गुणकारी औषधि है। ड्राई सॉकेट होने पर हल्दी का पाउडर प्रयोग करें। अगर अधिक दर्द हो रहा हो तो पानी को हल्का गरम करके उसमें हल्दी पाउडर डालें। फिर इस पानी से कुल्ला करें, दर्द दूर हो जाएगा और संक्रमण भी नहीं होगा।

नींबू और नमक: नींबू और नमक दोनों ड्राई सॉकेट के लिए एंटीसेप्टिक की तरह काम करते हैं। इसके प्रयोग से दर्द और संक्रमण दोनों दूर हो जाता है। नींबू विटामिन सी का अच्छा स्रोत है जिससे बहुत जल्दी आराम मिलता है। नींबू के रस में थोड़ा नमक डालकर इसे सीधे दांतों पर लगाएं। इससे जल्द आराम मिलेगा।

केवल चलने से कम हो सकती हैं दिल की बीमारी

अब हाल ही में हुए अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई है कि शारीरिक क्रियाएं जैसे की चलना और साइक्लिंग से 50% दिल की बीमारियां कम हो जाती हैं। खासकर 65 वर्ष से ऊपर वाले इंसान के लिए चलना वरदान साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार 65 वर्ष की उम्र के लोगों के समूह में दिल की बीमारी से होने वाली मौतें केवल चलने से 50त्न तक कम हो सकती हैं। स्टडी के अनुसार 65 वर्ष की उम्र वाले जो लोग फीजिकली एक्टिव रहते हैं।

सप्ताह में चार घंटे चलें

यह अध्ययन में 65 से 74 उम्र की 2,456 पुरुष और महिलाओं में किया गया है। इसमें फीजिकल एक्टिविटी और दिल की बीमारी से जुड़े खतरों के बीच में संबंध देखा गया है। अध्ययनकर्ताओं ने देखा की जो लोग हफ्ते में रोजाना कुछ देर तक शारीरिक काम जैसे चलना या साइक्लिंग करते हैं उनमें दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हुआ है।

भावुकतावश न उठाएं कोई कदम, कॅरियर पर पड़ सकता है असर

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है, लेकिन इसके बाद का असर अनावश्यक परेशानियां ला सकता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। जानकारों का मानना है कि नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कंटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं, लेकिन नौकरी बदलते वक्त इन बातों पर ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए।

एक बार फिर फैशन में आया पुराना ट्रेंड

महिला हो या पुरुष, बूढ़ा हो या बच्चा आजकल हर कोई फैशन ट्रेंड को फॉलो करता है। आजकल पुराने जमाने का फैशन घूम-फिर कर वापिस आ रहा है। आपको याद होगा कि पुराने जमाने की हीरोइनें लम्बा सा बेल बॉटम पहनकर इतराती थीं। पहले फ्लेयर वाले बेल बॉटम अच्छे लगते थे। उन्हें पहनना और कैरी करना भी काफी आसान हुआ करता था। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'गुंडे' मूवी में भी ऐसे ही लुक में नजर आई थीं।

फिल्मों में भी बदला ट्रेंड...

वैसे हॉलीवुड मूवी में भी बेलबॉटम का ट्रेंड देखा जा सकता है, जॉन ट्रावोलेटा ने सैटर-डे नाइट फीवर में बेलबॉटम पहना है। नई लुक लेने के लिए आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं। अगर आप जानना चाहती हैं कि बेलबॉटम आपको क्यों पहनना चाहिए तो ये जान लीजिए कि इस तरह का फैशन आपको काफी कंफर्टेबल फील कराता है। और आप बेलबॉटम पैंट पहनने के बाद काफी रिलैक्स महसूस करती हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इसका फैशन पर क्या प्रभाव है?

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे, लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

कम्फर्टेबल और गुड लुकिंग...

हल्के: जींस का वजन काफी ज्यादा होता है, लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े से बनी होती है। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हैवी नहीं होते हैं।

हाइट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाइट वाले की लम्बाई भी अच्छी लगती है। क्योंकि इसे पहनने से टांगे लम्बी लगती हैं।

सेक्सी लुक : बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर उभर कर सामने आता है और आप काफी सेक्सी लगती हैं।

पलती लगती हैं : बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है, लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

रेसिपी

कश्मीरी रोटी

सामग्री

1 1/2 कप गेहूं का आटा, 1/2 टी-स्पून सौंफ, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून अजवायन, 8 - 10 काली मिर्च, 1/2 कप लो फॅट दूध , 99.7% वसा मुक्त, नमक स्वादअनुसार, गेहूं का आटा , बेलने के लिए, 1 1/2 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

विधि

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, सौंफ, जीरा, अजवायन और कालीमिर्च डालकर, हल्का भून लें। हल्का ठंडा कर, खल-बत्ते में पीसकर दरदरा पाउडर बना लें। गेहूं के आटे, तैयार पाउडर, हींग, दूध और नमक को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। अच्छी तरह गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मलेशियन नूडल्स

सामग्री

2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून क्रश किया हुआ लहसुन, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड हरी प्याज़, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप तिरछे कटे हुए गाजर, 1 कप बीन स्प्राउट्स, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर,1 टी-स्पून सोया सॉस, 2 टेबल-स्पून भूनी और क्रश की हुई मूंगफली, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप पनीर या टोफू के टुकड़े, 2 कप उबाले हुए फ्लॅट नूडल्स, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून भुनी और क्रश की हुई मूंगफली, 1 टेबल-स्पून कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते,

विधि

एक वॉक या गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेज़ आंच पर तेल गरम करें, लहसुन और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भून लें। गाजर डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। बीन स्प्राउट्स डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भूनें। नींबू का रस, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर, सोया सॉस और मूंगफली डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। नमक और पनीर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। नूडल्स डालकर हल्के हाथों मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। मूंगफली और हरी प्याज़ के पत्तों से सजाकर तुरंत परोसें।

संपादकीय

कांग्रेस का भारत विरोधी स्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में कांग्रेस का आचरण भारत विरोध का हो गया है। अक्सर यह बात कही जाती है, जिसे कांग्रेस के शीर्ष नेता अपने आचरण और विचारों से पुष्ट कर देते हैं। कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत विरोधी बयान को जिस तरह लपका है, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता के साथ भारत के प्रति उनके दृष्टिकोण को भी दिखाता है। अपने देश के हित को ध्यान में रखकर भारत के साथ व्यापारिक समझौते के लिए दबाव की राजनीति कर रहे ट्रंप के जिस विचार का विरोध एक स्वर में होना चाहिए था, कांग्रेस के मुख्य नेता राहुल गांधी उस भारत विरोधी स्वर में अपना स्वर मिला रहे हैं। यह भारत का विरोध नहीं तो क्या है? जैसे ही ट्रंप ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है, वैसे ही राहुल गांधी ने ट्रंप के इस बयान को लपक लिया। उन्होंने भी कहना शुरू कर दिया कि ट्रंप सही कह रहे हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है। राहुल गांधी को लग रहा होगा कि वे प्रधानमंत्री मोदी का विरोध कर रहे हैं परंतु देश की जनता यह साफ देख रही है कि राहुल वास्तव में भारत का विरोध कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने भारत विरोध में उठी आवाजों में अपना स्वर मिलाकर उन्हें पुष्ट करने का काम किया है। पाकिस्तानी नेता जब भारत के ख़िलाफ़ टिप्पणी करते हैं, तब भी उनके सभी आरोप कांग्रेस को सही लगते हैं। जब चीन के नेता, भारत विरोधी बयान देते हैं, तब भी राहुल गांधी और कांग्रेस उनके बयानों के आधार पर सरकार को आड़े हाथों लेने कि कोशिश करते हैं। वहीं, जब भारत की प्रशंसा होती है तब चुप्पी साध ली जाती है या फिर उसे फ़र्ज़ी कह दिया जाता है। याद हो जब यही ट्रंप 'मोदी-मोदी' कर रहे थे तब कांग्रेस को ट्रंप भारत के दुश्मन और बड़बोले नेता के तौर पर दिखाई देते थे। लेकिन आज जब ट्रंप ने भारत पर दबाव बनाने के लिए उटपटांग बयान दिया है तो कांग्रेस के सर्वेसर्वा उसे सच मानकर ओछी राजनीति कर रहे हैं। राहुल गांधी को अपनी ही पार्टी के उन नेताओं से सीखना चाहिए, जो मानते हैं कि देश की प्रतिष्ठा से बढ़कर राजनीतिक स्वार्थ नहीं हो सकते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर और राजीव शुक्ला के बयान राहुल गांधी को अवश्य सुनने चाहिए, जिसमें उन्होंने ट्रंप के विचार को बचकाना बताया है। यह सही भी है क्योंकि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मृत होती है तब अन्य देशों की अर्थव्यवस्था को क्या कहा जायेगा? आज भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और वैश्विक निवेशक भी भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास दिखा रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी 'मालिक' कह रहे हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मर गई है। क्या राहुल गांधी इस तरह भारत का विरोध करके जनता का विश्वास जीतेंगे? अपनी इसी प्रकार की सोच से राहुल गांधी कांग्रेस को जनता की नज़रों में इतना गिरा देंगे कि शायद भविष्य में कांग्रेस फिर कभी स्वाभिमान के साथ खड़ी हो पाए। भारत के लोग अपने देश का अपमान और विरोध सहन नहीं करते हैं।

कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत विरोधी बयान को जिस तरह लपका है, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता के साथ भारत के प्रति उनके दृष्टिकोण को भी दिखाता है। अपने देश के हित को ध्यान में रखकर भारत के साथ व्यापारिक समझौते के लिए दबाव की राजनीति कर रहे ट्रंप के जिस विचार का विरोध एक स्वर में होना चाहिए था, कांग्रेस के मुख्य नेता राहुल गांधी उस भारत विरोधी स्वर में अपना स्वर मिला रहे हैं। यह भारत का विरोध नहीं तो क्या है? जैसे ही ट्रंप ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है, वैसे ही राहुल गांधी ने ट्रंप के इस बयान को लपक लिया। उन्होंने भी कहना शुरू कर दिया कि ट्रंप सही कह रहे हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है। राहुल गांधी को लग रहा होगा कि वे प्रधानमंत्री मोदी का विरोध कर रहे हैं परंतु देश की जनता यह साफ देख रही है कि राहुल वास्तव में भारत का विरोध कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने भारत विरोध में उठी आवाजों में अपना स्वर मिलाकर उन्हें पुष्ट करने का काम किया है। पाकिस्तानी नेता जब भारत के ख़िलाफ़ टिप्पणी करते हैं, तब भी उनके सभी आरोप कांग्रेस को सही लगते हैं।

देश की सभी बाघ परियोजनाओं में 75000 वर्ग किमी क्षेत्र बाघों के लिए सुरक्षित

बाघों के सबसे बड़े घर में सुरक्षा बनी चुनौती

प्रमोद भार्गव

बाघों की निरंतर बढ़ती संख्या इनके संरक्षण और सुरक्षा के लिए चुनौती बन रही है। अतएव वन विभाग को सुरक्षा के साथ संवेदनशीलता की भी जरूरत है। क्योंकि अब इनके आवास और प्रजनन के क्षेत्र केवल बाघों के लिए आरक्षित उद्यान नहीं रह गए हैं। ये अपना क्षेत्र विस्तृत कर रहे है। प्रदेश में वर्तमान में बाघों की संख्या 850 से लेकर 900 के बीच है। उम्मीद की जा रही है कि 2026 में होने वाली बाघ-गणना में 950 से अधिक बाघ प्रदेश के वन प्रांतरों में हो सकते है, लेकिन चिंता की बात है कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधीकरण (एनटीसीए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 के छह माह के भीतर 29 बाघों की मौत हो चुकी है।

मध्यप्रदेश में चल रहे मानव-बाघ संघर्श और अवैध शिकार एक बड़ी चुनौती बनकर पेश आई है। क्योंकि यह राज्य देश में 'टाइगर स्टेट' कहा जाता है। बाघों की निरंतर बढ़ती संख्या इनके संरक्षण और सुरक्षा के लिए चुनौती बन रही है। अतएव वन विभाग को सुरक्षा के साथ संवेदनशीलता की भी जरूरत है। क्योंकि अब इनके आवास और प्रजनन के क्षेत्र केवल बाघों के लिए आरक्षित उद्यान नहीं रह गए हैं। ये अपना क्षेत्र विस्तृत कर रहे है। प्रदेश में वर्तमान में बाघों की संख्या 850 से लेकर 900 के बीच है। उम्मीद की जा रही है कि 2026 में होने वाली बाघ-गणना में 950 से अधिक बाघ प्रदेश के वन प्रांतरों में हो सकते है, लेकिन चिंता की बात है कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधीकरण (एनटीसीए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 के छह माह के भीतर 29 बाघों की मौत हो चुकी है। यानी औसतन प्रतिमाह पांच बाघ या तो प्राकृतिक मौत मरे है या फिर पेशेवर शिकारियों ने उनका शिकार किया है। हाल ही में शिवपुरी से लगे ष्योपुर से तीन बाघों की हड्डियों के साथ तीन आरोपियों को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने पकड़ा है। इनमें से एक बाघिन टी-1 शिवपुरी के माधव राष्ट्रीय उद्यान की बताई जा रही है। इस बाघिन की करीब 1 वर्ष से जानकारी नहीं मिल रही है। जबकि इसके गले में आईडी कॉलर डली हुई है। इस मामले में शिवपुरी के उद्यान से लगे ग्राम भीमपुर से पकड़े गए मुख्य आरोपी सोजीराम मोगिया ने स्वीकार किया है कि उसने जहर देकर एक बाघ को मारा है। हालांकि वनसंरक्षक उत्तम षर्मा प्रमाण के अभाव में बाघिन का शिकार करना स्वीकार नहीं कर रहे है, लेकिन बाघिन किस स्थल पर हैं, इसका उनके पास कोई उत्तर नहीं है। सौजीराम का 250 बीघा वनभूमि पर अवैध कब्जा भी है, जो उद्यान की सीमा से लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाघ परियोजना के 50 साल पूरे होने के अवसर पर कर्नाटक के मैसूर में बाघों की नई गणना रिपोर्ट-2022 जारी की थी। हालांकि यह संख्या और ज्यादा भी हो सकती है, क्योंकि यह गिनती केवल बाघ परियोजना क्षेत्रों में लगे कैमरों में कैद हुए बाघों की, की गई थी। बाघों की यह वृद्धि दुनिया के लिए गर्व का विषय है। यह दुर्लभ प्राणी एक समय लुप्त होने के कगार पर पहुंच गया था, तब 1 अप्रैल 1973 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाघ परियोजनाओं के जरिए बाघ संरक्षण के मजबूत उपाय किए थे। दुनिया की कुल आबादी के 75 प्रतिशत बाघ अकेले भारत में हैं। देश की सभी बाघ परियोजनाओं में 75000 वर्ग किमी क्षेत्र बाघों के लिए सुरक्षित है। दुनिया का महज 2.4 प्रतिशत भू-भाग हमारे पास है, जबकि जैव-विविधता के संरक्षण में हमारा योगदान आठ प्रतिशत है। भारत की कुल आबादी के करीब 850 बाघ मध्यप्रदेश की धरती पर विचरण कर रहे हैं। इसीलिए अब मध्यप्रदेश 'बाघ

राज्य' (टाइगर स्टेट) कहलाता है। बाघ संरक्षण भारत सरकार और राज्यों की साझा जिम्मेदारी है। संवेदना और सह-अस्तित्व के लिए प्रोत्साहित करने वाली हमारी सांस्कृतिक विरासत ने बाघ परियोजना की सफलता में अहम् भूमिका निभाई है। इन साझा प्रयासों का ही परिणाम है कि बाघों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। बीती सदी में जब बाघों की संख्या कम हो गई तब मध्य प्रदेश के कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में पैरों के निशान के आधार पर बाघ गणना प्रणाली को षुरूआती मान्यता दी गई थी। ऐसा माना जाता है कि हर बाघ के पंजे का निशान अलग होता है और इन निशानों को एकत्र कर बाघों की संख्या का आकलन किया जा सकता है। कान्हा के पूर्व निदेशक एचएस पवार ने इसे एक वैज्ञानिक तकनीक माना था, लेकिन यह तकनीक उस समय मुश्किल में आ गई, जब 'साइंस इन एशिया' के मौजूदा निदेशक के उल्लास कारंत ने बंगलुरु की वन्य जीव संरक्षण संस्था के लिए विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में बंधक बनाए गए बाघों के पंजों के निशान लिए और विशेषज्ञों से इनमें अंतर करने के लिए कहा। इसके बाद पंजों के निशान की तकनीक की कमजोरी उजागर हो गई और इसे नकार दिया गया। इसके बाद 'कैमरा ट्रैपिंग' का एक नया तरीका पेश आया। जिसे कारंत की टीम ने शुरुआत में दक्षिण भारत में लागू किया। इसमें जंगली बाघों की तस्वीरें लेकर उनकी गणना की जाती थी। ऐसा माना गया कि प्रत्येक बाघ के षरीर पर धारियों का प्रारूप उसी तरह अलग-अलग है, जैसे इंसान की अंगुलियों के निशान अलग-अलग होते हैं। यह एक महंगी आकलन प्रणाली थी। पर यह बाघों के पैरों के निशान लेने की तकनीक से कहीं ज्यादा सटीक थी। इसके तहत कैप्चर और री-कैप्चर की तकनीकों वाले परिश्कृत सांख्यिकी उपकरणों और प्रारूप की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके बाघों की विश्वसनीय संख्या का पता लगाने की षुरूआत हुई। इस तकनीक द्वारा गिनती सामने आने पर बाघों की संख्या नाटकीय ढंग से घट गई थी, जो अब बढ़ रही है।

हालांकि बढ़ते क्रम में बाघों की गणना को हमेशा पर्यावरणविद्ों ने संदिग्ध माना है। क्योंकि आर्थिक उदारवाद के चलते बहुराष्ट्रीय कंपनियों को प्राकृतिक संपदा के दोहन की छूट जिस तरह से दी जा रही है, उसी अनुपात में बाघ के प्राकृतिक आवास भी प्रभावित हो रहे हैं। खनन और राजमार्ग विकास परियोजनाओं ने बाघों की वंश वृद्धि पर अंकुश लगाया है। इन परियोजनाओं को प्रचलन में लाने के लिए चार गुना मानव बसाहटें बाघ आरक्षित क्षेत्रों में बढ़ी हैं। नतीजतन मानव और पशुओं के बीच संघर्श बढ़ा है। केंद्र व राज्य सरकारों की नीतियां भी खनन परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही हैं। पन्ना में हीरा खनन परियोजना, कान्हा में बॉक्साइट, राजाजी में राष्ट्रीय राजमार्ग, तड़ोबा में कोयला खनन और उत्तर-प्रदेश के तराई वन क्षेत्रों में इमारती लकड़ी माफिया बाघों के लिए जबरदस्त खतरा बने हुए हैं। इसके बावजूद खनिज परियोजनाओं के विरुद्ध बुलंदी से आवाज न राजनीतिकों की ओर से उठ रही और न ही वन अमले की तरफ से ? हां वन अमले की बर्बरता और गोपनीयता जरूर वैसी ही बनी चली आ रही है, जो फिरंगी हुकूमत के जमाने में थी। अंग्रेजों से विरासत में मिली इस शैली में बदलाव अभी तक वन अमला लाया नहीं है। इस कारण बाघों की मौतें भी बढ़ रही हैं। जबकि राष्ट्रीय उद्यानों, वनकर्मियों और वन आंवटन में निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रत्येक आरक्षित उद्यान को 20 से 26 करोड़ रुपए दिए जाते हैं। आशंकाएं तो यहां तक हैं कि बाघों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर इसलिए बताई जाती है, ताकि इनके संरक्षण के बहाने बरस रही देशी-विदेशी धनराशि नौकरशाही का हिस्सा बनती रहे। वर्तमान में चीन में बाघ के अंग और खालों की सबसे ज्यादा मांग हैं। इसके अंगों से यहां पारंपरिक दवाएं बनाई जाती हैं और उसकी हड्डियों से महंगी शराब बनती है। भारत में बाघों का जो अवैध शिकार होता है, उसे चीन में ही तस्करी के जरिए बेचा जाता है। बाघ के अंगों की कीमत इतनी अधिक मिलती है कि पेशेवर शिकारी और तस्कर बाघ को मारने के लिए हर तरह का जोखिम उठाने को तैयार रहते हैं। बाघों की दुर्घटना में जो मौतें हो रही हैं, उनका कारण इनके आवासीय क्षेत्रों में निरंतर आ रही कमी है। जंगलों की बेतहाशा हो रही कटाई और वन-क्षेत्रों में आबाद हो रही मानव बस्तियों के कारण भी बाघ बेमौत मारे जा रहे हैं। पर्यटन के लाभ के लिए उद्यानों एवं अभ्यारण्यों में बाघ देखने के लिए जो क्षेत्र विकसित किए गए हैं, उस कारण इन क्षेत्रों में पर्यटकों की अवाजाही बढ़ी है, नतीजतन बाघ एकांत तलाशने के लिए अपने पारंपरिक रहवासी क्षेत्र छोड़ने को मजबूर होकर मानव बस्तियों में पहुंचकर बेमौत मर रहे हैं। बाघ संरक्षण विशेश क्षेत्रों का जो विकास किया गया है, वह भी उसकी मौत का कारण बन रहा है, क्योंकि इस क्षेत्र में बाघ का मिलना तय होता है। बाघों के निकट तक पर्यटकों की पहुंच आसान बनाने के लिए बाघों के शरीर में रेडियो कॉलर आईडी लगाए गए हैं, वे भी इनकी मौत का प्रमुख कारण हैं।

देश दुनिया से

पिघलते ग्लेशियर व सिकुड़ते बादलों के खतरे

दुनिया के करोड़ों लोग स्वच्छ जल की आपूर्ति के लिए ग्लेशियरों पर निर्भर हैं। लेकिन ये महत्वपूर्ण जलस्रोत इस समय भारी दबाव में हैं। यदि वैश्विक तापमान अपने वर्तमान पथ पर जारी रहता है, तो दुनिया के 75 प्रतिशत ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। ग्लेशियरों के लुप्त होने का सिलसिला जारी रहेगा, भले ही आगे गर्मी और न बढ़े। ग्लेशियर मॉडल का उपयोग करके किए गए एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन से पता चलता है कि आज के स्तर पर तापमान को स्थिर करने से भी ग्लेशियरों का 40 प्रतिशत नुकसान होगा। अध्ययन का निष्कर्ष है कि यदि दुनिया का तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ता है, जो वर्तमान जलवायु नीतियों के अनुरूप है, तो भी दुनिया के ग्लेशियरों की बर्फ का केवल एक-चौथाई हिस्सा ही बचेगा। लेकिन इस अध्ययन में आशा की एक किरण भी दिखाई देती है। यदि वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित किया जा सका, जो पेरिस जलवायु समझौते का लक्ष्य है, तो तमाम ग्लेशियरों की बर्फ का लगभग आधा हिस्सा अब भी बचाया जा सकता है। दस देशों के 21 विज्ञानियों ने दुनिया भर के 2,00,000 से अधिक ग्लेशियरों के भविष्य का अनुमान लगाने के लिए आठ स्वतंत्र ग्लेशियर मॉडलों का उपयोग किया। इस अध्ययन में ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियर शामिल नहीं किए गए। विज्ञानियों ने अपने अध्ययन में वैश्विक तापमान के विभिन्न परिदृश्यों का परीक्षण किया। आज की वैश्विक गर्मी भी ग्लेशियरों के बड़े नुकसान का संकेत है। एक चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि अगर आज वैश्विक तापमान बढ़ना बंद हो जाता है, तो भी ग्लेशियर का नुकसान जारी रहेगा। पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 1.2 डिग्री सेल्सियस ऊपर के वर्तमान वैश्विक तापमान पर लगभग 40 प्रतिशत ग्लेशियर बर्फ के पहले ही गायब होने का अनुमान लगाया जा चुका है। जर्मनी के ब्रेमेन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक बेन मार्जियन ने कहा कि अध्ययन के परिणाम इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि वर्तमान जलवायु नीतियां भविष्य में ग्लेशियरों के आकार में निर्णायक भूमिका अदा

करेंगी। वैज्ञानिकों ने हर अतिरिक्त 0.1 डिग्री गर्मी पर वैश्विक ग्लेशियर द्रव्यमान में 2 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। अध्ययन में शामिल एक अन्य वैज्ञानिक डॉ. हैरी जेकोलारी कहते हैं कि डिग्री का हर अंश मायने रखता है। आज हम जो विकल्प चुनते हैं, वे सदियों तक प्रतिध्वनित होंगे। नए अध्ययन से जुड़ी वैज्ञानिक डॉ. लिलियन शूस्टर का कहना है कि ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के अच्छे संकेतक हैं। हम अपनी आंखों से देख सकते हैं कि ग्लेशियरों के पीछे हटने से जलवायु कैसे बदल रही है। हालांकि, उनका वर्तमान आकार पहले से हो चुके जलवायु परिवर्तन की भयावहता को बहुत कम करके आंकता है। ग्लेशियरों की स्थिति वास्तव में आज पहाड़ों में दिखाई देने वाली स्थिति से कहीं ज्यादा खराब है। ग्लेशियर के पीछे हटने से न केवल समुद्र के स्तर पर असर पड़ता है, बल्कि ताजे पानी की उपलब्धता पर भी दूरगामी प्रभाव पड़ता है। ग्लेशियर से संबंधित खतरों का जोखिम बढ़ता है और ग्लेशियर आधारित पर्यटन प्रभावित होता है। ये परिवर्तन जो पहले से ही कई क्षेत्रों में दिखाई दे रहे हैं, वैश्विक जलवायु नीति के महत्व को रेखांकित करते हैं। यह अध्ययन संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष (2025) में एक महत्वपूर्ण योगदान है और दुनिया के ग्लेशियरों को बचाने के लिए वैश्विक जलवायु कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। ग्लोबल वार्मिंग प्रकृति की दूसरी प्रणालियों को भी प्रभावित कर रही है। नासा के नेतृत्व में किए गए एक नए अध्ययन से पता चलता है कि तेज गर्मी का असर बादलों पर भी दिखाई दे रहा है। पृथ्वी के लिए बादलों के आवरण का विशेष महत्व है। बादल न सिर्फ धरती की प्यास बुझाते हैं बल्कि सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करके हमारे ग्रह को ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। लेकिन अब घने काले बादलों का क्षेत्र सिकुड़ने लगा है। इन बादलों को स्टॉर्म क्लाउड भी कहा जाता है। चिंता की बात यह है कि यह सिकुड़न अधिक सौर विकिरण को अंदर आने दे रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी की हाल ही में गर्मी बढ़ने का यह सबसे बड़ा कारण है। उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों और भूमध्य रेखा तथा ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच के इलाकों में काले बादलों के क्षेत्र प्रति दशक 1.5 प्रतिशत से 3 प्रतिशत तक सिकुड़ गए हैं। ये क्षेत्र पहले बहुत अधिक मात्रा में सूर्य के प्रकाश को वापस अंतरिक्ष में परावर्तित करते थे। बादलों के गायब होने से अधिक गर्मी पृथ्वी की सतह तक पहुंच रही है।

आप का नजरिया

भारत विरोधी सनक

अब तो साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मेधा व भारत की तरक्की को अपने लिये खतरे के रूप में देख रहे हैं। दूसरे कार्यकाल में आये दिन भारत के खिलाफ उनके बयान दरअसल अमेरिका के असुरक्षाबोध को ही दर्शाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दर्शाते हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है। वे लगातार कहते रहे हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। यह भी कहते रहे हैं कि अमेरिकी टेक कंपनियों ने अपने फायदे के लिये चीन में फैक्ट्रियां लगाकर उसे समृद्ध किया। इन कंपनियों द्वारा भारतीयों को अवसर देना उन्हें रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों उन्होंने एप्पल को चेतावनी दी थी कि यदि उसने भारत में आईफोन का उत्पादन किया तो सजा के तौर पर उस पर पच्चीस फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। यह विडंबना ही है कि जिस वैश्वीकरण व उदारीकरण के नाम पर अमेरिका ने अपार संपदा जुटाई, उससे दूसरे देशों को फायदा पहुंचना उसे नागवार गुजर रहा है। यह कैसे संभव है कि हर सामान का उत्पादन अमेरिका में ही हो, और उस कंपनी में सिर्फ अमेरिकी ही कर्मचारी हों। निस्संदेह, प्रतिभा और कार्यकुशलता किसी एक देश का कॉपी राइट नहीं हो सकता। मौजूदा दौर की वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुक्त व्यापार के दौर में कोई देश अपनी अर्थव्यवस्था के दरवाजे दूसरों के लिये बंद करके समृद्ध नहीं हो सकता है। दरअसल, आज खुली अर्थव्यवस्था में मल्टीनेशनल कंपनियां अपना मुनाफा देखती हैं। उन्हें जहां सस्ता श्रम व प्राकृतिक संसाधन सुलभ होते हैं, वहीं उत्पादन इकाई लगाती हैं। ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि आईटी के क्षेत्र व सिलिकॉन वैली में यदि समृद्धि की बयार बह रही है, उसमें भारतीयों का बड़ा योगदान है। आज यदि अमेरिका की बड़ी आईटी कंपनियों में भारतीय शीर्ष पदों पर हैं तो अपनी प्रतिभा के बूते ही हैं। एक शोध में खुलासा हुआ है कि सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक कर्मी भारतीय मूल के हैं। अपनी योग्यता के बूते दर्जनों टेक कंपनियों में भारतीय आईटी विशेषज्ञ ऊंचे ओहदों पर विराजमान हैं। निश्चित रूप से भारतीय टेक विशेषज्ञ अमेरिका आर्थिकी को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की यह चेतावनी कि महत्वपूर्ण आईटी कंपनियां व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीयों को महत्व न दें, उनकी संकुचित व प्रतिगामी सोच का ही पर्याय है। अब यदि कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बूते भारतीय अमेरिका में दूसरे नंबर के समृद्ध प्रवासी हैं, तो उसके मूल में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा है। जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। यह रोचक तथ्य है कि अमेरिकी आबादी का डेढ़ प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय प्रवासी छह फीसदी आयकर देते हैं। जो उनके अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान को ही दर्शाता है। ट्रंप को आत्म-मंथन करना चाहिए कि यदि सिलिकॉन वैली व टेक उद्योग दुनिया में वर्चस्व बनाये हुए हैं तो उसके मूल में भारतीय मेधा की तपस्या व त्याग निहित है। अमेरिका का खजाना भर रहे कई सॉफ्टवेयर तैयार करने में तमाम भारतीय इंजीनियरों का योगदान रहा है। ट्रंप को समय रहते समझ लेना चाहिए कि कथित रूप से अमेरिका को फिर से महान बनाने का नारा भारतीय प्रतिभाओं के योगदान के बिना सिर्फ जुमला बनकर रह जाएगा। अमेरिका के पास गोरे लोगों की वह श्रम शक्ति नहीं है जो उसे दुनिया पर राज करने का मौका दिला सके। इस बात को ट्रंप जितनी जल्दी समझ जाएं, वो अमेरिका के हित में ही होगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दर्शाते हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है।

अमृत कलश

मैं कौन हूं

तुम्हारा कर्तव्य है कि तुम यह या वह बनो, न कि यह या वह। 'मैं वही हूँ जो मैं हूँ', यही सम्पूर्ण सत्य का सार है। इस विधि का सार 'स्थिर रहो' शब्दों में है। स्थिर रहने का क्या अर्थ है? इसका अर्थ है स्वयं को नष्ट कर लेना। क्योंकि कोई भी रूप या आकृति परेशानी का कारण है। 'मैं अमुक हूँ', इस धारणा को त्याग दो। आत्म-साक्षात्कार के लिए बस स्थिर रहना आवश्यक है। इससे आसान और क्या हो सकता है? मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यह सोचना है कि वह स्वभाव से कमज़ोर है, स्वभाव से दुष्ट है। प्रत्येक मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप में दिव्य और शक्तिशाली है। कमज़ोर और दुष्ट उसकी आदतें, उसकी इच्छाएँ और विचार हैं, न कि वह स्वयं। यदि आप 'मैं' की इस भावना को पर्याप्त समय तक और पर्याप्त दृढ़ता से बनाए रखते हैं, तो झूठा 'मैं' गायब हो जाएगा और केवल वास्तविक, अंतर्निहित 'मैं', चेतना की अखंड जागरूकता ही शेष रह जाएगी। जान लो कि शरीर के साथ तादात्म्य का उन्मूलन ही दान, आध्यात्मिक तपस्या और अनुष्ठान है; यह पुण्य, दिव्य मिलन और भक्ति है; यह स्वर्ग, धन, शांति और सत्य है; यह अनुग्रह है; यह दिव्य मौन की स्थिति है; यह अमर मृत्यु है; यह ज्ञान, त्याग, अंतिम मुक्ति और आनंद है। मैं कौन हूँ? प्रश्न का वास्तव में उत्तर पाने के लिए नहीं है, 'मैं कौन हूँ?' प्रश्न का उद्देश्य प्रश्नकर्ता को विलीन करना है।

दृष्टि कोण

जब बच्चों की शिक्षा पर भारी पड़ता है पाखंड

भारत में एक ओर जब हम विज्ञान, तकनीक और अंतरिक्ष अनुसंधान में नित नई ऊंचाइयों को छूने का दावा करते हैं, वहीं दूसरी ओर आज भी देश के कोने-कोने में ऐसे दृश्य मिल जाते हैं जहाँ बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। यह विडंबना तब और पीड़ादायक हो जाती है जब शिक्षा का मार्ग केवल गरीबी या संसाधनों की कमी से नहीं, बल्कि अंधविश्वास और पाखंड से बाधित होता है। पाखंड केवल किसी झूठे बाबा का चमत्कार दिखाना नहीं होता, यह वह सामाजिक जाल है जिसमें बच्चों की सोच, सवाल, और सपनों को जकड़ लिया जाता है। ऐसे लोग जिनका उद्देश्य समाज में अपना वर्चस्व बनाना होता है, वे शिक्षा को सबसे बड़ा खतरा मानते हैं। क्योंकि शिक्षा सवाल करना सिखाती है, सोचने का विवेक देती है और व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है। यही वह शक्ति है जिससे पाखंडियों की दुकानें बंद हो सकती हैं। आज भी देश के अनेक गांवों, कस्बों और पिछड़े क्षेत्रों में ऐसे कथित साधु, संत और धर्मगुरु मौजूद हैं जो मंच से प्रवचन देते हुए कहते हैं, "लड़कियों को ज्यादा पढ़ाओगे तो वे घर नहीं संभालेंगी", "पुत्री की विद्या उसके विवाह में बाधा बनती है", "अत्यधिक शिक्षित कन्या अशुभ होती है।" ऐसे वक्तव्य केवल मजाक नहीं होते, ये समाज की सोच को दिशा देते हैं और माता-पिता को बच्चों को स्कूल भेजने से रोकते हैं। सरकारी प्रयासों के बावजूद शिक्षा का प्रसार तब तक नहीं हो सकता जब तक समाज की मानसिकता नहीं बदले। एक ओर सरकार बच्चों को स्कूल लाने के लिए पोषण आहार, छात्रवृत्ति और मुफ्त किताबों जैसी योजनाएं चला रही है, वहीं दूसरी ओर समाज के स्वयंभू ठेकेदार शिक्षा को तिरस्कार की दृष्टि से देख रहे हैं। शिक्षा का विरोध करने वाला हर स्वर दरअसल उस भय का प्रतीक है जो पाखंडियों को सता रहा है — कि यदि बच्चा शिक्षित हो गया तो

वह जात-पात, भेदभाव, मंदिर में भेद, महिलाओं की स्थिति, शोषण और अन्याय जैसे मुद्दों पर सवाल पूछेगा। यही डर उन्हें किताबों से दूर रखता है। आज भी कई जगहों पर यह कहा जाता है कि "बेटियों को ज्यादा पढ़ा दोगे तो उनका विवाह मुश्किल हो जाएगा।" कहीं-कहीं पर यह भी कहा जाता है कि "शिक्षित लड़की संस्कारहीन हो जाती है।" यह सोच केवल पिछड़ेपन की नहीं, बल्कि उस पाखंडी सोच की देन है जो धर्म और संस्कृति के नाम पर अज्ञान को बढ़ावा देती है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि वे स्वयंभू धर्मगुरु जो शिक्षा को व्यर्थ बताते हैं, वे स्वयं उच्च शिक्षित होते हैं। उनके बच्चे विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं, लेकिन वे गांव के बच्चों को 'गुरुकुल संस्कृति' का पाठ पढ़ाते हैं जहाँ तर्क का स्थान नहीं होता। यह दोहरा मापदंड इस देश की सबसे बड़ी त्रासदी है। आस्था और अंधविश्वास के बीच की सीमा रेखा तब धुंधली हो जाती है जब कोई बाबा कहता है कि "बच्चों को स्कूल नहीं, सत्संग में भेजो" और समाज उसका आंख मूंदकर पालन करता है। यही वह क्षण होता है जब शिक्षा पर पाखंड भारी पड़ता है। एक शिक्षित समाज ही एक प्रगतिशील राष्ट्र की नींव होता है। परंतु जब शिक्षा को ही शंका की दृष्टि से देखा जाए, तो देश का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। स्कूलों को पूजा स्थलों से कमतर आंकना, शिक्षकों को समाज में द्वितीय दर्जा देना और ज्ञान की जगह मंत्रों को प्राथमिकता देना — यह सब उसी मानसिकता का परिणाम है। ध्यान देने की बात यह भी है कि कई बार राजनीतिक शक्ति और धार्मिक पाखंड का गठबंधन हो जाता है। वोट बैंक की राजनीति में तथाकथित साधुओं को मंच मिल जाता है और वे बच्चों की शिक्षा को भ्रम और पाप बताकर उनका मानसिक दोहन करते हैं। वे स्वतंत्रता, समानता, तर्क, और अधिकारों की भी शिक्षा प्राप्त करते हैं। यही वह बात है जो पाखंडियों को असहज कर देती है।

वे नहीं चाहते कि कोई बच्चा पूछे कि —

"यदि हम सब ईश्वर की संतान हैं, तो जातियाँ क्यों हैं?"

"स्त्रियों को मंदिरों में प्रवेश क्यों नहीं मिलता?"

"गरीबों को अच्छे स्कूल क्यों नहीं मिलते?"

ये सवाल ही पाखंड की जड़ें हिला सकते हैं, इसलिए ऐसे लोगों का पहला हमला हमेशा शिक्षा पर होता है। अफसोस की बात यह है कि शिक्षा विभाग तक कई बार इन प्रवृत्तियों के आगे कमजोर पड़ जाता है।

नेपाल में पांच विधेयकों को लेकर सत्तारूढ़ के घटक दलों में ही मतभेद बढ़े

काठमांडू,03 अगस्त (एजेंसियां) ।

नेपाल के सत्तारूढ़ घटक दलों नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के बीच मतभेद बढ़ता जा रहा है। इसी कारण अब तक संसद में भूमि विधेयक, शिक्षा विधेयक, सिविल सर्विस विधेयक, एंटी करप्शन ब्यूरो संबंधी विधेयक और संवैधानिक परिषद संबंधी विधेयक पास होने के इन्तजार में महीनों से लटके हैं।

भूमि विधेयक को लेकर जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने तो सरकार से समर्थन ही वापस ले लिया है। अब इस विधेयक को लेकर नेपाली कांग्रेस ने भी सरकार के प्रस्तावित विधेयक का विरोध किया है। पार्टी के महामंत्री गगन थापा ने कहा है कि भूमि संबंधी विधेयक में कुछ संशोधन से काम नहीं चलने वाला है, इसलिए इसके पुनर्लेखन की ही आवश्यकता है।

कांग्रेस के इस रुख का विरोध करते हुए यूएमएल संसदीय दल के प्रमुख सचेतक महेश बरतौला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का यह रुख गठबंधन के धर्म के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पार्टी के महामंत्री होकर गगन थापा को इस विषय पर सार्वजनिक बयान देने के बजाए उन्हें गठबंधन की बैठक में यह बात रखनी चाहिए। संसद के दोनों सदनों से भूमि विधेयक के पारित होने के बाद भी राष्ट्रपति ने आपत्ति दर्ज करते हुए वापस कर दिया नेपाली कांग्रेस ने राष्ट्रपति के इस कदम का समर्थन किया है, तो यूएमएल ने इसका विरोध किया है। शनिवार को ही प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर इस संबंध में चर्चा की थी।

इसी तरह लंबे समय से संसद में विचाराधीन शिक्षा विधेयक को लेकर सत्ता के साझेदार दोनों दलों में मतभेद अब खुल कर सामने आ गए हैं। यूएमएल ने इस विधेयक का समर्थन किया है, जबकि नेपाली कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। इसी कारण इस विधेयक पर सदन में चर्चा नहीं हो पा रही है।

ऐसे ही एंटी करप्शन ब्यूरो से संबंधित विधेयक और सिविल सर्विस से संबंधित विधेयक को लेकर भी दोनों दलों के बीच मतभेद है। सिविल सर्विस विधेयक को लेकर गठबंधन दलों के बीच जनसहमति बनी थी। उसके विपरीत यूएमएल के सांसदों ने इसके प्रावधान को ही बदल दिया, जिसको लेकर संयुक्त संसदीय जांच समिति का गठन किया गया है।

गठबंधन दल के बीच हुई सहमति के उलट यूएमएल के सांसदों की तरफ से इसमें संशोधन का प्रस्ताव रखने से नेपाली कांग्रेस सवाल खड़े कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला ने कहा कि यूएमएल की तरफ से इस गठबंधन को तोड़ने के लिए माहौल तैयार किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मेडिकल साइंस का चमत्कार! 1994 में जमाए गए भ्रूण से पैदा हुआ सबसे बुजुर्ग बच्चा

वाशिंगटन। हाल ही में एक मामला सामने आया है, इस मामले ने चिकित्सा जगत को चौंका दिया है। एक 30 साल पुराने फ्रोजन एम्ब्रियो (जमे हुए भ्रूण) से स्वस्थ बच्चे का जन्म हुआ है। यह घटना सच में किसी साइंस-फिक्शन फिल्म जैसी लगती है, लेकिन यह सच्चाई है। दरअसल जब किसी महिला और पुरुष के अंडाणु और शुक्राणु को आईवीएफ तकनीक से मिलाकर भ्रूण बनाया जाता है, भविष्य में उपयोग के लिए जमा किया जा सकता है। ये भ्रूण -196 सेल्यिस तापमान पर संग्रहित किए जाते हैं। सामान्यत इन्हें 5-10 साल में उपयोग कर लिया जाता है, लेकिन अब तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि कई दशकों बाद भी भ्रूण जीवित रहता है। अमेरिका में एक कपल ने ओहायो निवासी लिंडसे और टिम पियर्स ने 1994 में जमा किए गए भ्रूण को अपनाया और आईवीएफ प्रक्रिया के ज़रिए उसे गर्भ में प्रत्यारोपित किया। इस भ्रूण को लिंडसे के गर्भाशय में नवंबर 2024 में प्रत्यारोपित किया गया। 30 साल बाद, जब वह भ्रूण मां के गर्भ में पनपा, तब एक स्वस्थ बच्चे का जन्म हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि यह सबसे लंबे समय तक संरक्षित भ्रूण से जन्म लेने वाला बच्चा है। दिलचस्प बात यह है कि बच्चे की जैविक बहन अब 30 साल की है और उसकी खुद की एक 10 वर्षीय बेटी भी है। 30 साल तक भ्रूण को सुरक्षित रखना और फिर सफलतापूर्वक जन्म दिलाना आईवीएफ और क्रायोप्रिजर्वेशन (भ्रूण को जमाकर रखने की तकनीक) की शानदार उपलब्धि है। यह मामला न सिर्फ एक चमत्कार है, बल्कि यह भी दिखाता है कि मेडिकल साइंस ने भविष्य को बदलने की ताकत हासिल कर ली है।

पाकिस्तान में आधी रात को आया जलजला, इस्लामाबाद समेत कई इलाकों में महसूस हुए झटके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शनिवार और रविवार की आधी रात को भूकंप के झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.8 मापी गई है। भारतीय समयानुसार यह भूकंप रात 12:40 बजे आया, जिसका केंद्र राजधानी इस्लामाबाद के पास रहा। राष्ट्रीय भूकंपीय केंद्र के अनुसार, भूकंप की गहराई करीब 10 किलोमीटर थी। शनिवार को भी आया था तेज भूकंप पाकिस्तान में आए इस भूकंप से अब तक किसी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली है, लेकिन रात में अचानक आए झटकों से लोग घरों से बाहर निकल आए और घबराहट का माहौल देखा गया। यह भूकंप शनिवार को आए 5.4 तीव्रता के झटकों के कुछ ही घंटों बाद दर्ज किया गया। शनिवार के भूकंप का असर खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब और इस्लामाबाद सहित कई इलाकों में महसूस किया गया था। उस वक्त भी किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन नागरिकों में भय का वातावरण बन गया था। विशेषज्ञों के मुताबिक पाकिस्तान एक सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है। यह इलाका यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों के संगम पर स्थित है, जिससे यहां अक्सर भूकंप आने की आशंका बनी रहती है। खैबर पख्तूनख्वा, गिलगित-बाल्टिस्तान और बलूचिस्तान जैसे क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं क्योंकि ये प्रमुख भ्रंश रेखाओं के करीब स्थित हैं। इसके अलावा पंजाब और सिंध जैसे इलाकों पर भी भूकंप के झटकों का जोखिम बना रहता है। भूकंप विज्ञानियों ने आगे भी झटके महसूस होने की आशंका जाहिर करते हुए नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

नहीं रुकेगी जंग- हमास ने फिर धमकाया कहा फिलिस्तीन की आजादी तक इजरायल से लड़ेंगे

गाजा। इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध में शांति के दरवाजे एक बार फिर बंद होते नजर आ रहे हैं। इजरायल की तरफ से 60 दिन के सीजफायर के दिए गए प्रस्ताव को हमास ने ठुकराते हुए कहा कि जब तक फिलिस्तीन आजाद नहीं हो जाता है तब, तक ये जंग जारी रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक हमास ने बयान जारी करके कहा , वह सशस्त्र प्रतिरोध के अधिकार को तब तक नहीं छोड़ सकता जब तक कि यरूशलेम को अपनी राजधानी के रूप में एक स्वतंत्र, पूर्ण संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य न बन जाए। हमास की तरफ से यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जबकि कतर, फ्रांस और मिस्त्र की मध्यस्थता में कुछ दिन पहले ही शांति प्रस्ताव को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत समाप्त हुई है।

बलूचों ने कहा- ये क्षेत्र बिकाऊ नहीं हैं अमेरिका को एक बूंद भी तेल नहीं देंगे

इस्लामाबाद,03 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिका और पाकिस्तान के बीच हुई तेल वाली डील को लेकर बलूचिस्तान के नेताओं ने अमेरिका के राष्ट्रपति को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि इस क्षेत्र के पूरे प्राकृतिक संसाधन पाकिस्तान के नहीं बल्कि एक स्वतंत्र राष्ट्र बलूचिस्तान के अंतर्गत आते हैं, जो कि फिलहाल पाकिस्तान के कब्जे में हैं। मीर यार ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि यह क्षेत्र बिकाऊ नहीं है और यहां पर पाकिस्तान, चीन या किसी अन्य देश द्वारा हमारे संसाधनों के दोहन को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया पर ट्रंप को लिखे एक खुले खत में मीर यार ने असीम मुनीर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने ट्रंप को संबोधित करते हुए लिखा, इस क्षेत्र के विशाल तेल और खनिज भंडारों को लेकर आपको (ट्रंप को) पूरी तरह से पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने गुमराह किया है। मैं आपको और आपके प्रशासन को यह सूचित कर देना चाहता हूं कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व और जनरल असीम मुनीर ने आपको यहां के भूगोल के बारे में जो जानकारी दी है, वह पूरी तरह से गलत है। आपको गुमराह किया जा रहा है। बता दें मीर यार बलोच की तरफ से ट्रंप के नाम यह खत ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रंप ने भारत पर दवाब बनाने की रणनीति के चलते पाकिस्तान के साथ तेल को लेकर व्यापारिक समझौता किया है। ट्रंप का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ मिलकर उसके क्षेत्र में तेल की खोज करेंगे। दोनों देशों की खोज का मुख्य क्षेत्र बलूचिस्तान वाला जमीनी हिस्सा और समुद्री सीमा में ही होगा। ऐसे में बलूच नेताओं की चिंता जायज है। बलूच नेताओं की चेतावनी को हल्के में इसलिए भी नहीं लिया जा सकता क्योंकि इस क्षेत्र में चीन की मौजूदगी का वह बहुत लंबे समय से मुकाबला कर रहे हैं। इस मुकाबले में चीन और पाकिस्तान दोनों के काफी संसाधन खर्च हुए हैं और लोगों की जान गई है। ये जमीन बलूचिस्तान गणराज्य मीर यार ने पाकिस्तान के सैन्य प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरा यह क्षेत्र पाकिस्तान की असली जमीन यानी पंजाब में नहीं आता है। बल्कि बलूचिस्तान गणराज्य का हिस्सा है, जो कि पाकिस्तान के कब्जे में है। उन्होंने लिखा, तेल, प्राकृतिक गैस, तांबा, लिथियम, यूरेनियम और दुर्लभ मृदा खनिजों के ये भंडार पंजाब का हिस्सा नहीं है।

भूकंप ने दुनिया का ध्यान फिर से रिंग ऑफ फायर की ओर खींचा

लंदन। हाल ही रूस के कमचटका प्रायद्वीप के पास 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने पूरी दुनिया का ध्यान एक बार फिर से रिंग ऑफ फायर की ओर खींचा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, इसका केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की शहर से 136 किलोमीटर दूर स्थित था। इस शक्तिशाली भूकंप के तुरंत बाद जापान, अमेरिका के हवाई द्वीप और प्रशांत महासागर क्षेत्र में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई। हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कई तटीय इलाकों से लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कामचटका में समुद्र की लहरें 10 से 13 फीट तक ऊंची उठीं, जापान के होक्काइडो में 2.8 फीट और अलास्का के अल्यूशियन द्वीपों में 1.4 फीट ऊंची लहरें दर्ज की गईं। इस भूकंप के बाद 20 से अधिक देशों में सुनामी की आशंका जताई गई है और अफरा-तफरी का माहौल है। दरअसल, इन सभी देशों की एक खास भौगोलिक स्थिति है। ये रिंग ऑफ फायर नामक एक वलयाकार क्षेत्र में स्थित हैं, जो प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला हुआ है। रिंग ऑफ फायर, जिसे सर्कम-पैसिफिक बेल्ट भी कहा जाता है, दुनिया का सबसे सक्रिय भूकंपीय और ज्वालामुखीय क्षेत्र है। यह क्षेत्र कई बड़ी टेक्टोनिक प्लेट्स जैसे कि प्रशांत प्लेट, नाजका प्लेट, फिलीपींस प्लेट और भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट के बीच स्थित है। इन प्लेटों की सतत टकराहट की वजह से यहां बार-बार भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, दुनिया के 90प्रतिशत भूकंप और 75 प्रतिशत सक्रिय ज्वालामुखी इसी क्षेत्र में आते हैं। जापान का माउंट फुजी, इंडोनेशिया का क्रकटोआ, और अमेरिका का माउंट सेंट हेलेंस इसी क्षेत्र के हिस्से हैं। रिंग ऑफ फायर का आकार घोड़े की नाल जैसा है, जो दक्षिण अमेरिका के चिली से शुरू होकर पेरू, इक्वाडोर, कोस्टा रिका, मेक्सिको, अमेरिका, कनाडा, अलास्का, रूस, जापान, फिलीपींस, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया तक फैला है।

चीन से पाक सेना को मिला जेड -10 एमई 02 हेलीकॉप्टर...इतराने लगे असीम मुनीर

इस्लामाबाद,03 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि चीन ने जेड-10एमई-02 हेलीकॉप्टर की डिलीवरी दे दी है। पाकिस्तान आर्मी एविएशन कॉर्प्स (पीएए) ने आधिकारिक तौर पर जेड-10एमई-02 अटैक हेलीकॉप्टर को अपने बेड़े में शामिल करने की बात कही है। यानि अब पीएए ने आखिरकार दशकों बाद अपने पुराने बेल एएच-1एफ/एस कोबरा हेलीकॉप्टर को अपने बेड़े से हटाने और उनकी जगह चीनी हेलीकॉप्टर को शामिल करने में कामयाबी हासिल कर ली है। पीएए ने 2 अगस्त को मुल्तान आर्मी एविएशन बेस पर आयोजित समारोह में इन हेलीकॉप्टरों को औपचारिक रूप से अपने बेड़े में शामिल किया है।

पाकिस्तान आर्मी चीफ सैयद असीम मुनीर ने समारोह की अध्यक्षता की औरजेड-10एमई-02 हेलीकॉप्टर का लाइव प्रदर्शन देखा। हेलीकॉप्टर को चीन की चांगहे एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन (सीएआईसी) ने डेवलप किया है। जेड-10 एमई-02 एक डबल इंजन वाला हेलीकॉप्टर है, जो कथित तौर पर 7.2 टन वजनी प्लेटफार्म है, जिसकी लंबाई 14.2 मीटर है और पेलोड क्षमता 1500 किलो है। ये वहीं हेलीकॉप्टर है, जिसे 2021 में चीन ने अपने तीन जेड-10 हेलीकॉप्टर गनशिप पाकिस्तान में परीक्षण के लिए भेजे थे, लेकिन ये तीनों हेलीकॉप्टर प्रदर्शन करने में नाकाम हुए थे और पाकिस्तान के अधिकारियों ने उन्हें खारिज कर वापस भेज दिया था। लेकिन अब पाकिस्तान ने इन्हीं हेलीकॉप्टर्स का स्वागत किया है, जिससे समझा जा सकता है कि पाकिस्तान सरकार ने चीनी दवाब की वजह से ये हेलीकॉप्टर खरीदे हैं।

चीन का दावा है कि जेड-10एमई-02 हेलिकॉप्टर, एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल, लेजर-गाइडेड रॉकेट, एयर-टू-एयर मिसाइल और मिनिएचर क्रूज मिसाइल जैसे सीएम-501एक्स से लैस हो सकता है। जब ये सौदा हुआ था उस वक्त चीन और पाकिस्तान ने कहा था कि पाकिस्तानी वायुसेना की जरूरतों के मुताबिक डिजाइन किया जा रहा है। जेड-10एमई-02 में इंजन इनटेक फिल्टरेशन सिस्टम, सिरेमिक आर्मर प्लेटिंग, अपग्रेडेड इंजन और एडवांस डिफेंसिव एड सूट लगाया गया है। इसके अलावा इसमें रडार वार्निंग, लेजर वार्निंग, मिसाइल अलर्ट सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग जैसी क्षमताएं हैं, जिससे इसे दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम से खुद को बचाने में मदद मिलेगा।

जेड-10एमई-02, चीन के हथियार बेड़े में मौजूद सबसे एडवांस हेलीकॉप्टर है। चीन के पास इससे ज्यादा एडवांस कोई हेलीकॉप्टर नहीं है। भारत के पास इस काउंटर करने के लिए स्वदेशी एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर है।

दुनिया की सबसे छोटी फ्लाइट: सिर्फ 47 सेकंड की उड़ान, टिकट 4200 रुपये

अगर आप सोचते हैं कि फ्लाइट का मतलब घंटों का सफर और लंबी इन-फ्लाइट सर्विस होती है, तो स्कॉटलैंड की ये फ्लाइट आपकी सोच बदल देगी। दुनिया की सबसे छोटी व्यावसायिक उड़ान स्कॉटलैंड के ओर्कनी द्वीप समूह में वेस्ट्रे और पापा वेस्ट्रे के बीच चलती है, जिसकी कुल दूरी सिर्फ 2.7 किलोमीटर है। अच्छी हवाओं के साथ यह उड़ान सिर्फ 47 सेकंड में पूरी हो जाती है, जबकि इसका आधिकारिक समय मात्र दो मिनट है। इस फ्लाइट की खास बात यह है कि इसमें चढ़ने और उतरने में इतना कम समय लगता है कि यात्रियों को फ्लाइट का अनुभव ही नहीं हो पाता। न इन-फ्लाइट सर्विस है और न ही कोई बड़ी प्रक्रिया। फिर भी इस छोटी सी यात्रा का एक तरफ का किराया करीब 4200 रुपये है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रूट का उपयोग मुख्य रूप से स्थानीय लोग करते हैं। लगभग 30 फीसदी यात्री ओर्कनी आइलैंड काउंसिल की शिक्षा सेवा से जुड़े होते हैं, जिनमें शिक्षक और छात्र शामिल हैं। इसके अलावा, स्कॉटिश नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) से जुड़े स्वास्थ्यकर्मी और मरीज भी इस फ्लाइट का इस्तेमाल करते हैं। यह उनके लिए तेज और सुविधाजनक परिवहन का साधन है। पापा वेस्ट्रे की विशेषताएं पापा वेस्ट्रे आइलैंड पर 70 से अधिक लोग रहते हैं। यह द्वीप 60 से अधिक पुरातात्विक स्थलों का घर भी है, जिससे यह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से काफी समृद्ध है। इस उड़ान का संचालन लॉगनेयर एयरलाइन करती है, जो 1960 के दशक से इस रूट पर सेवा दे रही है। 2011 में एयरलाइन ने पर्यटकों के लिए भी एक विशेष सेवा शुरू की थी, जो गर्मियों में सप्ताह में कुछ दिन चलती है। इसे विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए शुरू किया गया था जो इस अनोखी उड़ान का अनुभव लेना चाहते हैं। जहां दुनिया तेज रफ्तार लंबी दूरी की फ्लाइट्स की ओर बढ़ रही है, वहीं स्कॉटलैंड की यह अनोखी सेवा दिखाती है कि कभी-कभी छोटी उड़ानें भी जीवन का अहम हिस्सा बन सकती हैं।

भारत ने नेपाल में चावल की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन मजबूत करने के लिए परियोजना शुरू की

काठमांडू,03 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत नेपाल में चावल की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को मजबूत करने के लिए एक परियोजना शुरू की है। नेपाल में यह परियोजना 12 महीनों के भीतर तीन चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में आवश्यकताओं का मूल्यांकन और हितधारकों की भागीदारी शामिल होगी। दूसरे चरण में नेपाली अधिकारियों के लिए भारत की अध्ययन यात्रा, व्यावहारिक प्रदर्शन और विशेषज्ञ ब्रीफिंग की पेशकश शामिल होगी। अंतिम चरण में कार्य योजना तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

काठमांडू में भारतीय दूतावास ने एक बयान में बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के साथ ज्ञान के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाकर नेपाल की मजबूत चावल आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करना है। यह पहल प्रभावी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग को भी बढ़ावा देगी। दूतावास ने कहा कि परियोजना के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में लाभार्थी प्रबंधन, भंडारण, वितरण मॉडल, निगरानी, मूल्यांकन प्रणाली और शिकायत निवारण तंत्र शामिल हैं।

यह पहल भारतीय विदेश मंत्रालय ने 01 अगस्त को नई दिल्ली में शुरू की थी। इसकी घोषणा पहली बार सितंबर, 2023 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के दौरान की गई थी। इस परियोजना के तहत प्रशिक्षण भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड नशे की तरह ले रहे अपनी गिरफ्त में

लंदन,03 अगस्त (एजेंसियां) ।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स धीरे-धीरे लोगों को नशे की तरह अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। ताजा अध्ययन में 36 देशों की करीब 300 रिसर्च का विश्लेषण किया गया, जिससे पता चला कि ये प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ दिमाग पर वैसा ही प्रभाव डालते हैं जैसा शराब या कोकीन जैसी ड्रग्स डालती हैं। शोध की मुख्य लेखिका एशले गियरहार्ट ने बताया कि किसी को सेब या दाल-चावल की लत नहीं लगती, लेकिन अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे हमारे दिमाग को तेज़ी से उत्तेजित करें और बार-बार खाने की इच्छा पैदा करें। यह प्रक्रिया उस हिस्से को एक्टिव करती है जो हमें खुशी या इनाम का अनुभव कराता है, यही कारण है कि लोग जानबूझकर भी इनसे दूरी नहीं बना पाते। न्यूरोइमेजिंग, यानी दिमाग की स्कैनिंग, से भी पुष्टि हुई कि जो लोग इन चीज़ों का अत्यधिक सेवन करते हैं, उनके दिमाग में वही बदलाव दिखते हैं जैसे किसी नशे की लत वाले व्यक्ति में होते हैं। इससे यह साफ होता है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड दिमागी और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि कुछ दवाएं जो इन फूड्स की तलब को कम करती हैं, वही दवाएं नशे की लत के इलाज में भी असरदार पाई गई हैं। यह दर्शाता है कि इन दोनों प्रकार की लतों की न्यूरोलॉजिकल प्रकृति समान है। इस शोध में शामिल दूसरी लेखिका एरिका ला. फाटा ने सवाल उठाया कि जब नाइट्रस ऑक्साइड और कैफीन जैसी चीजों को मानसिक विकारों की सूची में शामिल कर लिया गया है, तो प्रोसेस्ड फूड की लत को अब तक क्यों नज़रअंदाज़ किया गया है उनके अनुसार अब समय आ गया है कि इस विषय को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए जितनी अन्य नशों को दी जाती है। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य नीतियों में बदलाव लाकर इस लत को गंभीरता से पहचाना जाए। इसके लिए सरकारों, डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों को मिलकर काम करना चाहिए, साथ ही बच्चों के लिए इन खाद्य पदार्थों के विज्ञापन पर प्रतिबंध, चेतावनी लेबल और व्यापक जागरूकता अभियान चलाने जैसे कदम उठाए जाने चाहिए।

बिगड़े हालात- पंगु हुई अमेरिकी कंपनियां, बढ़ गई बेरोजगारों की तादात

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरे देशों पर टैरिफ लगाकर अमेरिका को महान बनाने चले हैं, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ता नजर आ रहा है। जुलाई में अमेरिका में केवल 73,000 नई नौकरियां ही जुड़ सकीं, जो उम्मीदों से कहीं कम है। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि मई और जून के आंकड़ों को भी संशोधित कर कुल 2.58 लाख नौकरियों की कटौती की गई है। यह स्थिति संकेत देती है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था गहरे संकट की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी श्रम बाजार के जुलाई 2025 के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि टैरिफ देश में गंभीर रोजगार संकट पैदा कर रहा है और इससे कंपनियां पंगु बन गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, मई में अनुमानित 1.44 लाख नई नौकरियों के आंकड़े को घटाकर केवल 19,000 कर दिया गया है, जबकि जून की 1.47 लाख नौकरियों को घटाकर मात्र 14,000 कर दिया गया। दोनों महीनों के आंकड़ों में कुल मिलाकर 2.58 लाख नौकरियों की गिरावट दर्ज की गई। केपीएमजी की प्रमुख अर्थशास्त्री डायन स्वोंक ने इस बदलाव को 'स्तब्ध करने वाला' करार दिया। उनका कहना है कि अमेरिका का श्रम बाजार अब ठहराव की स्थिति में पहुंच चुका है।

रोहित शर्मा ने स्टैंड से ही बल्लेबाजी करते रहने का संदेश दिया : यशस्वी

लंदन,03 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने यहां जारी पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच में पहुंचकर टीम का हौसला बढ़ाया। मैच के तीसरे दिन स्टैंड में रोहित को देखतेर अन्य प्रशंसक उत्साहित नजर आये। रोहित मैदान के बाहर से ही खिलाड़ियों की सहायता करते हुए दिखे। इस मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि रोहित ने स्टैंड में बैठे होने के बाद भी एक खास संदेश देकर उनकी सहायता की। यशस्वी ने इस मैच में अपने करियर का छठा शतक लगाया।

साथ ही कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी का पूरा आनंद लिया। साथ ही कहा कि रोहित ने उन्हें खेलते रहने का संदेश दिया था। यशस्वी ने मैच के बाद कहा, मैंने रोहित भाई को देखा और हाथ हिलाया। उन्होंने मुझे खेलते रहने का संदेश दिया। यशस्वी ने अपनी पारी और उसकी तैयारी को लेकर कहा, मुझे लगता है कि हम सभी के लिए आगे बढ़ाते रहना बहुत जरूरी है। यह हमारी यहां आखिरी पारी थी। मानसिक रूप से, मैं अपने को आगे बढ़ाते रहने और जितना हो सके उतना स्कोर करने के लिए तैयार था। उन्होंने तेज़ गेंदबाज़ों के लिए सहायम पिच को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी की।

इस क्रिकेटर ने कहा, पहली पारी में विकेट देखकर मैं सोच रहा था कि रन बनाने का सबसे अच्छा विकल्प क्या हो सकता है। मैं बस उसी तरह खेलने और सकारात्मक रहने का प्रयास कर रहा था। मेरा इरादा बहुत अच्छा था।

दक्षिण अफ्रीका की ही तरह हम भी पाकिस्तान को करारी हार देते : रैना

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में पाकिस्तान चैम्पियंस की करारी हार पर कहा कि अगर हम खेलते तो भी उन्हें इसी प्रकार हराते। भारतीय चैम्पियंस टीम ने डब्ल्यूसीएल में पाकिस्तान चैम्पियंस का बहिष्कार किया था। ऐसे में पाक टीम बिना खेले ही फाइनल में पहुंच गयी थी पर उसे खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस ने हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने शरजील खान के अर्धशतक से 195 रन बनाये। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम ने ये लक्ष्य 16.5 ओवर में ही एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। दक्षिा अफ्रीकी बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने इस मैच में शतक लगाते हुए 120 रनों की आक्रामक पारी खेली। पाकिस्तान की हार के बाद रैना ने सोशल मीडिया पर विलियर्स की पारी की जमकर प्रशंसा की और कहा कि अगर हम खेलते तो पाक को इसी तरह हराते। रैना ने सोशल मीडिया में लिखा, डी विलियर्स ने फाइनल में शानदार पारी खेलकर तहलका मचा दिया। अगर हम खेलते, तो हम भी इसी प्रकार हराते पर हमने अपने देश को सबसे ऊपर रखा। हर किसी ने हमारा समर्थन नहीं किया। यही असली चरित्र है।

न्यूज़ ब्रीफ

आकाश दीप को बल्लेबाजी कोच ने दी थी सलाह-डिफेंस मत करना, गेंद मिले तो मार देना

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मैच में अर्धशतक जड़ने वाले भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने शानदार बल्लेबाजी से सबका दिल जीता। उन्होंने तीसरे दिन शनिवार को करीब दो घंटे तक बल्लेबाजी की और 12 चौकों की मदद से 66 रन बनाए। आकाश की इस शानदार बल्लेबाजी के लिए कोच सितांशु कोटक से क्या सलाह मिली थी, इसका राज भी खुल गया है। आकाशदीप को लेकर बीसीसीआई ने रविवार को एक वीडियो जारी किया है, जिसमें भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बताया कि जब वो होटल में मुझे लिफ्ट में मिला तो मैंने कहा कि आकाश अगर तुझे गेंद पाले में मिले तो मार देना। डिफेंस नहीं करना, क्योंकि पिछली दो बार से तुम डिफेंस के चक्कर में आउट हो रहे हो। वीडियो में कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि हमने उसे केवल एक चीज बोली थी कि जो गेंद रडार में हो तो रन बनाने को देखना। गिल ने वीडियो के अंत में कहा कि उसके 66 रन हमारे शतक से कम नहीं है। वीडियो में आकाशदीप ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा कि अर्धशतक तो मेरे लिए महत्वपूर्ण है ही, लेकिन उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने दो घंटे सुबह के सेशन बल्लेबाजी की। आकाश ने कहा कि मेरा माइंडसेट ऐसा था कि मुझे आउट नहीं होना। चाहे गेंद मेरे शरीर पर लगे, मुझे बस खेलना है। रोमांचक मोड़ पर अंतिम टेस्टभारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा अंतिम टेस्ट मैच रोमांचक मोड़ पर है। भारत ने इंग्लैंड के सामने 374 रनों का विशाल लक्ष्य रखा है, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 01 विकेट पर 50 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड को अभी जीत के लिए 324 रन और चाहिए जबकि भारत को 9 विकेट की दरकार है। तीसरे दिन इंग्लैंड की दूसरी पारी में 13.5 ओवर का ही खेल हो सका। मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड को पहला झटका देते हुए जैक क्रॉली (14 रन) को चलता किया। बेन डकेट 48 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद हैं। पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 2–1 से आगे है।

3 सितंबर से शुरु होगा एशिया कप 2025, भारत-पाकिस्तान मुकाबला 14 सितंबर को होगा

लाहौर। भारत की मेजबानी में सितंबर में होने वाले एशिया कप 2025 का कार्यक्रम धोषित कर दिया गया है। एशिया कप के मुकाबले 3 सितंबर से शुरु होंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने कहा है कि 2025 एशिया कप की मेजबान भारत कर रहा है पर ये मुकाबले दुबई और अबू धाबी में खेल जाएंगे क्योंकि पाकिस्तान की टीम भारत नहीं जाएगी। यह टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम का पहला ग्रुप ए मैच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 10 सितंबर को दुबई में होगा। वहीं ग्रुप स्तर का अंतिम मैच ओमान के खिलाफ 19 सितंबर को अबू धाबी में होगा। एसीसी ने इस टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें एक सुपर फोर मैच 22 सितंबर को अबू धाबी में खेला जाएगा जबकि बाकी पांच सुपर फोर मैच और फाइनल 28 सितंबर को दुबई में खेले जाएंगे। वहीं ग्रुप चरण के बाद सुपर फोर के मैच खेले जाएंगे, जिसमें दूसरे दौर की शीर्ष दो टीमें फाइनल में उतरेंगी।

मार्केज की जगह कोच बने खालिद की पहली परीक्षा नेशंप कप फुटबॉल में होगी

नई दिल्ली। मनोलो मार्केज की जगह पर भारतीय फुटबॉल टीम के नये कोच बने पूर्व फुटबॉलर खालिद जमील की राह आसान नहीं है। उनकी पहली परीक्षा नेशंप कप फुटबॉल में होगी। जिसमें भारतीय फुटबॉल टीम के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। पिछले कुछ समय में कोई भी कोच टिक नहीं पाया है। मार्केज ने भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद अचानक ही अपना पद छोड़ दिया था। खालिद अभी इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर हैं। नये कोच के लिए सबसे बड़ी परीक्षा नेशंस कप है। जिसमें वह चाहेंगे कि टीम अच्छा प्रदर्शन करे। पिछले कुछ समय में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और लंबे समय तक किसी एक कोच के नहीं होने से भी टीम को नुकसान हुआ है। अब देखना है कि खालिद इस कमी को कैसे पूरा करते हैं। खालिद की साल 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई–लीग खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका रही भी।

डिविलियर्स के शतक से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने डब्ल्यूसीएल फाइनल में पाकिस्तान को हराया

एजबेस्टन,03 अगस्त (एजेंसियां)।

एबी डिविलियर्स के शतक से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) फाइनल में पाकिस्तान चैम्पियंस को हराकर खिताब जीत लिया है। पाकिस्तान चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज शार्जील खान के 44 गेंदों में 76 रन की पारी की सहायता से 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए डिविलियर्स ने 60 गेंदों में तेजी से 120 रन बनाये। इससे अफ्रीकी चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को 9 विकेट से हरा दिया।

डिविलियर्स ने अपनी पारी के दौरान 12 चौके और 7 छक्के लगाए। इससे दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने जीत के लिए मिले 196 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में ही एक विकेट पर हासिल कर लिया। डिविलियर्स ने हाशिम अमला 18 रन के साथ पहले विकेट के लिए 6 ओवर में 72 रन बनाये और दूसरे विकेट के लिए जेपी डुमिनी नाबाद 50 रन के साथ 125 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

डिविलियर्स के सामने पाक चैंपियंस के गेंदबाज बेबस नजर आये। डिविलियर्स ने इससे पहले इंग्लैंड चैंपियंस के खिलाफ 41 गेंदों में शतक लगाया था जबकि 27 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस के खिलाफ 39 गेंदों में शतक बनाया था। न्होंने फाइनल मैच में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ 47 गेंदों में 100 रन बना लिए। डिविलियर्स ने छह मैचों में कुल 431 रन बनाए और वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उन्हें इसी कारण फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी दिया गया।

युवा क्रिकेटर की जिम में दिल का दौरा पड़ने से मौत

कोलकाता। खिलाड़ियों की मौत के मामले बढ़ते जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के एक क्रिकेटर प्रियजीत घोष का जिम में कसरत के दौरान ही दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 22 साल के प्रियजीत की मौत से खेल जगत सदमें में है। बीरभूम जिले के बोलपुर निवासी प्रियजीत बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए प्रयास कर रहे थे। इस क्रिकेटर ने साल 2018–19 सत्र में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) द्वारा आयोजित अंतर–जिला अंडर–16 क्रिकेट टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाये थे। उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके लिए उन्हें उन्हें सीएबी ने सम्मानित भी किया गया था। प्रियजीत बोलपुर के मिशन कंपाउंड इलाके में स्थित एक जिम में फिटनेस का अभ्यास कर रहे थे। तभी वर्कआउट के दौरान पसीना बहाते हुए ही उनकी तबियत बिगड़ गयी जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया पर तब तक उनकी मौत हो गयी थी।

ओवल टेस्ट

खराब रोशनी के कारण चौथे दिन का खेल रुका, रोमांचक मोड़ पर पहुंचा मैच

लंदन, 03 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल में खेला जा रहा टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण चौथे दिन ही रोक दिया गया। इस समय इंग्लैंड जीत से केवल 35 रन दूर है, जबकि भारत को मैच जीतने के लिए 4 विकेट की जरूरत है।374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लिश टीम ने रविवार को दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट के नुकसान पर 339 रन बना लिए हैं। क्रीज पर जैमी स्मिथ 2 और जैमी ओवर्टन शून्य रन बनाकर नाबाद हैं। आज आउट होने वाले बल्लेबाजों में जो रूट (105 रन) और हैरी ब्रूक (111 रन) शामिल हैं।लंच से पहले, मोहम्मद सिराज ने ओली पोप (27 रन) और प्रसिद्ध कृष्णा ने बेन डकेट (54 रन) को पवेलियन भेजा। भारतीय गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा अब तक 3 और मोहम्मद सिराज 2 विकेट ले चुके हैं।इससे पहले, भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए थे। इंग्लैंड अपनी पहली पारी में 247 रन पर ऑलआउट हो गया था, जिससे उसे 23 रन की बढ़त मिली थी। भारत ने अपनी पहली पारी में 224 रन बनाए थे।टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि एक ही सीरीज में 9 बल्लेबाजों ने 400 से अधिक रन बनाए हैं। मौजूदा सीरीज में भारत के 5 और इंग्लैंड के 4 बल्लेबाजों ने यह उपलब्धि हासिल की है।यह टेस्ट इतिहास की दूसरी ऐसी सीरीज है, जिसमें कुल 7,000 से ज्यादा रन बने हैं। इससे पहले, 1993 की एशेज सीरीज में 6 मैचों में 7,221 रन बनाए गए थे।

सिंगापुर में मिश्रित 4 गुणा 100 मीटर रिले

सिंगापुर में मिश्रित 4 गुणा 100 मीटर रिले में भाग लेती हुई अमेरिकी टीम।

फीफा ने भारत में शुरू की प्रतिभाओं की खोज हैदराबाद में युवाओं के लिए अकादमी शुरू की

नई दिल्ली,03 अगस्त (एजेंसियां)।

फीफा (फुटबॉल की वैश्विक संचालक संस्था) ने भारत के उभरते हुए प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने के मकसद से शनिवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सहयोग से देश में युवाओं के लिए अपनी पहली प्रतिभा अकादमी की शुरुआत की। फीफा ने इस अकादमी के लिए एआईएफएफ और तेलंगाना सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। यह फुटबॉल के 'समावेशी और जमीनी स्तर के विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेगा'।

एआईएफएफ की एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह अकादमी यहां गाचीबावली स्टेडियम परिसर में स्थित होगी और 60 उत्कृष्ट खिलाड़ियों (अंडर 14 वर्ग के 30 लड़के और अंडर 16 वर्ग की 30 लड़कियां) को आवासीय सुविधाओं, शिक्षा, चिकित्सा देखभाल, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य के साथ साल भर उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण प्रदान करेगी, जिसमें प्रत्येक वर्ग में तेलंगाना के 10 खिलाड़ी शामिल होंगे। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने इस शुरुआत को भारत में इस खेल के लिए के लिए एक 'निर्णायक क्षण' करार दिया।

चौबे ने कहा, लड़कियों के लिए भारत की पहली और लड़कों के लिए दूसरी फीफा कौशल अकादमी का शुभारंभ, समान फुटबॉल विकास की दिशा में हमारी यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। तेलंगाना सरकार के साथ फीफा की वैश्विक प्रतिभा विकास योजना के तहत यह सहयोग, पूरे देश से युवा प्रतिभाओं (खासकर लड़कियों) को पहचानने, पोषित करने और सशक्त बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यह अकादमी देश को अंडर–17 पुरुष और महिला फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के सपने को साकार करने में मदद करेगी। एआईएफएफ फीफा के साथ समन्वय में संचालन, तकनीकी ढांचा, देश भर में प्रतिभा की खोज और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का नेतृत्व करेगा, जबकि तेलंगाना सरकार का खेल प्राधिकरण खिलाड़ियों के बुनियादी ढांचे, रसद, शिक्षा, वित्तीय और कल्याणकारी सहायता की देखरेख करेगी।

शैक्षिक योग्यता कम होने के कारण रिंकू सिंह की बीएसए पद पर नियुक्ति अटकी

लखनऊ,03 अगस्त (एजेंसियां)।

क्रिकेटर रिंकू सिंह की नौकरी का मामला फंस गया है। राज्य सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत बीएसए पद पर उनको नियुक्त करने की घोषणा की थी पर उनकी शैक्षिक योग्यता कम होने से इसमें परेशानी आ रही है। इस बारे में अधिकारियों का कहना है कि आगे जो भी निर्देश होंगे, उस आधार पर कदम उठाए जाएंगे। साथ ही कहा कि खेलों के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है और इस मामले में सभी जरुरी कदम उठाये जाएंगे। सरकार की योजना के तहत ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानजनक पुरस्कार राशि देने के साथ ही सरकारी नौकरी की सुविधा दी जा रही है। इसी के तहत ही जिन 11 खिलाड़ियों को विभिन्न विभागों में नौकरी का प्रस्ताव दिया गया था, जिसमें रिंकू सिंह को बेसिक शिक्षा अधिकारी का पद दिया गया था। रिंकू की नौकरी में सबसे बड़ी बाधा उनकी शैक्षिक योग्यता आड़े आ रही है। इस बारे में अधिकारियों का कहना है कि रिंकू की फाइल मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई थी पर पर्याप्त शैक्षिक योग्यता न होने से रोक दी गई है। रिंकू से उनकी शैक्षिक योग्यता के दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए पत्र भेजा गया था। जिसके बाद पूरी फाइल मुख्यमंत्री के पास भेजी गयी थी पर शैक्षिक योग्यता की कमी के चलते फाइल रोक दी गई है।

इस साल के अंत में भारत दौरे पर आयेंगे मेसी , सचिन और धोनी के साथ क्रिकेट खेलते दिखेंगे

कोलकाता। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनन मेसी इस साल के अंत में भारत दौर पर आयेंगे। मेसी 13 से 15 दिसंबर के बीच अपने तीन दिन के भारत दौरे पर कोलकाता, दिल्ली और मुंबई जाएंगे। मेसी का कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर सम्मान भी किया जाएगा। अपने भारत दौरे में वह मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी , विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ क्रिकेट भी खेलते दिखेंगे। इस मुकाबले में मेसी को फुटबॉल की जगह पर क्रिकेट खेलते हुए देखने का आनंद लोगों को मिलेगा। क्रिकेट और फुटबॉल दोनो के ही प्रशंसकों के लिए एक अलग अहसास होगा। मुम्बई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा है कि मेसी 14 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। संभावना है कि वह पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों के साथ एक क्रिकेट मैच भी खेलेंगे। साथ ही कहा कि आयोजक आने वाले समय में पूरा कार्यक्रम जारी करेंगे। मेसी इससे पहले साल 2011 में भारत आए थे। तब उन्होंने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ एक मैत्री मैच खेला था।

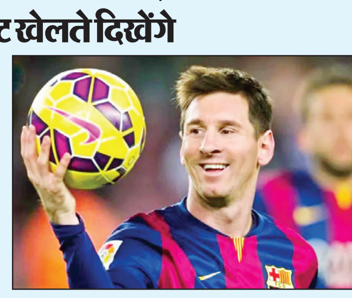

भारत में पहली बार 12 दिवसीय ड्रेपर फाउंडर्स प्रोग्राम का समापन डेमो डे के साथ हुआ

हैदराबाद, 3 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत में पहली बार आयोजित ड्रेपर फाउंडर्स प्रोग्राम का उद्घाटन संस्करण शुक्रवार की रात हैदराबाद के गच्चीबोली में ड्रेपर स्टार्टअप हाउस इंडिया के द्वारा आयोजित डेमो डे के साथ संपन्न हुआ। यह 12 दिन का आवासीय एक्सेलरेटर प्रोग्राम 14 उच्च क्षमता वाली स्टार्टअप्स के 16 संस्थापकों की पिच प्रस्तुतियों के साथ समाप्त हुआ।

इस समारोह का मुख्य आकर्षण था ड्रेपर हीरोज की घोषणा – रुषिकेश चावन, फिनस्टोन एआई के संस्थापक और आईआईटी हैदराबाद के छात्र, और शुभम शर्मा, जाल्ट्स के संस्थापक, जिन्होंने प्रत्येक को सैन फ्रांसिस्को में ड्रेपर यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित एक महीने के हीरो ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लेने के लिए 15,000 डॉलर की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

फिनस्टोन एआई एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित स्वचालित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है, जो बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। जाल्ट्स एक ब्लॉकचेन–आधारित फिनटेक वेंचर है, जो संस्थानों और सरकारों के लिए अगली पीढ़ी के वित्तीय उत्पाद बनाता है।

ये पुरस्कार टाई ग्लोबल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के चेयर मुरली बुक्कापट्टनम, रत्नाकर, विक्रांत वर्धने, अनिश एंथोनी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रदान किए गए।

इस अवसर पर मुरली बुक्कापट्टनम ने कहा, ड्रेपर स्टार्टअप हाउस ने टुटा हुआ हीरे खोज निकाले हैं। यहां मौजूद प्रत्येक संस्थापक महानता के कगार पर हैं। उन्होंने मेडिकल छात्रों और पेशेवरों के लिए करियर मार्गदर्शन और मेंटरशिप प्रदान करने वाले अनूठे प्लेटफॉर्म सलााह शॉट्स का भी विशेष उल्लेख किया।

यह कार्यक्रम भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसने नवोन्मेषी उद्यमियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान किया।

न्यूज ब्रीफ

जुलाई में बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स बेची

नई दिल्ली। जुलाई महीने में स्वदेशी कंपनी बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जिसमें टू-व्हीलर और कमर्शियल व्हीकल्स दोनों शामिल हैं। बजाज ऑटो ने जुलाई 2025 की अपनी बिक्री रिपोर्ट जारी कर दी है, जिसमें कंपनी को कुल 3प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, यह बढ़त पूरी तरह एक्सपोर्ट से आई है क्योंकि घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई। टू-व्हीलर सेगमेंट की बात करें तो कंपनी ने इस कैटेगरी में कुल 2.96 लाख यूनिट्स बेचीं, जो लगभग पिछले साल के बराबर है। हालांकि, घरेलू बाजार में बिक्री 18प्रतिशत घटकर 1.39 लाख यूनिट्स पर आ गई, जबकि एक्सपोर्ट में 22प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह संख्या 1.57 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि विदेशी बाजारों में कंपनी की पकड़ मजबूत होती जा रही है, जबकि घरेलू बिक्री दबाव में है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में कंपनी की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर रही। इस सेगमेंट में बजाज की कुल बिक्री 23प्रतिशत बढ़कर 69,753 यूनिट्स रही। घरेलू बाजार में बिक्री में 4प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई और कुल 43,864 यूनिट्स बिकीं। वहीं, निर्यात में जबरदस्त 79प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और 25,889 यूनिट्स एक्सपोर्ट की गईं। कंपनी की घरेलू कमर्शियल व्हीकल सेल्स में गिरावट जरूर रही, लेकिन निर्यात के अच्छे प्रदर्शन ने कुल आंकड़ों को सकारात्मक बनाए रखा। कुल मिलाकर, जुलाई 2025 में बजाज ऑटो की बिक्री में हल्की बढ़त देखने को मिली।

होंडा की सीबी125 हॉर्नेट की कीमत 1.12 लाख से शुरू

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी नई बाइक 125सीसी स्पोर्टी कम्यूटर बाइक सीबी125 हॉर्नेट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.12 लाख रुपये रखी गई है। सीबी125 हॉर्नेट में वही 123.94सीसी का एयर-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर इंजन है, जो एसपी 125 और शाइन 125 में मिलता है। हालांकि, इसे 11.1एचपी की पावर और 11.2एनएम टॉर्क देने के लिए बेहतर तरीके से ट्यून किया गया है। यह इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। इस बाइक की सबसे खास बात इसका गोल्डन यूएसडी फोर्क है, जो 125सीसी सेगमेंट में पहली बार देखने को मिला है। इसके अलावा इसमें प्रीलोड-एडजस्टेबल मोनोशॉक सस्पेंशन, फ्रंट डिस्क ब्रेक (240एमएम), सिंगल चैनल एबीएस और रियर ड्रम ब्रेक मिलते हैं। बाइक का कुल वजन 124 किलोग्राम है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे हल्की बाइकों में से एक बनाता है, हालांकि यह एसपी125 और शाइन 125 से भारी है। बाइक में पूरी तरह एलईडी लाइटिंग दी गई है, जिसमें एक खास डिजाइन वाली एलईडी हेडलाइट शामिल है।

यह बाइक रेड, येलो, ब्लू और ब्लैक कलर ऑप्शन के साथ आएगी। इसका मुकाबला टीवीएस रेडर 125, हीरो एक्सट्रीम 125आर और बजाज पल्सर एन 125 से होगा। सीबी125 हॉर्नेट में 4.2 इंच का टीएफटी डिस्प्ले है, जो ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ आता है।

केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स ने शुरू की अत्याधुनिक वेस्टिबुलर लैब

इंदौर। इंदौर के केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स ने मध्य भारत की सबसे आधुनिक वेस्टिबुलर लैब लॉन्च की है, जो चक्कर, असंतुलन और भ्रम जैसी समस्याओं का सटीक निदान और इलाज करेगी। यह लैब न्यूरोइक्विलिब्रियम के सहयोग से स्थापित की गई है, जो विश्व की सबसे बड़ी वर्टिगो क्लीनिक श्रृंखला है। वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आशीष बागड़ी ने बताया कि लोग अक्सर इन समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो जाती है। यह नई लैब अत्याधुनिक तकनीकों, जैसे का उपयोग करके संतुलन प्रणाली की गड़बड़ियों का गहराई से पता लगाएगी। इससे हर मरीज के लिए एक विशिष्ट और प्रभावी इलाज योजना तैयार की जा सकेगी।

भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट बढ़ाया दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की कोशिश

यह वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा

नई दिल्ली,03 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया के देशों पर अमेरिकी प्रोडक्ट पर लगने वाले टैक्स को कम करने का दबाव डाल रहे हैं। साथ ही अमेरिकी उत्पादों के आयात को बढ़ाने की बात कह रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही ट्रंप ने भारत के प्रोडक्ट पर 25 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इन सब के बीच भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट को काफी बढ़ा दिया है। इस कदम को दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की स्थिति बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप के जनवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद भारत ने अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेजी से इज़ाफा किया है। जनवरी से जून 2025 में भारत ने अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 51 फीसदी बढ़ाया है, जो दोनों देशों के बीच उभरती ऊर्जा साझेदारी को दर्शाता है। सूत्रों की मानें तो यह बढ़त फरवरी 2025 में वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा है। इस समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी ऊर्जा आयात को 15 अरब डॉलर से बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करने की बात कही थी, साथ ही दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 200 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत का अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 114 फीसदी बढ़कर 3.7 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.73 अरब डॉलर था। जुलाई 2025 में यह रफ्तार और बढ़ी जब अमेरिका से कच्चे तेल का आयात जून की तुलना में 23 फीसदी ज्यादा रहा। इससे अमेरिका का हिस्सा भारत के कुल कच्चे तेल आयात में 3 फीसदी से बढ़कर 8 फीसदी हो गया है।

भारत ने अमेरिका से तरल प्राकृतिक गैस के आयात को भी बढ़ाया है। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में एलएनजी आयात 1.41 अरब डॉलर से बढ़कर 2.46 अरब डॉलर हो गया। आईसीआरए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के मुताबिक अमेरिकी एलएनजी की कीमत हेनरी हब बेंचमार्क पर आधारित होने के कारण अन्य स्त्रोतों की तुलना में ज्यादा कॉम्पिटिटिव है। साथ ही अमेरिका में कई नए एलएनजी प्रोजेक्ट शुरू हो रहे हैं, जिससे भारतीय कंपनियां लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट के लिए अमेरिका की ओर रुख कर रही हैं।

ट्रंप प्रशासन ने सत्ता संभालते ही एलएनजी निर्यात लाइसेंस पर बाइडेन सरकार द्वारा लगाई गई रोक को हटा दिया था। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन का अनुमान है कि 2028 तक अमेरिका की एलएनजी निर्यात क्षमता दोगुनी हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का अनुमान है कि 2030 तक भारत वैश्विक तेल मांग वृद्धि का सबसे बड़ा ड्राइवर बन जाएगा और एलएनजी की मांग 78 फीसदी बढ़कर 64 अरब घन मीटर सालाना हो जाएगी। ऐसे में भारत की अमेरिकी ऊर्जा की ओर बढ़ती निर्भरता रणनीतिक दृष्टि से अहम है।

बता दें रूस भारत का सबसे बड़ा एनर्जी एक्सपोर्टर है। हाल के दिनों में भारत ने रूस से पेट्रोलियम प्रोडक्ट की खरीद को काफी बढ़ाया था, लेकिन बदले हालात में जब भारत अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट को बढ़ा रहा है तो इसका सबसे ज्यादा असर रूस पर पड़ सकता है। भारत का रूस से जारी तेल आयात अमेरिका के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर दबाव बढ़ाया है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए मॉस्को के साथ अपनी ऊर्जा साझेदारी पर पुनर्विचार करे। ट्रंप और उनके मंत्रियों की ओर से भारत-रूस एनर्जी ट्रेड पर खुले तौर पर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं।

मल्टीबैगर स्टॉक पांच हिस्सों में करेगी शेयरों का बंटवारा

नई दिल्ली,03 अगस्त (एजेंसियां)।

पिछले एक साल के दौरान कुछ कंपनियों ने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया। उसमें मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड भी एक है। अब इस मल्टीबैगर स्टॉक के शेयरों का बंटवारा करने जा रही है। एमसीएक्स ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को पांच हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपए प्रति शेयर हो जाएगी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड के शेयर इस महीने एक्स-डिविडेंड भी ट्रेड करेंगे। कंपनी ने कहा है कि 10 रुपए के फेस वैल्यू

10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड

वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए एमसीएक्स ने 8 अगस्त की तारीख तय की है। बीते 3 महीने के दौरान इस डिविडेंड स्टॉक की कीमतों में 23 फीसदी का उछाल आया। वहीं, 1 साल से एमसीएक्स के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों का पोर्टफोलियो 73 फीसदी बढ़ा है।

बता दें शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर इस मल्टीबैगर स्टॉक का भाव 1.31 फीसदी की गिरावट के बाद 7594.35 रुपए था। बता दें बीते एक महीने के दौरान इस स्टॉक में मुनाफावसूली जमकर देखने को मिली है। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 16 फीसदी गिरा है। 2 साल में एमसीएक्स के शेयरों की कीमतों में 364 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। वहीं पांच साल में कंपनी के शेयरों का भाव 347 फीसदी बढ़ा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तमिलनाडु की चुनावी ...

चिदंबरम का बयान और कांग्रेस की नीति तब और हास्यास्पद हो जाती है, जब राहुल गांधी की सामने आती है। राहुल गांधी दिल्ली के स्थाई निवासी हैं, लेकिन वे केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ चुके हैं। अगर राहुल गांधी दिल्ली में रहकर दूसरे राज्यों में वोटर बन सकते हैं और चुनाव लड़ सकते हैं, तो बिहारी मजदूर तमिलनाडु में वोटर क्यों नहीं बन सकते? क्या नियम सिर्फ बिहारियों के लिए अलग हैं? भारत का कानून साफ कहता है कि कोई भी नागरिक, जो किसी जगह पर सामान्य रूप से रहता है, वहां वोटर बन सकता है। इसके लिए फॉर्म 6 भरना होता है, जिसमें निवास स्थान बदलने की अर्जी दी जाती है। और ये जरूरी नहीं कि आपके पास अपना मकान हो। किराए के घर में रहने वाला भी वोटर बन सकता है।

बिहार की...

यानि यहां 100 लोगों की आबादी पर 126 आधार कार्ड जारी किए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के हिसाब से देखें तो किशनगंज की आबादी 20,26,541 है लेकिन वहां 21,31,172 आधार कार्ड बनाए जा चुके हैं। मतलब यहां आबादी से 1 लाख से भी ज्यादा आधार कार्ड बनाए गए।

जाहिर है कि ये आंकड़े बताते हैं कि या तो फर्जी आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं या अवैध घुसपैठियों को आधार कार्ड जारी किए गए हैं। किशनगंज की सीमा नेपाल से लगी हुई है और जिस सीमांचल क्षेत्र में यह स्थित है उसमें लंबे समय से अवैध घुसपैठ की समस्या रही है। पश्चिम बंगाल की सीमा पर बसा किशनगंज देश की आजादी के वक्त हिंदू बहुल जिला हुआ करता था लेकिन आजादी के बाद के दशकों में यहां की डेमोग्राफी तेजी से बदली है। किशनगंज में मौजूदा वक्त में मुस्लिम की आबाद करीब 70 प्रतिशत है, इसमें बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या अधिक है। किशनगंज से बांग्लादेश की दूरी भी बहुत ज्यादा नहीं है। बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता से बेदखली के बाद अवैध घुसपैठ में तेजी आ गई है। जुलाई महीने में ही किशनगंज में अलग-अलग जगहों पर 4 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया। ये लोग अवैध घुसपैठ कर यहां पहुंचे और लोगों के घरों में काम कर यहीं स्थाई तौर पर बसने का प्लान बना रहे थे। यहां बसने के लिए बांग्लादेशी अपना नाम तक बदल लेते हैं और फर्जी कागजात बनवाते हैं। एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान भी किशनगंज में ऐसे बहुत लोग मिले जो नेपाल, बांग्लादेश या म्यांमार से यहां आए थे और अब इन लोगों ने यहीं पर आधार कार्ड और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज बनवा लिए हैं।

इस तरफ भी ध्यान देते चलें कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया था कि चुनावी राज्य बिहार में प्रकाशित संशोधित मसौदा मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। हालांकि, चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से तेजस्वी का विवरण साझा करके इस आरोप का तुरंत खंडन कर दिया। लेकिन इसी खोजबीन में तेजस्वी यादव के दो-दो वोटर कार्ड सामने आ गए। तेजस्वी ने खुद ही अपने पैर पर कुल्हाड़ी चलाई। तेजस्वी यादव ने बताया कि ईपीआईसी नंबर (आरएबी-2916120) और चुनाव आयोग की ओर से जारी ईपीआईसी नंबर (आरएबी-0456228) दोनों अलग-अलग हैं। इसके बाद ही यह भेद खुला कि तेजस्वी यादव के नाम के दो वोटर कार्ड हैं। चुनाव आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी गहराई से जांच शुरू कर दी है।

दिलचस्प यह है कि तेजस्वी यादव ने 2020 के विधानसभा चुनाव में नामांकन के लिए जो हलफनामा भरा था, उसमें उन्होंने ईपीआईसी नंबर आरएबी-0456228 का इस्तेमाल किया था। वही ईपीआईसी नंबर 2015 की मतदाता सूची में भी मौजूद था और हाल ही में जारी की गई मसौदा सूची में भी उनका नाम इसी नंबर के साथ है। फिर तेजस्वी यादव एक अलग ईपीआईसी नंबर (आरएबी-2916120) का हवाला कैसे और क्यों दे रहे हैं? इसकी छानबीन की जा रही है।तेजस्वी यादव के दो-दो वोटर आईडी प्रकरण पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, तेजस्वी यादव के पास दो मतदाता पहचान पत्र थे तो क्या उनके पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं? सर्वोच्च नेता के पास 2 ईपीआईसी नंबर हैं, तो कार्यकर्ताओं का हाल क्या होगा? क्या इसीलिए वे एसआईआर से डरते हैं? कांग्रेस और राजद के नेता और उनके कार्यकर्ता, जो बूथ कैप्चरिंग और गुंडागर्दी के दम पर जीतने के आदी थे, उनका पूरा खेल उजागर हो गया है।

संबित पात्रा ने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस और राजद चुनाव आयोग पर तीखा हमला कर रहे हैं, वह भारत को बदनाम करने की एक साजिश है। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची के बारे में मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने रोते हुए कहा कि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो क्या वह बिहार चुनाव में हिस्सा ले सकेंगे? इसके बाद, चुनाव आयोग और पटना डीएम ने सच्चाई उजागर की। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का नाम और मतदाता पहचान पत्र संख्या मौजूद है, और एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची से उनका नाम नहीं काटा गया है। चुनाव आयोग ने आगे कहा कि मतदाता सूची में क्रमांक 416 पर जिस मतदाता पहचान पत्र संख्या से उनका नाम प्रकाशित हुआ था, वह वही है जो उन्होंने 2020 के चुनावों के दौरान अपने नामांकन पत्र में लिखा था। इसका मतलब है कि उसके पास दो ईपीआईसी नंबर थे। क्या उसके पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं?

मतदाता सूची ...

के लिए की जा रही है। वहीं, निर्वाचन आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया देशभर में लागू की जाएगी ताकि केवल योग्य मतदाता ही वोट डाल सकें और मतदाता सूची की विश्वसनीयता बनी रहे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे 'वोट चोरी' करार दिया है। ईसी ने शनिवार को उनके आरोपों को बेबुनियाद, बिना सबूत और भ्रामक बताया।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि एसआईआर चुनाव आयोग का प्रशासनिक कार्य है और संविधान के मुताबिक, संसद को ईसी की कार्यप्रणाली पर चर्चा करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ का हवाला देते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर संसद में बहस नहीं हो सकती। रिजिजू ने कहा, अगर संसद में चर्चा होती है तो आमतौर पर संबंधित मंत्री जवाब देते हैं। लेकिन ईसी एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है, उसका कोई मंत्री नहीं होता।

इस बीच, लोकसभा में राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक लाया गया है, जिसका उद्देश्य देश में खेल संगठनों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। इसके अलावा राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक भी सूचीबद्ध है, जो खेलों में डोपिंग रोकने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। राज्यसभा में भी सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह की ओर से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से अगले 6 महीनों तक बढ़ाने का प्रस्ताव चर्चा के लिए रखा गया है। 21 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र में अब तक संसद की कार्यवाही लगभग ठप रही है। केवल पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर ही दोनों सदनों में दो दिन तक चर्चा हो सकी। सरकार के एक वरिष्ठ सूत्र के मुताबिक, अगर विपक्ष का विरोध जारी रहता है तो सरकार हंगामे के बीच ही विधेयकों को पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

फिर सतह पर...

बोला और आरोप लगाया कि उन्होंने नालगोंडा जिले में पार्टी को नुकसान पहुंचाया और उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, क्या केसीआर के बिना बीआरएस में किसी नेता की पहचाना है? केसीआर ने ही हम सबको जनता से मिलवाया।

बीआरएस में अंदरूनी विवाद मई महीने में भी उस समय सामने आया था, जब कविता ने अपने पिता और पार्टी प्रमुख को लिखे गए एक निजी पत्र के लीक होने पर नाराजगी जताई थी। उस समय उन्होंने कहा था कि पार्टी में षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। उन्होंने केसीआर को चौतरफा राक्षसों से घिरा भगवान बताया था।

कर्नल पुरोहित...

अदालत के फैसले के बाद वह एक निर्दोष व्यक्ति के रूप में अपने घर लौट रहे हैं। इसलिए हमें उनका स्वागत करना चाहिए। हमने यहां सभी व्यवस्थाएं की हैं। एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने 31 जुलाई 2025 को साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सातों आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत पेश नहीं कर सका। मालेगांव ब्लास्ट मामले में शुरुआत में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से सात पर ही आरोप तय हुए और मुकदमा चला। बाकी सात को पहले ही रिहा कर दिया गया था।

29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में एक मस्जिद के पास खड़ी मोटरसाइकिल में विस्फोट हुआ था। धमाके में छह लोगों की मौत हुई थी और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस मामले में आरोपियों पर यूएपीए, आईपीसी की धारा 302 और आपराधिक साजिश के तहत केस दर्ज किया गया था।

मंत्री के खिलाफ...

अदालत ने सबूत के तौर पर मंत्री के विवादित बयान का वीडियो भी स्वीकार कर लिया, जो एक पेन ड्राइव में है।इससे पहले केटीआर ने कोंडा सुरेखा को नोटिस भेजकर उनके बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की थी।

सोमवार को अधि योग में भगवान शिव सिंह, तुला धनु और मीन राशि पर होंगे मेहरबान

आज 4 अगस्त, सोमवार के दिन चंद्रमा से अष्टम में शुक्र और गुरु ग्रह रहेंगे। वहीं, चंद्रमा का गोचर वृश्चिक राशि में होगा जिससे अधि योग बन रहा है। इस उत्तम योग में भगवान शिव सिंह, तुला, धनु और मीन राशि पर मेहरबान रहने वाले हैं। इन्हें पूरे दिन में सफलता के कई अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा और नौकरी करने वालों को विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। कारोबार से जुड़ा कोई सकारात्मक समाचार सुनने को मिलेगा और आर्थिक मामलों में लाभ कमाने के भी अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं और व्यापार में नए संपर्क बनाने से लाभ कमाएंगे।

मेष : समझदारी से संभालने होंगे कार्य

कार्यक्षेत्र में आपको अपने छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए उन लोगों की सहायता की जरूरत पड़ सकती है, जो आपके विरोध में खड़े रहते हैं। लेकिन अगर आप समझदारी और चतुराई से योजना बनाकर हर काम करते हैं तो कठिन से कठिन परिस्थिति को संभाल सकते हैं। साथ ही, कार्यों में सफलता भी प्राप्त करेंगे। व्यापार में भी लाभ कमाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगा। परिवार के मामले में दिन सामान्य रहेगा।

वृषभ : कार्यक्षेत्र में मुश्किलों का करेंगे सामना

आपको कार्यक्षेत्र में कुछ मुश्किलों और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर एक साथ कई काम करने पड़ सकते हैं। इसी के चलते आपको प्रेशर भी महसूस होगा। समय के अनुसार चलने से आपको कई बातें समझ आ सकती हैं। व्यापार के मामले में आपको रिस्क लेने के लिए तैयार रहना पड़ सकता है। ऐसे में आप खुद को अकेला भी महसूस कर सकते हैं।

मिथुन : मिलाजुला रहेगा दिन

आपका दिन मिलाजुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में कामकाज सही गति से चलेगा और आपके ऊपर से काम का प्रेशर भी थोड़ा कम होगा। ऐसे में अपने निजी जीवन पर लंबे समय बाद आपको सोच-विचार करने का मौका मिलेगा। आने वाले कुछ मौकों को ध्यान में रखते हुए आपको अपने वस्त्र का ख्याल भी रखना होगा। परिवार में माहौल सामान्य बना रहेगा।

कर्क : कारोबार आगे बढ़ाने के लिए बनाएं नए संपर्क

आपको कार्यक्षेत्र में एक साथ कई सारे काम करने पड़ सकते हैं। इसी के चलते आप ज्यादा व्यस्त रहेंगे और भागदौड़ में लगे रहेंगे। व्यापार के मामले में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिसकी तैयारी करना भी जरूरी होगा। वहीं, अपने कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए आपको नए संपर्क बनाने होंगे और लोगों से मुलाकात करनी होगी।

सिंह : व्यापार में होगी तरक्की

व्यापार के मामले में आपका दिन भागदौड़ भरा रह सकता है और एक साथ कई काम पूरे करने पड़ सकते हैं। व्यापार में सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर आगे बढ़ने से आपको लाभ प्राप्त होगा। इससे आपका कामकाज अच्छा चलेगा। इसके अलावा, लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा। कुछ मामलों में आपको भाग्य का साथ भी मिल सकता है। जिससे आपको व्यापार में तरक्की मिल सकती है। नौकरी करने वालों को भी कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

कन्या : आर्थिक मामलों में न करें जल्दबाजी

व्यापार के मामले में आपका दिन ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला है। आपको कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा। आर्थिक मामलों में भी जल्दबाजी दिखाने से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। आप अपने लव लाइफ पर आज ज्यादा ध्यान दे सकते हैं। परिवार के मामले में आपके प्रियजन किसी बात को लेकर आपसे नाराज हो सकते हैं।

तुला : व्यापार में नई योजनाओं से होगा लाभ

कार्यक्षेत्र में काम धंधा सामान्य गति से चलेगा। लेकिन आपको कोई भी जोखिम भरा कार्य करने या निर्णय लेने से बचना होगा। नौकरी करने वालों को आज किसी काम में सफलता मिल सकती है। व्यापार में नई योजनाओं को आगे बढ़ाने से आपको लाभ हो सकता है और आय में भी वृद्धि हो सकती है। हालांकि, आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना होगा।

वृश्चिक : जीवन में आएंगे बदलाव

आपको जीवन में कुछ बदलावों का सामना करना पड़ सकता है और कई उतार-चढ़ाव का अनुभव भी करेंगे। व्यापार के मामले में आपको संतुलन बनाए रखना होगा, अन्यथा हानि हो सकती है। कार्यस्थल पर आपको कुछ विरोधियों का सामना भी करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान दें और परिवार में कटु वाणी के प्रयोग से बचें। ऐसा न करने से विपरीत स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

धनु : धन लाभ होने के बन रहे योग

दिन अच्छा रहने वाला है और आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल होगा। आपको कहीं से धन लाभ हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वाले लोग अपने काम में व्यस्त रहेंगे और अपनी कमाई से कुछ चीजें खरीदने से आपको खुशी महसूस होगी। पारिवारिक जीवन में खुशहाली बनाए रखने के लिए आपको मेहनत करनी होगी और लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ते मधुर रखें।

मकर : नौकरी में मिलेगी कोई खास उपलब्धि

आप अपने करियर के बारे में गहराई से सोच सकते हैं और कारोबार को आगे बढ़ाने की योजनाएं भी बनाई जा सकती हैं। नौकरी करने वालों को किसी अच्छे काम का पुरस्कार प्राप्त हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। घर का माहौल शांत और खुशहाल बना रहेगा। आप अपने वैवाहिक और पारिवारिक जीवन पर भी ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

कुंभ : वाद-विवाद से रहें दूर

कार्यक्षेत्र में विवाद उत्पन्न होने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में आपको शांति और संयम बनाए रखना होगा। क्रोध करने से स्थिति बिगड़ सकती है। कार्यस्थल पर आप योजना बनाकर चलने से सभी कार्यों को समय पर पूरा कर सकते हैं। साथ ही, कोई नई डील भी प्राप्त हो सकती है। परिवार में चल रही समस्याओं को शांति बैठकर सुलझाना होगा।

मीन : मान-सम्मान में होगी वृद्धि

कार्यक्षेत्र में आपका दिन शुभ रहेगा और आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। अगर आप कार्यस्थल पर अपने प्रोजेक्ट या जरूरी कार्यों को गंभीरता से पूरा करते हैं, तो इससे उन्नति प्राप्त हो सकती है। समय का साथ मिलने से आपके लिए सफलता के नए दरवाजे भी खुलेंगे और जीवन में खुशियां दस्तक देने लगेंगी।

सावन का आखिरी सोमवार आज

इस प्रकार करें महादेव का पूजान

सावन का आखिरी सोमवार शिव भक्तों के लिए बेहद खास है। 4 अगस्त यानी सोमवार को दशमी तिथि काशी के पंचांगों के अनुसार सुबह 10 बजकर 51 मिनट तक रहेगी, अनुराधा नक्षत्र दिन में 8 बजकर 29 मिनट तक, उसके बाद ज्येष्ठा नक्षत्र का संचरण होगा। सावन के अंतिम सोमवार की मान्यता शिव भक्तों की दृष्टि में सर्वाधिक इसलिए है, क्योंकि अगर किसी कारणवश किसी भी भक्त ने सावन के पूरे महीने शिव की पूजा या शिव को जल अर्पण नहीं किया है तो मात्र एक लोटा जल सावन के अंतिम पावन सोमवार को शिवलिंग पर अर्पित कर मुख से बम, बम की ध्वनि निकालकर अखंडित संपूर्ण चावल अर्पण कर शिव से मनचाहा वरदान मांग सकते हैं।

अंतिम सोमवार को पूजा-भक्ति से न चूकें

वैसे तो पूरे सावन शिव आराधना से नहीं चूकना चाहिए लेकिन अगर पूरे महीने का पुण्य प्रताप एक दिन की ही भक्ति-आराधना और उपासना से पाना हो तो उसके लिए है, सावन का अंतिम सोमवार। सावन का सोमवार अनेक दृष्टि से अहम है। विद्यार्थियों को सोमवार व्रत रखने से और शिव मंदिर में जलाभिषेक करने से विद्या और बुद्धि की प्राप्ति होती है।

सुहागिन स्त्रियों को इस दिन व्रत रखने से अखंड सौभाग्य प्राप्त होता है, कुंवारी कन्याओं को इस दिन व्रत रखने से मनोवांछित वर की प्राप्ति होती है, बेरोजगारों को सावन के सोमवार व्रत-उपवास रखने से रोजगार तथा सदगृहस्थ नौकरी-पेशा या व्यापारी वर्ग को धन-धान्य और लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। जिन्हें लौकिक वस्तुओं की अभिलाषा न हो, उन्हें यह व्रत शिव भक्ति

एवं मोक्ष प्रदान करता है।

जो व्यक्ति पूरे सावन मास में भगवान भोलेनाथ की पूजा-उपासना न कर पाया हो, उसे सावन सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और जो माह के प्रथम तीन सोमवार को भी भगवान की अर्चना न कर पाया हो तो उसे सावन के अंतिम सोमवार को भगवान भोले के चरणों में नतमस्तक हो उनकी आराधना अवश्य करनी चाहिए क्योंकि शिव दाता हैं, त्रिपुरारी हैं, शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। देव, दानव, गंधर्व, किन्नर व दैत्यगुरु शुक्राचार्य ने भोले की उपासना करके अनेक सिद्धियां और लाभ अर्जित किए। महाबली रावण ने भी शिव की आराधना कर अनेक उच्चकोटि की सिद्धियां प्राप्त की थीं।

राशि अनुसार शिवलिंग पूजा मंत्र और चढ़ाएं ये वस्तुएं

सावन या श्रावण मास की शुरुआत 11 जुलाई से हुई थी, जो रक्षाबंधन के दिन 9 अगस्त को समाप्त हो जाएगी। इस दौरान चार सावन सोमवार का व्रत रखा जाता है, जो भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का विशेष अवसर माना जाता है। इस महीने को शिव भक्तों के लिए बेहद पवित्र माना जाता है क्योंकि माना जाता है कि सावन मास में शिवजी का वास पृथ्वी पर होता है और वे भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। विशेषकर सोमवार का दिन शिव पूजा के लिए अत्यंत शुभ होता है, इसलिए सावन के हर सोमवार का व्रत रखा जाता है।

इस बार सावन के अंतिम सोमवार का व्रत 4 अगस्त को है, जो भोलेनाथ को खुश करने का एक महत्वपूर्ण मौका है। भगवान शिव सरल और सहज स्वभाव के देवता हैं, जिन्हें प्रसन्न करने के लिए भव्य वस्तुओं या दुर्लभ पकवानों की आवश्यकता नहीं होती। वे प्रकृति से जुड़ी साधारण वस्तुओं से भी संतुष्ट हो जाते हैं। इस दिन आप अपनी राशि अनुसार शिवलिंग पर मंत्र जाप करते हुए कुछ विशेष सामग्री चढ़ाकर उनकी कृपा प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी करेंगे।

मेष – इस दिन आप जल में गुड़ मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें। गुड़ से बनी यह अभिषेक विधि विशेष रूप से मेष राशि वालों के लिए लाभकारी मानी जाती है। साथ ही, ॐ महाकालाय नमः मंत्र का जाप करें, जो आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा और जीवन में नई उर्जा लेकर आएगा।

वृषभ – आप दूध और जल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें। इसके बाद दही, चंदन और सफेद फूलों का भी शिवलिंग पर अर्पण करें। इस दौरान ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। इस पूजा से आपके कार्यों में सफलता और मनोकामनाएं पूरी होने का योग बनता है।

मिथुन – गन्ने के रस से शिवलिंग का अभिषेक करें। इसके साथ ही तीन बेलपत्र चढ़ाएं। इस पूजा के दौरान ॐ त्र्यम्बकाय नमः मंत्र का उच्चारण करें। यह विधि आपके जीवन में स्वास्थ्य, सफलता और शांति लाने में मदद करेगी।

कर्क – देसी घी से शिवलिंग का अभिषेक करें। घी की पवित्रता और शुद्धता से आपकी सारी बाधाएं दूर होंगी। इस दौरान ॐ चन्द्रशेखराय नमः मंत्र का जाप करें, जो आपके मन को शांत और सकारात्मक ऊर्जा से भर देगा।

कजरी तीज पर माता पार्वती को ये चीजें अर्पित करें, मिलेगा खंड सौभाग्य का आशीर्वाद

तीज का त्योहार हिंदू धर्म में खास स्थान रखता है और यह वर्ष में तीन बार मनाया जाता है-हरतालिका तीज, हरियाली तीज, और कजरी तीज। इनमें से कजरी तीज भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित है और इसे शिव-पार्वती के मिलन के रूप में भी देखा जाता है। इसलिए इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए व्रत रखती हैं।

कजरी तीज का व्रत न केवल विवाहित महिलाओं के लिए बल्कि कुंवारी कन्याओं के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो अपने लिए मनचाहा जीवनसाथी पाने की इच्छा रखती हैं। इस व्रत के प्रभाव से धन की प्राप्ति और संतान सुख के योग भी बनते हैं। साथ ही, माता पार्वती को यदि इस दिन विशेष वस्तुएं अर्पित की जाएं तो यह अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद भी दिलाता है, जो जीवन में खुशहाली और समृद्धि लेकर आता है।

कजरी तीज पर माता पार्वती को क्या चढ़ाएं?

माता पार्वती को सिंदूर और कुमकुम अर्पित करें।

बिंदी और मेहंदी से उन्हें सजाएं।

चूड़ियाँ और बिछुआ चढ़ाएं।

दर्पण और कंघी जैसे श्रृंगार सामान भी अर्पित करें।

इत्र और चुनरी से पूजा स्थल को सुगंधित करें।

हरे रंग की साड़ी माता पार्वती को अर्पित करें।

विवाहित महिलाओं को कजरी तीज के दिन 16 श्रृंगार जरूर करना चाहिए।

मान्यता है कि इससे माता पार्वती और भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

यह पूजा सुख-सौभाग्य और वैवाहिक जीवन की खुशहाली के लिए अत्यंत फलदायी होती है।

कजरी तीज 2025 कब है?

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 11 अगस्त को सुबह 10:33 बजे से शुरू होगी। यह तिथि 12 अगस्त की सुबह 8:40 बजे समाप्त हो जाएगी। उदया तिथि के हिसाब से इस साल कजरी तीज 12 अगस्त 2025 को मनाई जाएगी।

कजरी तीज पूजा मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:23 बजे से 5:06 बजे तक रहेगा।

विजय मुहूर्त दोपहर 2:38 बजे से 3:31 बजे तक है।

गोधूलि मुहूर्त शाम 7:03 बजे से 7:25 बजे तक होता है।

निशिता काल मुहूर्त रात 12:05 बजे से 12:48 बजे तक रहेगा।

घर में साफ सफाई रखने से माता लक्ष्मी की रहती है कृपा

हिंदू धर्म में माता लक्ष्मी का विशेष स्थान है। इस भौतिक जगत में लक्ष्मी की आवश्यकता हर किसी को है। जीवन जीने के लिए धन-धान्य की जरूरत होती है जिसकी देवी है माता लक्ष्मी। हर कोई चाहता है कि उसके घर में लक्ष्मी का आगमन हो जाये। जिस घर में माता लक्ष्मी की कृपा होती है उस घर में धन और वैभव की कमी नहीं होती। तिजोरी हमेशा भरी रहती है और घर में हमेशा खुशियां रहती हैं। लेकिन माता लक्ष्मी किन लोगों के घर में वास करती हैं और वह घर में आने से पहले किन बातों को देखती हैं? लोगों की मान्यता है कि

कुछ ऐसी बातें हैं जो माता लक्ष्मी घर में प्रवेश से पहले जरूर देखती हैं।

साफ सफाई – माता लक्ष्मी घर में प्रवेश करने से पहले यह जरूर देखती है कि वह घर कितना साफ और स्वच्छ है। माता लक्ष्मी को स्वच्छता अत्यंत प्रिय है। जिस घर में अव्यवस्था गंदगी होती है वहां माता लक्ष्मी का निवास नहीं होता।

घर का माहौल – माता लक्ष्मी को घर में शांति, प्रेम और सकारात्मकता पसंद है। जहां घर में रहने वाले व्यक्ति परस्पर प्रेम से रहते हैं, जिस घर में कलह नहीं होती, माता लक्ष्मी का वास उस घर में होता है।

नियमित पूजा-पाठ – जिस घर में नित्य प्रति भगवान की आराधना, पूजा, दिया बाती की जाती है। माता लक्ष्मी उसी में निवास करती हैं।

तुलसी और गाय की सेवा

जिस परिवार में तुलसी और गाय की सेवा की जाती है माता लक्ष्मी उस घर को छोड़कर कभी नहीं जाती।

निश्चल स्वभाव –जिस परिवार में छल कपट, अनैतिक काम नहीं किए जाते माता लक्ष्मी वहां चिरकाल के लिए निवास करती हैं।

सजा हुआ प्रवेश द्वार– जिस घर का प्रवेश द्वार साफ सुथरा सजा हुआ, तोरण लगा हुआ होता है माता लक्ष्मी उस घर में निवास करती हैं।

फ्रेंडशिप डे: सुख हो या दुख, कभी नहीं छोड़ा एक-दूजे का साथ

रियल लाइफ में बेस्ट फ्रेंड हैं ये अभिनेत्रियां

दोस्ती वो खूबसूरत रिश्ता है, जो बिना शर्तों के दिलों को जोड़ता है। फ्रेंडशिप डे के मौके पर बॉलीवुड की चमकती दुनिया में कुछ ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिनकी रियल लाइफ दोस्ती एक मिसाल है। चाहे वो वेकेशन पर साथ जाना हो, एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होना हो या सोशल मीडिया पर मस्ती भरे पल साझा करना हो, इन अभिनेत्रियों ने जता दिया कि दोस्ती वाकई कमाल का रिश्ता है!

इस लिस्ट में दिशा पटानी-मौनी रॉय, करीना कपूर खान-करिश्मा और मलाइका-अमृता अरोड़ा, सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनाया कपूर, सुजैन खान और सोनाली बेंद्रे, हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा के साथ ही नेहा धूपिया और सोहा अली खान का भी नाम शामिल है।

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन्स का नाम लें तो उसमें दिशा पटानी और मौनी रॉय का नाम जरूर आएगा। मगर बात केवल एक्टिंग और फिटनेस की नहीं है, उनकी दोस्ती ग्लैमर और फिटनेस का परफेक्ट मिश्रण है। एक इंटरव्यू में मौनी ने बताया था कि दिशा दिल की बहुत ही अच्छी इंसान हैं और वे 'सोल सिस्टर्स' की तरह हैं। दोनों अक्सर वेकेशन पर एक साथ नजर आती हैं, जहां उनकी मस्ती और बॉन्डिंग फैंस को खूब पसंद आती है। जिम में पसीना बहाने से लेकर बीच पर मस्ती तक, इनकी दोस्ती हर पल को खास बनाती है। दिशा और मौनी सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए प्यार भरे मैसेज भी शेयर करती हैं।

अरोड़ा और कपूर सिस्टर्स अक्सर एक-दूजे के साथ खड़ी रहती हैं। करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा की दोस्ती बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक दोस्ती में से एक है। ये गर्ल गैंग हर पार्टी और वेकेशन में धूम मचाती है। योग सेशन्स

से लेकर ग्लैमरस नाइट्स तक, ये एक-दूसरे के हर सुख-दुख में साथ नजर आती हैं। करिश्मा के पूर्व पति का निधन हो, मलाइका के पिता का निधन हो या करीना के पति सैफ पर चाकू से हमला हो, ये हमेशा एक-दूजे के सुख-दुख में साथ खड़ी दिखीं।

सुहाना खान, अनन्या पांडे, और शनाया कपूर नई पीढ़ी की स्टार्स हैं। ये तीनों अक्सर एक साथ आउटिंग और पार्टियों में स्पॉट होती हैं। सोशल मीडिया पर इनके फोटोज और मस्ती भरे वीडियोज फैंस को खूब पसंद आते हैं। ये दोस्ती न सिर्फ ग्लैमरस है, बल्कि एक-दूसरे के करियर को सपोर्ट करने की मिसाल भी है। तीनों अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी बेस्टी का समर्थन करती नजर आती हैं। तीनों बचपन की दोस्त हैं।

हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा की दोस्ती साल 2017 से शुरू हुई और आज ये बॉलीवुड की सबसे मजबूत दोस्ती में से एक है। सोनाक्षी की शादी में हुमा का हर फंक्शन में सक्रिय रहना उनकी गहरी दोस्ती का सबूत है। दोनों की केमिस्ट्री ऑन और ऑफ-स्क्रीन भी अक्सर देखने को मिलती है। सोनाक्षी सिन्हा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि पहली मुलाकात में हुमा उन्हें बहुत चेप लगी थीं। वह बहुत बात कर रही थीं। हालांकि, धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती का रंग गाढ़ा होता गया।

सुजैन खान, सोनाली बेंद्रे और गायत्री ओबेरॉय के बीच भी दोस्ती का बेहद खूबसूरत रिश्ता है। सुजैन और सोनाली अक्सर साथ में इवेंट्स में नजर आती हैं, जहां उनकी बॉन्डिंग साफ झलकती है। कैंसर से जंग लड़ने वाली सोनाली की हेल्थ जर्नी में सुजैन और गायत्री का साथ इस दोस्ती की गहराई को दिखाता है। सुजैन और गायत्री, सोनाली से मिलने के लिए अक्सर न्यूयॉर्क जाया करती थीं, जहां वे उनका हिम्मत बढ़ाती थीं। एक भावुक पोस्ट में सोनाली ने दोनों को दोस्ती का सही अर्थ बताने के लिए आभार भी जताया था।

नेहा धूपिया और सोहा अली खान भी खास दोस्त हैं। दोनों एक-दूसरे के करियर और निजी जिंदगी में मजबूत सपोर्ट सिस्टम की तरह हैं।

लारा दत्ता ने दिखाया फैमिली लव! पति और बेटी संग खूबसूरत यादें की पोस्ट

अभिनेत्री लारा दत्ता ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने करीबियों, दोस्तों और परिवार के साथ खूबसूरत समय बिताया।पूर्व मिस यूनिवर्स लारा दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह पति महेश भूपति और बेटी सायरा के साथ नजर आ रही हैं।पहली तस्वीर में लारा और महेश एक-दूसरे को प्यार से देख रहे हैं। इसके बाद दूसरी तस्वीर में वह बेटी साइरा और पति के साथ सुंदर जगह पर पोज देती नजर आ रही हैं। इसके अलावा वह एक हॉल में सोफे पर पोज देती हुई और कैफे में कॉफी का आनंद लेते हुए भी नजर आ रही हैं। उन्होंने एक खूबसूरत टेबल की झलक भी दिखाई, जिस पर स्वादिष्ट केक और फूल रखे थे।

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, जुलाई का महीना मेरे लिए बेहद खास है, कई प्यारे लोगों से मुलाकात की, दोस्तों और परिवार के साथ खूबसूरत समय बिताया।लेकिन दूसरी ओर, लारा के लिए यह साल दुखों से भरा भी रहा। क्योंकि उनके पिता रिटायर्ड विंग कमांडर एल.के. दत्ता का 31 मई को मुंबई में 84 साल की उम्र में निधन हो गया।

अपने दिवंगत पिता के साथ कुछ यादगार पलों को याद करते हुए, लारा ने सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट लिखा, कुछ पल मेरे पिता के साथ ऐसे हैं जो हमेशा मेरे साथ हमेशा रहेंगे, जब वो मुझे बचपन में कंधों पर बिठाकर रात को तारों को

दिखाते थे, जब मैंने पांच साल की उम्र में उनके रों पर खड़े होकर डांस सीखा, जब मैं उनके साथ लने की कोशिश करती थी और हम यूकेलिप्टस के पेड़ों के नीचे चलते हुए मेरी पढ़ाई के सपने नाते थे, जब मैं उनकी गोद में बैठकर उनकी संदीदा म्यूजिक टेप पर हवा में काल्पनिक पियानो जाया करती थी।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वर्कफ्रंट की बात करें ो लारा जल्द ही फिल्म 'वेलकम' के तीसरे पार्ट वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। फिल्म में नके साथ अक्षय कुमार, दिशा पटानी, रवीना डन, फरदीन खान समेत अन्य स्टार्स प्रमुख मिकाओं में हैं।

दो दुनिया की खिलाड़ी आकांक्षा सिंह
जानें फिजियोथेरेपिस्ट से कैसे बनीं एक्ट्रेस?

फिल्मों और टीवी की चकाचौंध से भरी दुनिया में नाम कमाना आसान नहीं होता है। अगर कोई इंसान एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग क्षेत्रों में कामयाबी पाए, तो वह वाकई खास होता है। अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ऐसी ही एक मिसाल हैं। आज वह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनय में सफलता पाने से पहले आकांक्षा एक प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट रही हैं। आकांक्षा का जन्म 30 जुलाई 1990 को राजस्थान के जयपुर में हुआ था। उनकी मां खुद एक थिएटर कलाकार थीं, जिससे घर का माहौल कला से जुड़ा था। यही वजह रही कि आकांक्षा को बचपन से ही मंच और अभिनय से लगाव हो गया। उन्होंने पहले पढ़ाई पर ध्यान दिया और फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल की। इस पढ़ाई के दौरान उन्होंने शरीर, इलाज और देखभाल के बारे में गहराई से सीखा। इस दौरान उन्होंने थिएटर करना जारी रखा।

साल 2012 में उन्हें टीवी शो 'ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा' का ऑफर मिला और इस शो के जरिए उन्होंने छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। आकांक्षा ने इस शो में दो बच्चों की मां और विधवा 'मेघा व्यास भटनागर' का किरदार निभाया, जो भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इस भूमिका को इतनी सादगी और गहराई से निभाया कि दर्शक उनके कायल हो गए। इस किरदार के लिए उन्हें 'इंडियन टेली अवार्ड्स' भी मिला। टीवी पर सफल शुरुआत के बाद, वह 2015 में होटल इंडस्ट्री पर आधारित शो 'गुलमोहर ग्रैंड' में 'अनाहिता मेहता फर्नांडीज' के रोल में दिखीं। इसके बाद, 2016 में 'बॉक्स क्रिकेट लीग' में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल हुईं और 2017 में 'ऐ जिंदगी' के एक एपिसोड में वकील की भूमिका निभाई।

आकांक्षा ने फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाई। 2017 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' से फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें वह किरण कक्कड़ के छोटे लेकिन असरदार रोल में नजर आईं। उसी साल तेलुगु फिल्म 'मल्ली रावा' से उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उनके अभिनय को खूब सराहा गया।साल 2018 में उन्होंने नागार्जुन के साथ तेलुगु फिल्म 'देवदास' में काम किया, जो दर्शकों को काफी पसंद आई। उसी साल वह दो शॉर्ट फिल्मों 'मेथी के लड्डू' और 'कैद' में भी नजर आईं। 2019 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'पैलवान' में सुदीप के साथ अभिनय किया, जो कई भाषाओं में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की।ओटीटी पर भी आकांक्षा ने खुद को साबित किया। उन्होंने 2021 में डिज्नी प्लस हॉटस्टार की वेब सीरीज 'परंपरा' से ओटीटी डेब्यू किया और फिर 2022 में 'एस्केप लाइव' में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभाई। उसी साल उन्होंने 'रंगबाज: डर की राजनीति' और तेलुगु एंथोलॉजी 'मीट क्यूट' में भी दमदार उपस्थिति दर्ज की। 2022 की ही फिल्म 'रनवे 34' में उन्होंने अजय देवगन की पत्नी समायरा खन्ना का किरदार निभाया, जो उनकी दूसरी बड़ी हिंदी फिल्म थी। आकांक्षा ने तमिल और तेलुगु की द्विभाषी फिल्म 'क्लैप,' तमिल फिल्म 'वीरपांडियापुरम,' और तेलुगु फिल्म 'सिवुडु' में भी अभिनय किया। 2024 और 2025 में वह 'रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड,' 'बेंच लाइफ,' 'षष्ठीपूर्ति,' और 'खाकी: बंगाल चैप्टर' जैसी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। फिजियोथेरेपिस्ट से अभिनेत्री बनी आकांक्षा सिंह हिंदी, तेलुगु, तमिल, और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में एक भरोसेमंद चेहरा बन चुकी हैं।

फिल्म क...
हिंदी फि...
मिलने प...

बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं

प्रतिभाशाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी प्रशंसित फिल्म 'कटहल: अ जैकफ्रूट मिस्ट्री' को इस साल के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का खिताब दिलाकर अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर लिया है। अपने बहुमुखी अभिनय और अनोखी पटकथाओं को चुनने की कला के लिए जानी जाने वाली सान्या एक बार फिर ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनी हैं जो अपनी विषयवस्तु और कलात्मक प्रस्तुति के लिए सराही गई हैं। सान्या मल्होत्रा की व्यंग्यात्मक कॉमेडी फिल्म 'कटहल: अ जैकफ्रूट मिस्ट्री,' जिसे इसकी ताजगी भरी कहानी, सामाजिक

प्रासंगिकता और अनोखे हास्य के लिए प्रशंसित है, फिल्म में उन्होंने एक जुझारू पुलिस अफसर की भूमिका निभाई,

मिला है।यह कहानी मेरे लिए बेहद खास रही है, और मैं गुनीत मोंगा, अचिन जैन और पूरी टीम की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इतना अनोखा किरदार दिया। यह फिल्म व्यंग्य और संवेदनशीलता के माध्यम से समाज की महत्वपूर्ण सच्चाइयों को दर्शाती है, और मुझे खुशी है कि यह दर्शकों के साथ जुड़ पाई। इस सम्मान से मुझे और भी अधिक सार्थक सिनेमा चुनने की प्रेरणा मिलती है। जूरी और कटहल को समर्थन देने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद।इस खुशी में और इज़ाफ़ा करते हुए, विक्की कौशल के साथ सान्या मल्होत्रा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म सैम बहादुर को कई पुरस्कारों से नवाज़ा गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ मेकअप, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन और राष्ट्रीय, सामाजिक एवं पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अगर बहतर बनाना हैं तो सुबह सूर्य नमस्कार से दिन की शुरुआत करें । मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे. घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं. संतान की खुशी बनी रहेगी. संतान को करियर में कोई बड़ी सफलता मिल सकती है. आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिल सकता है. अगर आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो बड़े भाई–बहनों की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है. आप दूसरों की खुशी के लिए हमेशा काम करने वाले रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

नया कारोबार चालू करना लाभदायक रहेगा परन्तु महनत करनी पडेगी किन्तु आने वाले समय में आर्थिक लाभ रहेगा. अगर प्रेम–संबंध की बात हो तो परिजनों की सलाह लेने में संकोच न करें। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा. प्रेम विषयों की स्थिति गंभीर हो सकती है. वैवाहिक सम्बन्ध को आगे बढाने के लिए समय अनुकूल हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज सूर्य अष्टक का पाठ करके ही कार्य आरंभ करें दिल का भय दूर होगा इसलिए इससे परेशान ना हों और खुद को शांत रखें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. मित्रों और परिवारजनों का भी भरपूर सहयोग आज आपको मिलने वाला है. आज मित्रों से आपको मदद मिलने वाली है. पैतृक संपत्ति मिलने के आसार हैं. गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सूर्य द्वादश नाम का जप करके सूर्य को प्रणाम करें आपको उचित समय की पहचान होगी. सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है. परिवार में भी स्थिति ठीक बनी रहेगी. बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं. आपका दोस्त आपको कोई काम करने के लिये कह सकता है. प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. सीनियर से बात करते समय आपकी जुबान फिसल सकती है. गाय और नंदी की तन–मन–धन से सेवा करें ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन अच्छा हैं आमदनी बढेगी आय अच्छी रहेगी किन्तु बेकार के खर्चों पर अंकुश लगाना श्रेयकर रहेगा. आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. अथक परिश्रम उपरांत आप स्थितियों पर काबू पा पायेंगे. भावनाओं को अपने निर्णयों को निर्धारित न करने दें, निष्प–क्षता बनाये रखें. व्यावसायिक एवं आर्थिक सन्दर्भ में यात्रा आपको नवीन अवसर प्रदान कर सकती है. आज आप किसी पुराने परिचित से अचानक ही मिल सकते हैं. शरीर से सम्भव है तो सूर्यास्त के बाद दूध का आहार करें ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा. दिन आपके लिए बहुत ही लाभदायक है. जल्दबाजी में लेन–देन न करें. किसी छोटी सी भूल से हानि हो सकती है. अपरिचित व्यक्ति की बातों पर भरोसा न करें. कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी. संतान के प्रति भी चिंताएं कम होंगी. जो कार्य आप करने की योजना बना रहे थे आज उनमें गति आएगी. दोपहर के बाद आप बच्चों के साथ सैर सपाटे पर निकल जाए पूरा समय मनोरंजन मे बीतेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने रोजगार में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे. किसी काम के लिये कई दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है. आपको अपने बच्चों से काम में सपोर्ट मिलेगा. आपको कोई भी मौका हाथ से नहीं गंवाना चाहिए. बदलते मौसम में आपको अपने ऊपर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है. बहतर स्वास्थ्य के लिए आप को आपको अपने खान–पान में भी बदलाव करना चाहिए. और सुबह शाम के समय टहलना भी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने कार्यक्षेत्र पर काम करने वाले व्यक्तियो कुछ साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखने होंगे । व्यर्थ की यात्राओं से बचने का प्रयास करें. हांलाकि आर्थिक रूप से समय को अनुकूल कहा जाएगा. फिर भी खर्चे पर नियंत्रण रखना श्रेयकर रहेगा. समय–समय पर परिजनों का सहयोग मिलता रहेगा. कार्य क्षेत्र पर आपके समक्ष कुछ समस्याएं आ सकती हैं अपने हाथ से गाय माता को गुड खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप की झूठ बोलने की आदत आप को हरेक समय अपने सहकर्मियों के बीच लज्जित करती हैं झूठ बोलने से बचें, और यह आपके प्रेम–संबंध को भी बिगाड़ सकता है. तनाव का तबियत पर ख़राब असर हो सकता है. धन संबंधी मामलों में बुद्धि व विवेक से फैसले लें. दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा. बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं. आज आप ख़रीदारी के लिए निकल सकते हैं, यह समय पैसे और वित्त संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा कुछ पैसा अपने उज्जवल भविष्य के लिए जमीन मे निवेश करदे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सूर्य की सात प्रदक्षिणा करके निकलना चाहिए आप कोई बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच–समझकर फैसले करने की जरुरत है. आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए. आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में परेशानी आ सकती है. आपका कोई कागज पूरा न होने पर काम अटक भी सकता है. जो छात्र उच्च शिक्षा में दाखिला लेने के लिये परीक्षाएं दे रहे हैं, उन्हें मन–मुताबिक परिणाम के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिए. आप को अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमने–फिरने पर अधिक पैसा खर्च करने से बचना चाहिए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुबह ओंकार का उच्चारण करके ध्यान करें । व्यवसायी संदर्भ में आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं कि आपके पास बहुत अधिक काम है. किन्तु उसे पूरा करने के लिए समय बहुत कम है. व्यावसायिक, आर्थिक और सामाजिक प्रतिबद्धता का आपके आदेशों पर एक मजबूत प्रभाव पड़ेगा. भाई–बहनों की सामाजिक स्थिति में अप्रत्याशित और अचानक वृद्धि होगी.दिन की कोई अप्रिय घटना आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है.आप प्रेमी के साथ कहीं घूमने पर जाने से बचना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सूर्य को जल , सूर्य को नमस्कार सूर्य जप करने से शरीर मे जबरदस्त ऊर्जा और उत्साह रहेगा सकारात्मक परिणाम आंएगे और घरेलू तनाव दूर होने में मददगार मिलेगी कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें. अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. हल्का भोजन करें सेहत अनुकूल रहेगी ।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 अगस्त 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 11:43 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 09:13 तक
योग : ब्रह्म प्रातः 07:04 तक
करण : गर प्रातः 11:43 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सोमवार शिव पूजन ,
भद्रा रात्रि 12:32 से , गण्डमूल प्रातः 09:14 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

नई दिल्ली/जयपुर, 03 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के जोधपुर हाउस में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बिल्व का पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिल्व जैसे पौधे धार्मिक और औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में 'एक पेड़ मां के नाम' और 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत इस वर्ष दस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत अब तक साढ़े सात करोड़ से अधिक पौधरोपण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य में हरियाली तीज के दिन ढाई करोड़ पौधे लगाकर एक रिकॉर्ड बनाया है जो प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधरोपण सिर्फ एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरित भविष्य देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान को और अधिक गति देने का आह्वान किया।

पुष्कर में हाईलेवल ब्रिज पर सेल्फी लेते समय हादसा

25 वर्षीय युवक की डूबने से मौत

अजमेर, 03 अगस्त (एजेंसियां)। बालूपुरा रावत बस्ती निवासी 25 वर्षीय अजय सिंह रावत की रविवार तड़के पुष्कर हाईलेवल ब्रिज पर सेल्फी लेते समय पैर फिसल गया, जिससे वह गहरे पानी में जा डूबा। सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस टीम ने करीब दो घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया और सुबह 8 बजे युवक का शव पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद घर और परिजनों में कोहराम मचा है।

सिविल डिफेंस के श्रीकृष्ण गोपाल जाट ने बताया कि शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे पुष्कर थाना पुलिस से सूचना मिली थी कि एक युवक पानी में डूब गया है। टीम तुरंत मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद शव बरामद किया गया, जो पूरी तरह फूल चुका था।

जानकारी के अनुसार, अजय सिंह अपने दोस्तों के साथ पुष्कर घूमने आया था। इस दौरान वह हाईलेवल ब्रिज पर सेल्फी लेने लगा, तभी उसका पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गया। दोस्तों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया और पुलिस को सूचना दी, लेकिन देखते ही देखते वह पानी में डूब गया और दोस्तों के सामने ही उसकी जान चली गई। फिलहाल पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि जान जोखिम में डालकर सेल्फी न लें, क्योंकि लापरवाही से जिंदगी खतरे में पड़ सकती है।

जयपुर में चिकित्सा चमत्कार: एसएमएस हॉस्पिटल ने 6 साल के बच्चे का कटा हाथ जोड़ा

जयपुर, 03 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर के 6 वर्षीय जसप्रीत सिंह के साथ हुआ एक दर्दनाक हादसा रविवार को चिकित्सा विज्ञान के लिए मिसाल बन गया। 20 जुलाई की शाम करीब 6 बजे घर के पास खेलते समय जसप्रीत घास काटने वाली मशीन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भयावह था कि उसकी कलाई के ऊपर से पूरा हाथ कटकर अलग हो गया। घर में चीख–पुकार मच गई, लेकिन इस अफरातफरी में भी मां ने अद्भुत साहस और सतर्कता का परिचय दिया। उन्होंने कटे हाथ को पॉलीथिन में रखा, बर्फ में सुरक्षित किया और रात 9:15 बजे पिता के साथ सीधे एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचीं। अस्पताल पहुंचते ही प्लास्टिक सर्जरी विभाग की टीम ने इमरजेंसी में ऑपरेशन शुरू किया। विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ आचार्य डॉ. प्रदीप गुप्ता के निर्देशन में सहायक आचार्य डॉ. आकांक्षा वशिष्ठ, सीनियर रेजिडेंट डॉ. हर्षा रेड्डी, डॉ. साक्षी कश्यप, डॉ. समृद्धि गुप्ता, डॉ. दिलप्रीत कौर, डॉ. शुभम रानी, डॉ. अनामिका और डॉ. रूपल ने करीब 6 घंटे तक लगातार सर्जरी की। इस दौरान हाथ की हड्डियों, नसों, रक्त वाहिकाओं और त्वचा को बारीकी से जोड़ा गया।

डॉ. आकांक्षा वशिष्ठ ने कहा, मैं परिजनों की सतर्कता को सलाम करती हूं। अगर हाथ को सही तरीके से बर्फ में सुरक्षित नहीं किया जाता और समय पर अस्पताल नहीं लाया जाता, तो यह संभव नहीं था। इस सफल सर्जरी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि समय पर उपचार, सही मेडिकल प्रोसेस और मजबूत इरादों से असंभव भी संभव हो सकता है। एसएमएस अस्पताल की इस कामयाबी ने न केवल डॉक्टरों की कुशलता बल्कि एक मां के साहस और तत्परता को भी नई पहचान दी है, जिसे आज पूरा शहर सलाम कर रहा है।

चातुर्मासरत दिगंबर संतों की कठोर आहारचर्या संयम और नियम ही जीवन का आधार

टोंक, 03 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय संस्कृति में संतों का त्याग काफी महत्त्व रखता है। आधुनिक जीवन की चकाचौंध से दूर दिगंबर जैन संत आज भी उसी परंपरा का पालन करते हैं, जिसमें संयम, नियम और तपस्या ही जीवन का आधार है। वे कई दिन तक निर्जल और निराहार रहकर तपस्या करते हैं। आहारचर्या के नियम भी कठिन है। 24 घंटे में एक बार भोजन, खाने के बाद एक बार ही पानी पीना। जरा सी चूक पर उपवास, ऐसी तपस्या के बारे में गृहस्थ तो सोचकर भी घबरा जाताहैं। यह चर्या अत्यंत कठिन और अनुशासन से पूर्ण होती है। इसका उद्देश्य सिर्फ शरीर का पोषण नहीं, आत्मा की साधना में सहायता करना होता है। ने चातुर्मासरत दिगंबर संतों की जानिए कैसे आहार चर्या करते हैं जैन संत।

दिन में एक बार भोजनः आहार (भोजन) लेना दिगंबर मुनियों की दिनचर्या का अति लघु भाग होता है। वे दिन में केवल एक ही बार भोजन

नियमः भगवान के सामने जो संकल्प लिया, नहीं मिला तो उपवास, खाना बनाने की प्रकिया में भी शुद्धता के साथ कई परंपराओं का पालन दिगंबर संतों की ऐसी तपस्वी आहारचर्या, जिसमें नियम ही जीवन है। आहार चर्या पूर्व संतों को आहर के लिए पड़गाहन के लिए कतारबद्ध आवक। आहार चर्या करते संत। इनसेट करवाने से पूर्व श्रावक–श्राविकाएं उसे बनाने में जुटते हैं। संतों का आहार भी नियमों के अनुरूप ही बनता है। इसमें जमीकद, कंद–मूल आदि का उपयोग नहीं होता। आहार बनने में उपयोग की जाने वाली सामग्री तीन दिन में ही करते हैं। आहार ग्रहण का समय सूर्योदय के बाद से लेकर सूर्यास्त से पूर्व होता है। सूर्यास्त के बाद वे कुछ भी नहीं खाते–पीते।

उदयपुर में होटल गणेश पर पुलिस का छापा

रेव पार्टी और देह व्यापार के शक में 50 से ज्यादा युवक–युवतियां डिटेन

उदयपुर, 03 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के पास कोड़ीयात रोड स्थित होटल गणेश में शनिवार देर रात पुलिस ने रेव पार्टी और देह व्यापार की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए छापा मारा। यह कार्रवाई डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में की गई, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। पुलिस को सूचना मिली थी कि होटल गणेश रेस्टोरेंट में रेव पार्टी के साथ–साथ देह व्यापार भी चल रहा है।

सूचना की पुष्टि के बाद देर रात पुलिस ने होटल में दबिश दी। छापेमारी के दौरान वहां शराब और आपत्तिजनक सामग्री परोसी जा रही थी। मौके पर मौजूद लोग पार्टी का आनंद ले रहे थे, लेकिन अचानक पुलिस के पहुंचते ही वहां अफरा–तफरी का माहौल बन गया। कई लोग भागने की कोशिश में थे, जिन्हें पुलिस ने तुरंत घेरकर पकड़ लिया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 11 युवतियों और 39 पुरुषों सहित 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। इनमें से अधिकतर उदयपुर के बाहर के पर्यटक बताए जा रहे हैं। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है और उनके पहचान पत्र व अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि मौके से बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। पुलिस फिलहाल सभी के आईडी कार्ड की जांच और पूछताछ कर रही है। इस प्रक्रिया के बाद ही मामले का आधिकारिक खुलासा किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि होटल गणेश का यह मामला लंबे समय से पुलिस की निगरानी में था और शिकायतें मिलने के बाद गुप्त रूप से इसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। देर रात की गई इस कार्रवाई से शहर में चर्चा का माहौल है और यह मामला अब प्रशासन की सख्ती का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है।

हरियाणा सरकार राज्य के हर क्षेत्र में निष्पक्ष रूप से करवा रही है विकास कार्य : कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़, 03 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि सच्चे जन प्रतिनिधि का एक मात्र धर्म जनसेवा होता है। निस्वार्थ भाव से जनभावनाओं के अनुरूप जनहित के कार्य करवाना और आमजन की समस्याओं का समाधान करना ही सच्चे एवं सार्थक जनसेवक की पहचान होती है। मौजूदा राज्य सरकार निष्पक्ष तरीके से प्रदेश के सभी क्षेत्रों में संतुलित एवं बराबर विकास कार्य करवा रही है। हरियाणा में हो रहे विकास कार्यों की चर्चा पंजाब जैसे पडोसी राज्य में भी है। अन्य इलाकों की तरह नरवाना भी भविष्य में विकास का उदाहरण बने, इसके लिए वे दिन–रात प्रयासरत्त हैं।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार देर सांय नरनावा विधानसभा हलका के गांव डिंडोली में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि 17 अगस्त को प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विधानसभा चुनाव में जनसमर्थन के लिए नरवाना क्षेत्रवासियों का आभार जताने और करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देने के लिए पहुंचेंगे। इस मौके पर मंत्री ने वाल्मीकि चौपाल तथा जिम्म हाल का शिलान्यास किया। इनके निर्माण पर करीब 20 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा मंत्री ने लगभग 2 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से बनने वाले विभिन्न विकास कार्यों की भी घोषणा की।

वसुधैव कुटुम्बकम वाली सोच ही भारत को विश्वगुरु बनाती है : पवन जिंदल

गुरुग्राम, 03 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित एवं हिंदू जीवन मूल्यों को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से गठित हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान (एचएसएसएफ) की प्रांतीय कार्यकर्ता वार्षिक योजना बैठक शुक्रवार को गुरुग्राम के सोहना चौक स्थित सिद्धेश्वर पब्लिक स्कूल के सभागार में हुई। संघ के क्षेत्रीय संघचालक पवन जिंदल और प्रांत संघचालक प्रताप सिंह की उपस्थिति और संस्थान के प्रांत अध्यक्ष विनोद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में आगामी साल भर के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रचारक गुणवंत सिंह भी बैठक में विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जहां हरियाणा प्रदेश में संगठन विस्तार पर चर्चा हुई, वहीं मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद पवन जिंदल और गुणवंत सिंह ने विश्व में हिन्दू सेवा और संस्कृति के फैलाव पर बल दिया तथा सनातन संस्कृति को विश्व शांति के लिए अति महत्वपूर्ण बताया।

टैब वितरण घोटाले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर की जाए कड़ी कार्रवाई : सैलजा

चंडीगढ़, 03 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाई उस समय खुलकर सामने आ गई जब कोविड काल में 700 करोड़ रुपये के खरीदे गए 05 लाख टैबलेट आज मात्र खिलौना बनकर रह गए है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह टैब घोटाले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, जिन्होंने टैब के नाम पर देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि कोविड काल में सरकार स्कूलों के पांच लाख विद्यार्थियों को 700 करोड़ रुपये कीमत के टैब शैक्षणिक सत्र 2025–26 में बिना सिम और बिना नेट सुविधा के बंद पड़े है ये कब चालू होंगे किसी के पास कोई जवाब नहीं है फिलहाल तो ये मात्र खिलौना बने हुए हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह योजना तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई थी पर मौजूदा सरकार ने इस योजना को ही पानी पिला दिया है। इससे विद्यार्थियों को लाभ तो क्या हुआ अब तक उन्हें नुकसान ही हो रहा है। इन टैब में तीन साल तक के लिए ही पाठ्यक्रम डाला गया था, सरकार इनका डाटा भी बदलना चाहती थी पर वह काम भी नहीं हुआ।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार आंख बंदकर अधिकारियों पर भरोसा करते हुए योजनाएं लागू कर देती है उनसे लाभ हो रहा है या नुकसान इस ओर सरकार ध्यान ही नहीं देती। सरकार ने सेंट्रलाइज्ड परचेजिंग के माध्यम से खुद भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। सरकार की शिक्षा नीति सदा धराशायी होती रही है।

स्कूलों में आवंटित टैब बने खिलौना, ना सिम और ना इंटरनेट दे पाई सरकार : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

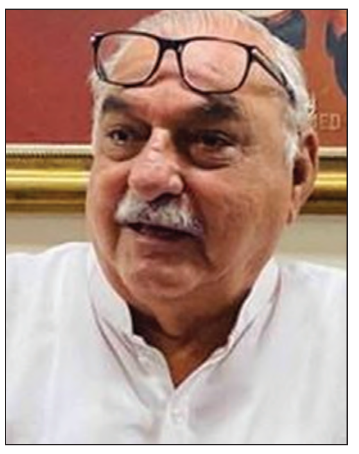

चंडीगढ़, 03 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी सरकार सिर्फ कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी स्कूलों को बंद कर सकती है, ना कि कोई नया स्कूल या नई योजना शुरू कर सकती है। अगर गलती से इस सरकार ने कोई योजना शुरू भी कर दी, तो खुद ही उसका बंटाधार कर डाला। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा इस सरकार की स्कूलों में टैब बांटने वाली योजना पर टिप्पणी कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि 700 करोड रुपए की लागत से शुरू की गई इस योजना का सरकार ने खुद ही बेड़ा गर्क कर डाला। विद्यार्थियों को दिए गए टैब खिलौना बनकर रह गए हैं। क्योंकि बिना सिम और बिना इंटरनेट के अप्रैल महीने से ये पूरी तरह बंद पड़े हुए हैं। खबरें यहां तक सामने आ रही हैं कि यह सरकार अपनी ही योजना को बंद करने जा रही है। अगर ऐसा हुआ तो इसमें कोई हैरानी नहीं होगी। क्योंकि बीजेपी पहले ही कांग्रेस सरकार द्वारा गरीब, एससी व ओबीसी बच्चों को दी जानी वाली वजीफा योजना को लगभग समाप्त कर चुकी है। कांग्रेस की ही स्पैट व गरीब स्कूली खिलाड़ियों को आर्थिक मदद की योजना को भी बंद किया जा चुका है।

हुड्डा ने कहा कि टैब योजना की तरह इस सरकार ने खुद की चलाई आयुष्मान योजना को भी खेल बनाकर रख दिया है। यही सलूक फसल बीमा योजना और कौशल रोजगार निगम के साथ हुआ है। क्योंकि विधानसभा चुनाव के दौरान बीजेपी ने जमकर झूठ फैलाया कि उनकी सरकार ने कौशल निगम के तहत आने वाले सभी सवा लाख कर्मचारियों को पक्का कर दिया है। अब उन्हें रिटायरमेंट तक कोई नौकरी से नहीं निकल पाएगा। लेकिन जब से तीसरी बार भाजपा सत्ता में आई है, लगातार कौशल कर्मियों को नौकरी से निकाला जा रहा है। अब इसको लेकर एक और नोटिस जारी कर दिया गया है कि जो लोग कौशल निगम में 5 साल से कम समय से कार्य कर रहे हैं, उनका नौकरी से निकलना तय है। इसीलिए माम कौशलकर्मी आज बीजेपी के वादों पर भरोसा करके और उन झूठे वादों के बहकावे में जाकर बीजेपी को वोट करके पछता रहे हैं।

शुभ लाभ DAILY

एनडीए ने गिनाए तेजस्वी यादव के घोटाले, कहा–

लोकतंत्र के साथ धोखा करने वाले पर एफआईआर करे चुनाव आयोग

पटना (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष के दो मतदाता पहचान पत्र वाले मामले पर सियासत गरमा गई है। रविवार दोपहर भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सभी दलों के प्रवक्ताओं ने संयुक्त रूप से प्रेस कांफ्रेंस कर तेजस्वी यादव और राष्ट्रीय जनता दल पर हमला बोला।

एनडीए ने कहा कि अब तक सात घोटाले करने वाले तेजस्वी यादव के मतदाता पहचान पत्र घोटाला कर दिया। इसलिए वह मतदाता पुनरीक्षण कार्य से डर रहे थे और चुनाव आयोग का विरोध कर रहे थे। अब उनकी चोरी पकड़ी गई है। चुनाव आयोग से अपील है कि धोखा देकर दो-दो ईपीआईसी नंबर मतदाता पहचान बनाकर लोकतंत्र को धोखा देने वाले ऐसे शख्स के खिलाफ फौरन प्राथमिकी दर्ज कराए।

जनता दल यूनाइटेड के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि जिस शख्स को अपनी पहचान पर भरोसे नहीं, वह जनता का नेतृत्व कैसे करेगा? तेजस्वी यादव ने नाम अब तक सात घोटाले थे। अब आठवां घोटाला भी जुड़ गया है। वह है मतदाता पहचान पत्र घोटाला।

चार साल की उम्र में उन्होंने नाम घोटाला किया। तरुण यादव से तेजस्वी यादव हो गए। 13 वर्ष की आयु में उन्होंने पुरस्कार घोटाला किया। 15 वर्ष की उम्र में उन्होंने क्रिकेट घोटाला किया। कहा कि विराट कोहली ने इनकी ही कप्तानी में खेला था। 23 साल की उम्र आईआरसीटीसी घोटाला किया। 26 साल में उम्र घोटाला किया। 29 साल में सैलरी घोटाला किया। 33 साल में चंदा घोटाला किया। उन्होंने बीमा कंपनियों से चंदा लिया। और, अब 36 वर्ष में ईपीआईसी घोटाला किया। मतदाता पहचान पत्र घोटाला किया। जदयू के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव आयोग गंभीरता से ले इस मामले पर संज्ञान लें और तेजस्वी यादव पर प्राथमिकी दर्ज करें। वह पहले से ही 420 के आरोपी हैं। अब ईपीआईसी मामले में भी बेनकाब हो चुके हैं। इन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या की है। आठ घोटाले से जुड़ा जिसका नाम हो, उस पर फौरन प्राथमिकी दर्ज हो।

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय आलोक ने कहा कि तेजस्वी यादव ने दो-दो ईपीआईसी नंबर से अपना मतदाता पहचान पत्र बनाया। तेजस्वी जी, बिहार की जनता अब आपके खेल को समझ चुकी है। फर्जीवाड़ा, झूठ और बहानों की राजनीति यहां नहीं चलने वाली है। यह दो ईपीआईसी नंबर वाला खेल मज़ाक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के साथ धोखा है। अब यह साफ़ हो चुका है कि फर्जीवाड़ा राजद की राजनीति की रगों में दौड़ता है। भाजपा ने कहा कि तेजस्वी यादव का जो ईपीआईसी – आरएबी0456228 विधानसभा चुनाव 2020 में था वही अब 2025 में भी है। इसी पर उन्होंने पहले भी मतदान किया है। इससे पहला तथ्य ये सामने आता है कि जिस वोटर आईडी का दूसरा ईपीआईसी – आरएबी 2916120 उन्होंने दिखाया वह पूर्णतया फर्जी ढंग से लोगों को गुमराह करने के लिए बनाया गया है।

एनडीए के प्रवक्ताओं ने साफ तौर पर कहा कि सजायाफ्ता लालू यादव की परंपराओं को ही तेजस्वी यादव आगे बढ़ा रहे हैं। मतदाताओं का एक मतदाता पहचान पत्र होता है और दो पहचान पत्र रखना संज्ञान अपराध है। तंज कसते हुए प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी चुनाव आयोग पर बम गिराने की बात कर रहे थे लेकिन तेजस्वी यादव ने बिना तिथि के ही 'बम' गिरा दिए। एनडीए प्रवक्ताओं ने इंडी गठबंधन के नेताओं को निशाने पर लेते हुए कहा कि ये लोग अब न केवल संवैधानिक संस्थाओं को अपमानित कर रहे हैं बल्कि अब धमकी भी दे रहे हैं। इनकी मंशा देश में अराजकता पैदा करने की है। ऐसा कर ये लोग लोकतंत्र को शर्मसार कर रहे हैं। इस प्रेस वार्ता में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक, जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार, लोजपा (रामविलास) के राजेश भट्ट, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के श्याम सुंदर और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रवक्ता नितिन भारती और भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल उपस्थित रहे।

खगड़िया पुलिस की बड़ी कार्रवाई

लूटकांड का खुलासा, टॉप-10 इनामी अपराधी समेत 15 गिरफ्तार

खगड़िया (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र खगड़िया पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन छापेमारी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसपी राकेश कुमार ने शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि बीते 24 घंटे के भीतर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें लूटकांड, हत्या के प्रयास, नशाखोरी, पॉक्सो एक्ट और अन्य गंभीर अपराधों में शामिल आरोपी शामिल हैं।

महेशखूंट थाना क्षेत्र में हुई लूट और छिनतई की घटनाओं के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन शातिर अपराधियों अमरजीत कुमार उर्फ अंबा, छोटू कुमार और अंशुमन कुमार उर्फ सुमन कुमार को गिरफ्तार किया। डीएसपी गोगरी रमेश कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने इन्हें रोहड़ी ढाला के पास से धर दबोचा। तलाशी में एक देसी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस, दो खोखा, पांच मोबाइल, दो सोने की बाली और एक यामाहा 15 बाइक बरामद की गई।

दूसरी बड़ी कार्रवाई में डीआईयू खगड़िया, एसटीएफ पटना और चौथम थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर खगड़िया जिले के टॉप-10 कुख्यात अपराधियों में शामिल सिन्टू यादव को गिरफ्तार किया। उस पर हत्या के प्रयास, एससी/एसटी एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत कुल आठ संगीन मामले दर्ज हैं। सरकार ने उस पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

एसपी ने बताया कि पुलिस द्वारा की गई अन्य कार्रवाई में हत्या, हत्या के प्रयास, नशाखोरी, पॉक्सो एक्ट और गैर-जमानती वारंटियों सहित कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो नशेड़ी, एक हत्या कांड में वांछित, दो हत्या प्रयास में शामिल, एक पॉक्सो एक्ट के तहत, एक शराब मामले में और सात अजमानतीय वारंटी शामिल हैं।

एसपी राकेश कुमार ने कहा कि खगड़िया पुलिस आमजन की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चला रही है। हर कार्रवाई में तकनीकी निगरानी, मानव सूचना तंत्र और विभिन्न इकाइयों के समन्वय से अपराधियों पर नकेल कसी जा रही है।

इन अभियानों में महेशखूंट थाना अध्यक्ष मिथिलेश कुमार, चौथम थाना अध्यक्ष अजीत कुमार, पुअनि राजू कुमार, प्रमोद कुमार, जितेन्द्र कुमार निराला, पुअनि संतोष कुमार, डीआईयू शाखा के पुअनि चंदन कुमार यादव, डीआईयू सिपाही गोपाल मुरारी, एसटीएफ टीम और सशस्त्र बलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीएम नीतीश की पार्टी में शामिल हुए कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक राम

पटना (एजेंसियां)। बिहार चुनाव से पहले नेताओं का पार्टी बदलने का सिलसिला जारी है। अब कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री डॉ अशोक राम ने अपनी पार्टी का साथ छोड़ दिया है। वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी में शामिल हो चुके हैं। चुनाव से पहले पूर्व मंत्री का यह कदम सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बना हुआ है। जदयू के प्रदेश कार्यालय में उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता दिलाई। इसके बाद कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि महागठबंधन के कई और नेता भी हमारे संपर्क में हैं। वह उन्हें उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।

दलित वोट बैंक पर काफी पकड़ रखने वाले डॉक्टर अशोक राम ने जदयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि आज मैं अपने बेटे अतिरेक के साथ जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो चुका हूं। आज का दिन मेरे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है। बिहार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जरूरत है इसी को देखते हुए मैंने जदयू में शामिल होने का फैसला लिया है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही एक ऐसे शख्स हैं जिन्होंने गरीब, दलित, महादलित और पिछड़ों को पहचान दिलाई है। 2025 में फिर से नीतीश के नारे को हर हाल में पूरा करना है। वहीं सीएम नीतीश कुमार के करीबी और बिहार सरकार में मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि अशोक राम के आने से जदयू को काफी मजबूती मिलेगी उन्हें कांग्रेस में जितनी इज्जत मिलनी चाहिए थी। वह नहीं मिला इसलिए उनके मान सम्मान का पूरा ख्याल पार्टी रखेगी।

बता दें कि पूर्व मंत्री डॉ. अशोक राम पिछले कुछ दिनों से नाराज चल रहे थे। उनके समर्थक बता रहे हैं कि दलित नेता होने के बावजूद पार्टी उन्हें तवज्जो नहीं दे रही थी। खासकर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्ण अल्लावरु और उनके बीच संबंध बहुत अच्छे नहीं थे। लोकसभा चुनाव के बाद से ही वह हाशिए पर चले गए थे। हालांकि, डॉ अशोक राम ने पार्टी छोड़ने का कारण स्पष्ट नहीं बताया है। उन्होंने कहा है कि मैं निजी कारण से कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

ऑपरेशन सिंदूर पर बना गीत 'जय हिन्द जय हिन्द की सेना' हुआ रिलीज

विजय सिन्हा ने किया लोकार्पण

पटना (एजेंसियां)। भारतीय सेना के वीरता अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर आधारित एक प्रेरणादायक और राष्ट्रभक्ति से भरपूर गीत 'जय हिन्द जय हिन्द की सेना' शनिवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा भव्य रूप से लॉन्च किया गया। इस गीत के माध्यम से सेना की शौर्यगाथा को न सिर्फ संगीतमय रूप में प्रस्तुत किया गया है, बल्कि यह देशवासियों का हौसला बढ़ाने और दुश्मनों को कड़ी चेतावनी देने का भी काम करता है। गीत के निर्माता, गीतकार और निर्देशक आशुतोष पांडे हैं, जिन्होंने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर से प्रभावित होकर इसे रचा है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा, ङ्मयह गीत सेना के जवानों के बलिदान को समर्पित है और इसका उद्देश्य लोगों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है। यह संदेश पाकिस्तान तक पहुंचाना है कि भारत अब पहले जैसा नहीं रहा – अब हम घर में घुसकर मारते हैं।

गीत की रिकॉर्डिंग मुंबई के एबी साउंड स्टूडियो में की गई है और इसका निर्माण एस2डीओ 705 के बैनर तले हुआ है। गीत का संगीत अमित शरद त्रिवेदी ने तैयार किया है जबकि गायन की जिम्मेदारी 'सुर संग्राम' विजेता और पार्श्व गायक अरुण देव यादव ने निभाई है। गीत का वीडियो एआई तकनीक से निर्मित है जिसे बॉलीवुड की प्रतिष्ठित कंपनी क्यू लैब, मुंबई ने तैयार किया है। इसके सह-निर्माता गणेश कुमार मेहता हैं।

गीत को एफ एंड बी म्यूजिकवाला यूट्यूब चैनल सहित देश-विदेश के 150 से अधिक ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किया गया है, जहां यह श्रोताओं की पहली पसंद बनता जा रहा है। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने इस अवसर पर गीत से जुड़े सभी कलाकारों और तकनीकी टीम को बधाई देते हुए कहा, ङ्मयह गीत न केवल सेना का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि आतंकियों के हाथों मारे गए निर्दोष नागरिकों और वीर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

महंत की निर्मम हत्या, बूढ़ी गंडक नदी किनारे कीचड़ में मिला शव, इलाके में सनसनी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर प्रखंड अंतर्गत पानापुर थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। बहादुरपुर मठ के महंत रामबाबू सिंह की निर्मम हत्या कर दी गई और उनका शव बूढ़ी गंडक नदी के किनारे कीचड़ में सना हुआ मिला। इस घटना से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। बताया जा रहा है कि महंत शनिवार रात से ही लापता थे। रविवार सुबह ग्रामीण जब शौच के लिए नदी किनारे गए, तो उन्हें एक शव दिखा। पास जाकर देखने पर पहचान हुई कि वह शव बहादुरपुर मठ के महंत रामबाबू सिंह का है। शव को मठ से करीब तीन किलोमीटर दूर बूढ़ी गंडक नदी के किनारे फेंका गया था।

घटना की खबर फैलते ही मठ परिसर में हजारों की संख्या में लोग जमा हो गए। वहीं मृतक महंत के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि महंत मठ में अपने एक सेवक के साथ ही रहते थे और शनिवार रात भोजन के बाद सोने चले गए थे।

सूचना मिलते ही पानापुर ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है और महंत के करीबी लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की हर पहलु से जांच कर रही है। मठ से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक इस निर्मम हत्या को लेकर गहरी नाराज़गी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों ने हत्या की निष्पक्ष जांच और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

जहानाबाद के काको में डायरिया का कहर डीएम ने लापरवाही पर जताई सख्त नाराजगी

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद जिले के काको प्रखंड मुख्यालय और आसपास के इलाकों में डायरिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते एक सप्ताह से जारी संक्रमण से कई लोग बीमार हो चुके हैं, वहीं कुछ लोगों की जान भी चली गई है। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर मौत की पुष्टि अब तक नहीं की गई है।

काको बाजार और मोहल्लों में दहशत का माहौल बना हुआ है। कई पीड़ितों का इलाज जहानाबाद सदर अस्पताल, काको अस्पताल और प्राइवेट क्लीनिकों में चल रहा है। कुछ मरीज इलाज के बाद घर लौट चुके हैं, लेकिन संक्रमण का खतरा अब भी बना हुआ है।

डायरिया के प्रसार की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अलंकृता पांडे ने रविवार को काको प्रखंड के प्रभावित इलाकों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मोहल्लों में फैली गंदगी और जलजमाव को देखकर नाराजगी जताई और मौके पर मौजूद नगर पंचायत, पेयजल आपूर्ति और अन्य विभागों के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई।

डीएम ने कहा कि संक्रमण तेजी से फैल रहा है, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से केवल खानापूर्ति की जा रही है। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर समस्याएं जानीं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार अधिकारियों से सफाई और स्वच्छ जलापूर्ति की मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

उन्होंने शिकायत की कि जिस पानी की टंकी से आपूर्ति होती है, उसमें भी गंदगी है, जिससे डायरिया फैल रहा है।

डीएम ने मौके पर मौजूद सिविल सर्जन और अन्य अधिकारियों से तत्काल जरूरी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों से स्पष्टीकरण की मांग की और चेतावनी दी कि यदि सतर्कता नहीं बरती गई तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। अलंकृता पांडे ने बरसात के मौसम में स्वच्छता और पेयजल आपूर्ति को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए और कहा कि आगे ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com